सेंसेक्स	~	81,151.27
निफ्टी	~	24,781.10
सोना	~	79,640
चांदी	~	1,01,000
डॉलर	~	84.07

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
मंगलवार 22 अक्टूबर 2024
कार्तिक कृष्ण 05 विक्रम सम्वत 2081
वर्ष 16, अंक 31
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

टनल में काम कर रहे श्रमिकों को आतंकियों ने गोलियों से भूना

डॉक्टर सहित 7 की मौत

जम्मू। हाल ही में मुख्यमंत्री बने उमर अब्दुल्लाह के विधानसभा क्षेत्र गांदरबल में बड़ा आतंकी हमला हुआ है। सोनमर्ग के पास गगनगीर इलाके में जेड मोड़ सुरंग निर्माण कर रही कंपनी में काम करने वाले मजदूरों पर रविवार की रात आतंकियों ने हमला कर छह मजदूरों और एक डॉक्टर की हत्या कर दी। कुछ अन्य मजदूर घायल हैं। इनमें पांच प्रवासी मजदूर भी हैं। हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा के सहयोगी संगठन द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। हमला होते ही कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। सुरक्षा बलों ने मौके पर पहुंचकर पूरे इलाके को घेर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है, ताकि आतंकियों को मार गिराया जा सके। आईजी वीके विर्दी भी मौके पर हैं। प्रवासी मजदूरों पर हाल के वर्षों में यह सबसे बड़ा आतंकी हमला है। आतंकियों की संख्या दो बताई जा रही है। यह वारदात शोपियां में बिहार के मजदूर अशोक चौहान के आतंकी हमले में मारे जाने के एक दिन बाद हुई है। हत्या के विरोध में नागरिक समाज तथा कॉलेज के छात्रों ने शनिवार को जुलूस निकालकर शांति की अपील की थी। पिछले तीन दिन में आतंकी हमले में सात मजदूर मारे जा चुके हैं।

गगनगीर गुंड इलाके में सुरंग बना रही कंपनी एप्को के कर्मियों के शिविर पर पहुंचकर आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग की। इसमें मौके पर ही दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में एक कश्मीरी डॉक्टर तथा चार अन्य मजदूरों की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतकों की पहचान डॉ. शाहनवाज और मजदूरों फहीम नजीर, कलीम, मोहम्मद हनीफ, शशि अबरोल, अनिल शुक्ला और गुरमीत सिंह के रूप में हुई है। इनमें गुरमीत पंजाब, अनिल मध्य प्रदेश और हनीफ, कलीम व फहीम बिहार के रहने वाले थे। माना जा रहा है कि यह हमले आतंकियों की दहशत फैलाने और फिर पैर जमाने की साजिश का हिस्सा हैं। 2021 में भी इसी तरह प्रवासी मजदूरों पर हमले किए गए थे। 16 व 17 अक्तूबर, 2021 को बिहार और यूपी के 4 मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तब कश्मीर से बड़े स्तर पर प्रवासी मजदूरों ने पलायन किया था। घटना के बाद पूरे इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है। प्रवासी मजदूरों के कैंप पर भी अतिरिक्त फोर्स की तैनाती कर दी गई है। वाहनों की तलाशी भी ली जा रही है।

आतंकी बचेंगे नहीं-अमित शाह

अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर के गगनगीर में नागरिकों पर हुआ नृशंस आतंकी हमला कायरतापूर्ण घृणित कृत्य है। इस जघन्य कृत्य में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें हमारे सुरक्षा बलों की ओर से कड़ी से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा। इस अत्यंत दुख की घड़ी में, मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

उमर सरकार के 5 दिन में दूसरा आतंकी हमला

उमर अब्दुल्ला सरकार के शपथ लेने के पांच दिन के भीतर प्रवासी मजदूरों पर यह दूसरा आतंकी हमला है। यह हमला जिस क्षेत्र में हुआ, वह उमर के विधानसभा क्षेत्र गांदरबल में आता है। इस वर्ष गैर कश्मीरियों पर यह पांचवां हमला है। हमले ने यहां काम करने वाले 50 हजार से अधिक प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां श्रमिकों में बिहार, यूपी, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पंजाब के लोग ज्यादा हैं। वहीं सीएम उमर अब्दुल्ला ने दुख जताते हुए कहा कि मैं निहत्थे निर्दोष लोगों पर हुए इस हमले की कड़ी निंदा करता हूं और उनके प्रियजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना है।

बारामूला में एक आतंकी ढेर, युद्ध जैसे हथियार किए बरामद

बारामूला में सेना ने आतंकियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। यहां हुई मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर हुआ है। जिसके पास युद्ध जैसे हथियार बरामद हुए हैं। सेना के बयान में कहा गया है कि इस जखीरे को देखकर ऐसा लग रहा था जैसे किसी युद्ध की तैयारी के लिए सामान जुटाया जा रहा है। मारे गए आतंकी के पास एक एके 47 राइफल, दो एके मैगजीन, 57 एके राउंड, दो पिस्टल मैगजीन के अलावा कई अन्य खतरनाक हथियार थे।इससे पहले आर्मी के चिनार कोर ने बताया कि घुसपैठ के खिलाफ इलाके में संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया था। बयान के मुताबिक घुसपैठ को लेकर मिली खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस ने एलओसी के करीब स्थित उरी और बारामुला में यह अभियान चलाया। संदिग्ध गतिविधि नजर आने के बाद सेना की चौकन्नी टुकड़ी ने चुनौती दी। इसके बाद सामने से फायरिंग होने लगे। जवाब में जवानों ने भी गोलियां बरसाई।

गांदरबल में हुए आतंकी हमले की जांच करेगी एनआईए ?

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। इस हमले में एक डॉक्टर समेत 6 प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई थी। सूत्रों के अनुसार टीआरएफ का चीफ शेख सज्जाद गुल इस हमले का मास्टरमाइंड है। गुल के कहने पर ही यह हमला किया गया। इस बीच एनआईए की चार सदस्यीय टीम सोमवार को घटनास्थल का दौरा किया। बताया जा रहा है कि एनआईए को इस हमले की जांच सौंपी गई है।

यह पहली बार है जब कश्मीरियों और गैर-कश्मीरियों को एकसाथ निशाना बनाया गया है। मालूम हो कि सीनियर पत्रकार शुजात बुखारी की हत्या में भी टीआरएफ का ही नाम आया था। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल तीन लोगों की पहचान की थी। हमले में शामिल दो लोग साउथ कश्मीर के रहने वाले और तीसरा पाकिस्तानी नागरिक था।

टीआरएफ का गठन शेख सज्जाद गुल ने साल 2019 में किया। हालांकि, इस संगठन अस्तित्व में लाने की साजिश सीमा पार से चल रही थी। टीआरएफ लंबे समय से कश्मीर में सक्रिय है जिसके गुर्गों ने कश्मीरी पंडितों और बाहरियों को टारगेट किया है। रिपोर्ट के मुताबिक आतंकी समूह की ओर से गांरदबल में हमले वाली जगह की बीते एक महीने से रेकी की जा रही थी। इस तरह पूरी प्लानिंग के साथ जिले के सोनमर्ग इलाके में कंस्ट्रक्शन साइट को निशाना बनाया गया। सूत्रों ने बताया कि इस टारगेट किलिंग को अंजाम देने के लिए 2 से 3 आतंकवादियों को भेजा गया था। इसी साल, फरवरी में कश्मीर में 2 गैर-स्थानीय नागरिकों की हत्या हुई थी। एनआईए ने इस सिलसिले में टीआरएफ के 4 सदस्यों सहित पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकवादी के खिलाफ अगस्त में आरोप पत्र दायर किया था।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में कई नक्सलियों के मारे जाने की खबर

गढ़चिरौली । महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस के सी 60 कमांडो और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। मुठभेड़ में तीन से चार नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। गढ़चिरौली में छत्तीसगढ़ सीमा क्षेत्र में इस मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी के भी घायल होने की भी खबर है।

पुलिस ने मुठभेड़ की पुष्टि की है लेकिन नक्सलियों की मौत की पुष्टि के लिए शवों के बरामद होने तक इंतजार करने को कहा है।

जानकारी के मुताबिक मुठभेड़ भामरागढ़ के कोपरी जंगल में हो रही है। खुफिया एजेंसियों ने पुलिस को इलाके में कई नक्सलियों की मौजूदगी की जानकारी दी थी, जिसके बाद पुलिस ने इलाके में कार्रवाई की है। कोपरी गढ़चिरौली के भामरागढ़ तालुक में अंतिम वन क्षेत्र है।

खास खबर

मानहानि मामले में केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से झटका, याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात यूनिवर्सिटी द्वारा दायर मानहानि मामले में दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी है। यह मामला 2023 का है, जब केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने पीएम नरेंद्र मोदी की शैक्षिक डिग्री पर सवाल उठाए थे। इन आरोपों के बाद गुजरात यूनिवर्सिटी ने दोनों नेताओं के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। इस मामले में पूर्व सीएम केजरीवाल के खिलाफ सेशन कोर्ट ने समन जारी किया था, जिसे उन्होंने गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने सोमवार को केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि इससे पहले संजय सिंह ने भी इसी मामले में याचिका दाखिल की थी, जिसे 8 अप्रैल को खारिज कर दिया था। इसलिए इस मामले में समान दृष्टिकोण अपनाते हुए केजरीवाल की याचिका भी खारिज की जाती है।

मंडई मेट्रो स्टेशन पर लगी आग, कोई हताहत नहीं

पुणे। पुणे मंडई मेट्रो स्टेशन के भूतल पर रविवार आधी रात को आग लगने के कारण अफरातफरी मच गई। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई व्यक्ति गंभीर घायल नहीं हुआ है। घटना की जानकारी दमकल विभाग के एक अधिकारी ने सोमवार को दी है। आग लगने की घटना को लेकर दमकल विभाग के अधिकारी ने बताया, कि 'वेल्डिंग' का काम चल रहा था, तभी आग लगने की यह घटना हुई। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल की टीमों ने जल्द ही आग पर काबू पा लिया। आग लगने की इस घटना में किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। आग की घटना के बाद स्थानीय सांसद और केंद्रीय नागरिक उड्डयन एवं सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट करते हुए बताया कि आग बुझा दी गई है और इस घटना से मेट्रो सेवा पर किसी प्रकार का कोई असर नहीं पड़ा है।

जब एआई के दुरुप्रयोग से बचे भारती समूह के चेयरमैन सुनील मित्तल

नई दिल्ली। भारती समूह के चेयरमैन सुनील मित्तल ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) भविष्य में विश्व अर्थव्यवस्था और भू-राजनीति में अहम भूमिका निभाएगी। मित्तल ने कहा कि इस नई प्रौद्योगिकी के आने से दुनिया में व्यापक बदलाव आएगा, लेकिन हम सभी को नई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ेगा, जिसमें दुरुपयोग की आशंका भी शामिल है। मित्तल ने इस संदर्भ में सतर्कता और सुरक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया। एक कार्यक्रम मित्तल ने एक निजी किस्सा साझा किया, जिसमें दुबई में तैनात एक वरिष्ठ वित्त अधिकारी को एक फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने अधिकारी की आवाज और लहजे की हू-ब-हू नकल की और उनसे बड़ी धनराशि हस्तांतरित करने को कहा। मित्तल ने बताया कि अधिकारी ने उसकी चालाकी को तुरंत पहचान लिया। इस घटना से मित्तल खुद भी हैरान रहे, क्योंकि वॉयस रिकॉर्डिंग बिल्कुल वैसी ही थी जैसी उस अधिकारी की होती।

महाराष्ट्र में महारार

कांग्रेस और उद्धव सेना में सीटों पर भारी तकरार

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में केवल एक महीने का वक्त बचा हुआ है। मतलब 20 नवंबर को मतदान होना है और विपक्षी गठबंधन एमवीए ने अभी तक सीट शेयरिंग फॉर्मूला पेश नहीं किया है। खबरें ये भी हैं कि कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के बीच तनातनी ज्यादा चल रही है। दोनों ही दलों के दिग्गज दिग्गज नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) चीफ शरद पवार के द्वार पहुंचे हैं। राज्य में 20 नवंबर को मतदान होगा। रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को एआईसीसी की चुनाव और स्क्रीनिंग कमेटी की बैठकें होना थीं, लेकिन सीट शेयरिंग में सहमति नहीं बनने के चलते ये रद्द हो गईं। कहा जा रहा है कि समितियां अगले 1-2 दिनों में फिर मीटिंग कर सकती हैं। इधर, शनिवार को एमवीए में सीट शेयरिंग पर दोबारा बातचीत शुरू हो गई थी।

खबर है कि शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे और एमएलसी अनिल परब ने भी सीनियर पवार से मुलाकात की है। पदाधिकारियों का कहना है कि मीटिंग घोषणापत्र के चलते की गई थी, लेकिन राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सीट पर छिड़ी रार अभी पूरी तरह शांत नहीं हुई है। यह खासतौर से शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के बीच जारी है। रविवार के उद्धव ठाकरे ने भी मातोश्री में पार्टी पदाधिकारियों की बैठक ली।कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने कहा कि अगर सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बनती है, तो पार्टी किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने भी कहा है कि राजनीति में कुछ भी हो सकता है। शनिवार को ही कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्नीथला ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और पवार से मुलाकात की थी। एआईसीसी की तरफ से भी सीडब्ल्यूसी के सदस्य नसीम खान को स्थिति संभालने के लिए मैदान में उतारा गया है। उन्होंने अखबार को बताया, विवादित सीटों को लेकर शरद पवार से मेरी छोटी सी मुलाकात हुई है। एमवीए के सूत्रधार होने के नाते उन्होंने उद्धव ठाकरे और संजय राउत दोनों से मुलाकात की है। मुझे भरोसा है कि शरद पवार के हस्तक्षेप के बाद विवाद सुलझ जाएगा।रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस के पदाधिकारी ने शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) को लेकर कहा, उनकी मांग वास्तविक नहीं हैं। वे ऐसी सीटों की मांग कर रहे हैं, जहां उनकी मौजूदगी लगभग शून्य है।

दो सीटों के ऑफर पर सपा और कांग्रेस में ठनी रार

सीट बंटवारे को लेकर राजनैतिक दलों में विवाद कोई नई बात नहीं है। सपा और कांग्रेस के बीच महाराष?ट्र विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे का पेंच फंसा हुआ है वहीं यूपी उपचुनाव में सपा की ओर से दो सीटों के ऑफर ने कांग्रेसी दावेदारों की बेचैनी बढ़ा दी है। पार्टी ने एक तरफ ज?यादा सीटों के लिए सपा पर दबाव बढ़ा दिया है। दूसरी तरफ कई मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि अधिक सीटें नहीं मिलीं तो कांग्रेस यूपी उपचुनाव से किनारा भी कर सकती है।

सीजेआई पर विवादित बयान दे फंसे राम गोपाल यादव...विवाद बढ़ने पर मारी पलटी

अखिलेश यादव को चाचा की आपत्तिजनक टिप्पणी के बारे में जानकारी नहीं

लखनऊ । समाजवादी पार्टी सांसद राम गोपाल यादव ने तब बड़ा विवाद खड़ा कर दिया जब उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ को कैमरे पर गाली दी। दरअसल राम गोपाल यादव से अयोध्या विवाद के संदर्भ में की गई टिप्पणी भगवान से प्रार्थना के बारे में पत्रकारों द्वारा पूछा गया था। हालांकि, आलोचनाओं का सामना करने के बाद, सपा नेता यादव ने यह कहकर अपना बयान वापस ले लिया कि किसी ने भी उनसे सीजेआई के बारे में कुछ नहीं पूछा था। सपा नेता यादव ने कहा मैं कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। जब आप भूतों को जीवित करते हैं, जब आप मृतकों को जीवित करते

हैं, तब वे भूत बन जाते हैं और न्याय का पालन करना शुरू कर देते हैं। वे अब कहां हैं ?... भूल जाइए, इसतरह सभी घटिया लोग ऐसी बातें कहते रहते हैं। क्या मुझे उन पर ध्यान देना चाहिए ?

बाद में, जब सपा नेता यादव ने आपत्तिजनक टिप्पणी के बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया, तब उन्होंने ऐसा कोई बयान देने से इंकार कर तर्क दिया कि उन्हें बहराइच हिंसा पर प्रतिक्रिया देने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा, किसी ने मुझसे सीजेआई के बारे में कुछ नहीं पूछा। सीजेआई बहुत प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। मैंने कभी (उन पर) कोई टिप्पणी नहीं की। मुझसे बहराइच (हिंसा) के बारे में पूछा गया और मैंने उसका जवाब दिया। विवाद पर प्रतिक्रिया देकर पूर्व सीएम और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें अपने चाचा द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बारे में जानकारी नहीं है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि उन्होंने फैसला सुनाने से पहले राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के समाधान के लिए प्रार्थना की थी।

अयोध्या मामले पर 3 माह तक विचार-विमर्श करने के अपने समय को याद कर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, अक्सर हमारे पास मामले (निर्णय के लिए) होते हैं, लेकिन हम समाधान पर नहीं पहुंचते। अयोध्या (राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद) के दौरान भी कुछ ऐसा ही हुआ था, जो 3 महीने तक मेरे सामने था।

बाते दें कि राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद लंबे समय से कानूनी और राजनीतिक मुद्दा रहा है कि क्या 16वीं सदी की मुगल मस्जिद उस जगह पर मंदिर को ध्वस्त करने के बाद बनाई गई थी, जिसे भगवान राम का जन्मस्थान बताया जाता है।

केंद्र की योजनाओं पर नजर रखेंगे शिवराज

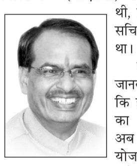

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार की योजनाओं और बजट घोषणाओं के तेज कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में एक विशेष निगरानी समूह का गठन किया है। केंद्र की सभी योजनाओं पर नजर रखने जैसी अहम जिम्मेदारी शिवराज को पीएमओ ने सौंपी है, जिससे उनका कद राजनीतिक गलियारे में भी और बढ़ गया है। बताते चलें कि निगरानी समूह की पहली बैठक 18 अक्टूबर को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में आयोजित की गई थी, जिसमें सभी प्रमुख सचिवों ने भाग लिया था।

पीएमओ ने एक जानकारी में बताया है कि इस निगरानी समूह का उद्देश्य 2014 से अब तक घोषित सभी योजनाओं, बजट घोषणाओं और अधीनस्थ कानूनों की प्रगति पर नजर रखना है, ताकि उन्हें समय पर और प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। समूह हर महीने पीएमओ में बैठक करेगा और योजनाओं की समीक्षा करेगा। बैठक में अतिरिक्त सचिव और संयुक्त सचिव भी शामिल होंगे, जो इन योजनाओं के नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार सरकारी योजनाओं में देरी को लेकर चिंता जाहिर कर चुके हैं, और यह कदम उनकी इसी चिंता का परिणाम बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि शिवराज की अध्यक्षता वाला यह निगरानी समूह योजनाओं की प्रगति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार को फटकारा, छह माही परीक्षा परिणाम पर लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार को 8वीं, 9वीं और 10वीं कक्षाओं की छहमाही परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने पर रोक लगा दी है। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने सरकार को फटकार लगाई और कहा कि बोर्ड स्तर की परीक्षाओं से छात्रों पर अनावश्यक दबाव डाला जा रहा है। कोर्ट ने साफ निर्देश दिया कि यदि किसी जिले में ये परीक्षाएं आयोजित नहीं की गई हैं, तो उन्हें नहीं लिया जाएगा। यह मामला कर्नाटक सरकार द्वारा कक्षा 8 से 10 तक की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर उठाए गए कदमों से जुड़ा है, जिसके खिलाफ याचिकाएं दायर की गई थीं। याचिकाकर्ताओं का दावा था कि कर्नाटक सरकार की ओर से आयोजित बोर्ड परीक्षाएं छात्रों पर अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई करते हुए सरकार को इन परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने से रोक दिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कर्नाटक सरकार को अपने निर्णयों पर पुनर्विचार करने का समय मिलेगा और छात्र परिणामों के तनाव से मुक्त रहेंगे। कोर्ट ने इस मामले में आगे की सुनवाई के लिए सरकार से स्पष्टीकरण भी मांगा है।

हमारा लक्ष्य 2047 तक विकासशील भारत को विकसित भारत बनाना है- पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि कई बार लोग सवाल करते हैं कि जब तीन बार आपकी सरकार बन गई, इतने सुधार कर लिए तो इतनी भाग दौड़ क्यों करते हैं? उन्होंने कहा कि हमने जो सपने देखे हैं, उनको पूरा किए बिना ना चैन है ना आराम। पीएम मोदी ने तीसरे कार्यकाल में 125 दिन में किए गए कामों की लिस्ट गिनाई। इसके अलावा उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य अगले 30 सालों का है 2047 तक विकासशील भारत को विकसित भारत बनाना है।

उन्होंने कहा कि हमने 70 साल से ज्यादा के बुजुर्गों के लिए पांच लाख तक के मुफ्त इलाज की व्यवस्था की है। 125 दिनों में पांच

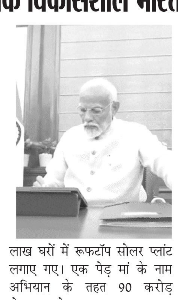

लाख घरों में रूफटॉप सोलर प्लांट लगाए गए। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 90 करोड़ से ज्यादा पेड़ लगाए गए। 12 नए इंडस्ट्रियल नॉट्स को मंजूरी दी है। निफ्टी और सेंसेक्स में ग्रोथ हुई। हमारी विदेशी मुद्रा बढ़ी। भारत की उपलब्धियों की सूची बहुत लंबी है। मैं सिर्फ 125 दिनों की बात कर रहा हूं।

उन्होंने कहा कि भारत में टेलिकॉम और डिजिटल फ्यूचर पर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम हुआ। भारत में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम पर चर्चा हुई। नवीकरणीय ऊर्जा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हुआ। यह भारत के साथ जुड़ी उम्मीदों की सूची है। इससे भारत की दिशा और दुनिया की आशा दोनों समझ में आती हैं। ये वह विषय हैं जो आने वाले समय में दुनिया का भविष्य तय करेंगे। इसलिए आज दुनिया के देश भारत आना चाहते हैं। आज भारत में इतना कुछ हो रहा है कि तीसरे टर्म में जो गति भारत ने पकड़ी है उसे देखकर बहुत सी रेटिंग एजेंसियों ने भारत का ग्रोथ फोरकास्ट बढ़ा दिया है। भारत को सबसे ज्यादा जो प्यार करते हैं, ऐसे पारखी एक्सपर्ट यहां मौजूद हैं। वे जिस प्रकार भारत के निवेश को लेकर उत्साहित हैं, उसका बहुत महत्व है। वे ग्लोबल फंड्स् को कहते हैं कि 50 फीसदी फंड भारत के शेयर मार्केट में लगाएं तो इसका बहुत बड़ा मतलब है। भारत एक विकासशील देश है और उभरती हुई शक्ति भी। हम गरीबी की चुनौतियां भी समझते हैं और प्रगति का रास्ता भी जानते हैं। हमारी सरकार नीतियां बना रही है। फैसले ले रही है और नए सुधार कर रही है।

असली कोर्ट के सामने पकड़ी गई नकली कोर्ट, कई फर्जी आदेश दिए जाने का खुलासा

अहमदाबाद। गुजरात में अब तक नकली सरकारी कचहरी, अधिकारी, पुलिस, टोल नाका, मल्टी स्पेश्यालिटी होस्पिटल, नकली क्लीनिक और डॉक्टर पकड़े जाने की खबरें सुनते आए हैं। लेकिन अब जो घटना सामने आई जिसे सुनकर आप चौंक जाएंगे। अहमदाबाद में सिटी सिविल कोर्ट के सामने ही चल रही नकली कोर्ट का पर्दाफाश हुआ है। चौंकाने वाली बात तो यह है कि असली कोर्ट के सामने चल रही नकली कोर्ट की किसी को भनक तक नहीं लगी। इस नकली कोर्ट में मॉरिस क्रिश्चियन नाम के व्यक्ति द्वारा फर्जी आदेश बनाए गए थे जिसमें विवादित जमीनों का फर्जी कोर्ट से ऑर्डर कराया गया था। आरोपियों द्वारा फर्जी मध्यस्थ बनकर विवादित जमीनों के कई आदेश कराए गए। यह बात सामने आई है कि आरोपियों ने मूल जमीन हड़पने की नियत से यह साजिश रची थी। आरोपी द्वारा अपने मुवक्किल के खिलाफ चल रहे मामले के संबंध में गलत बयान दिया गया था। हालाँकि उसकी हरकतों के कारण अब उसे जेल के सरिये गिनने की बारी आ गई। इस मामले में सिटी सिविल कोर्ट के रजिस्ट्रार द्वारा अहमदाबाद के कारंज पुलिस स्टेशन में एक पुलिस शिकायत दर्ज की गई थी। इस घटना की जानकारी जब पुलिस को हुई तो वह भी हैरान रह गईष घटना की गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आरोपी मॉरिस क्रिश्चियन को गिरफ्तार कर लिया है।

इधर नगर के चहुमुंखी विकाश का वादा-उधर नाली तक नही बना पा रही नपा

पानी निकासी की व्यवस्था न होने से रहवासी परेशान,जगह-जगह लगा कूड़े का ढेर, वार्ड न 15 इंदिरा गांधी वार्ड का मामला, स्थानीयजनों ने जताई नाराजगी,व्यवस्था बनाने की करी मांग

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। नगर का चहुमुखी विकास करने और नगर वासियों को मूलभूत सुविधाएं देने का दावा करने वाली नगर पालिका, नगर के विभिन्न वार्डों में नाली तक का निर्माण नहीं करा पा रही है। जिसके चलते जहां एक ओर विभिन्न वार्डों में पानी निकासी की समस्या बनी हुई है तो वहीं कई वार्डों में कच्ची नालियों का पानी ओवरफ्लो होकर सड़क से बह रहा है।वही कई वार्डो में पानी निकासी की व्यवस्था ना होने के चलते जहां तहां गंदगी देखी जा रही है ताजा मामला नगर के वार्ड नंबर 15 इंदिरा गांधी वार्ड का है।जहां नगर विकास के नाम पर नगरी जनता से करोड़ों रुपए का टैक्स वसूल करने वाली नगर पालिका लोगों को मूलभूत सुविधाएं तक देने में नाकाम नजर आ रही है। जिसके चलते नगर के वार्ड नं 15 मे वर्षों पुरानी समस्या अब भी जस की तस बनी हुई है।जहां साफ-सफाई, पानी निकासी जैसी मूलभूत सुविधाएं न मिलने से रहवासियों में नगरपालिका के खिलाफ आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है।

गंदगी में जिंदगी गुजार रहे दुकानदार

नगर का वार्ड नं 15 यू तो नगर का हदय स्थल कहलाता है।खुद नगर पालिका के सामने यह वार्ड है। जहा सुरुचि भोजनालय से लेकर होटल तक नालियों का ओवरफ्लो पानी सड़को से बहता नजर आ रहा है तो वही जगह जगह कचरे व गंदगी के ढेर पड़े है। जहां नपा द्वारा पक्की नाली का निर्माण ना कराने के चलते पानी निकासी की समस्या उत्पन्न हो रही है। पानी की निकासी व्यवस्था ना होने के चलते नालियों से गुजरने वाला गंदा पानी ओवर फ्लो होकर सड़क से बह रहा है।जहां से आवागमन करने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जहां नालियों का निर्माण ना होने और पानी निकासी की व्यवस्था अब तक ना बनाने के चलते जहां वार्ड वासी गंदगी में जिंदगी गुजारने के लिए मजबूर हैं। तो वहीं उन्हें बीमारी का डर भी सता रहा है। जिन्होंने नपा प्रबंधन से नाली का निर्माण कर पानी निकासी की व्यवस्था बनाने, और वार्ड में साफ सफाई के व्यापक इंतजाम किए जाने की मांग की है।

अशोक उघान की जगह को बना दिया पार्किंग स्थल

स्थानीय दुकानदारों द्वारा बताया गया कि इंदिरा गांधी वार्ड में जिस स्थान पर कचरा गंदगी पड़ी है और जहां वाहनों की पार्किंग की जा रही है उस स्थान पर अशोक उद्यान का निर्माण होना था वर्ष 2002 में तत्कालीन पालक मंत्री दीपक सक्सेना ने उस स्थान में अशोक उद्यान बनाने की घोषणा करते हुए राज्य सरकार की मदद से 65000 रु स्वीकृत कराए थे। जिसकी निर्माण एजेंसी नगर पालिका को बनाया गया था। उस समय नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अनुभा मुंजारे थी। बताया जा रहा है कि उस समय नगर पालिका द्वारा अशोक उद्यान का निर्माण के लिए नक्शा डिज़ाइन सहित अन्य व्यवस्था बनाने कागजी कार्यवाही पूरी कर ली गई थी। लेकिन आज तक वहां अशोक उद्यान का निर्माण नहीं हुआ है। तो वहीं स्थानीय लोगों ने उक्त स्थान को अब पार्किंग स्थल और अस्थाई डंपिंग यार्ड बना दिया है। जिसके चलते राहगीरों सहित स्थानीय लोगो व दुकानदारों को भी हर मोड़ पर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं कुछ लोग इसका उपयोग मूत्रालय के रूप में भी करने लगे हैं।

कचरा गाड़ी नहीं आ रही इसीलिए हर किसी ने बना लिया अपना डंपिंग यार्ड

उधर रोजाना कचरा गाड़ी नहीं आती इसीलिए स्थानीय लोगो ने पार्किंग की खाली जगह को ही अस्थाई डंपिंग यार्ड बना लिया है।जहां न सिर्फ नालियों की सफाई करके निकाले गए मलमें और कचरे को फेंका जा रहा है। बल्कि रोजाना दुकानों से निकलने वाला कचरा भी डंप किया जा रहा है।जिसके चलते वाहन पार्किंग स्थल अस्थाई डंपिंग यार्ड बन गया है और पूरे वार्ड में जहां-तहाँ गंदगी नजर आ रही है।

सड़को में हमेशा बहता रहता है पानी

नगर के वार्ड नंबर 15 अपनी बदहाली पर आंसू बहाते नज़र आ रहा है । जहां सड़क नाली साफ सफाई सहित पानी निकासी की पर्याप्त व्यवस्था ना होने के चलते रहवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।बताया जा रहा है कि सड़कों पर नाली का गंदा पानी बहना कोई आज की समस्या नही है।बल्कि पानी निकासी की व्यवस्था ना होने के चलते इस सड़क पर हमेशा ही गंदा पानी बहता नजर आता है

ना नाली बनाई ना पानी निकासी के किए इंतजाम

नगर के वार्ड न 15 में नगर पालिका द्वारा अब तक पानी निकासी की व्यवस्था नहीं की गई है जहा केवल बरसात ही नही बल्कि गर्मी सहित अन्य दिनों मे भी नालियों का गंदा पानी सड़कों पर हमेशा बहते रहता है. जहां से पैदल चलना भी दूभर हो चुका है। वही महीनों से पानी बहने के कारण गंदगी और मच्छर का प्रकोप पूरे वार्ड में रहता है।वार्ड की इस बरसो पुरानी समस्या पर नगरपालिका का अब तक कोई ध्यान नहीं है।सवाल यह है कि कई वर्ष बीत जाने के बाद भी नपा ने अब तक पानी निकासी की व्यवस्था क्यों नहीं बनाई। सवाल यह भी है कि जब नगर के एक वार्ड का यह आलम है तो फिर नगर के 33 वार्डों का क्या आलम होगा और सबसे बड़ा सवाल यह है कि जो नगर पालिका पानी निकासी तक के इंतजाम नहीं कर पा रही है तो फिर वहां नगर पालिका किस आधार पर नगर का विकाश किए जाने की दावा कर रही है यही सभी सवाल नगरपालिका के गैर जिम्मेदाराना रवैया को प्रदर्शित करते हैं वही नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह लगाते हैं।

कई बार सौंप चुके हैं आवेदन, नही हुई कोई सुनवाई

ऐसा नहीं है कि रहवासियों ने इस एक छोटी सी समस्या को लेकर जिम्मेदारों को आवेदन निवेदन नहीं किया है। बल्कि वार्डवासियों ने स्थानीय पार्षद से लेकर जनप्रतिनिधियों, नगर पालिका के अधिकारियों कर्मचारियों यहां तक कि उच्च अधिकारियों तक को अवगत करा चुके है लेकिन वार्डवासियों के इस आवेदन निवेदन का जिम्मेदारों पर अब तक कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।जहां जिम्मेदारों ने अब तक वार्ड की समस्या पर ध्यान नहीं दिया है जिसका खामियाजा वार्ड वासियों को भुगतना पड़ रहा है।

गंदगी से बढ़ रहा मच्छरों का प्रकोप- वार्डवासी

स्थानीय दुकानदारों ने बताया वे कि पिछले कई सालों से वार्ड नंबर 15 में दुकानें संचालित कर रहे हैं यहां पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है नाली का निर्माण ना होने के चलते पानी की निकासी नहीं हो पाती वही जगह-जगह पानी भर जाने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है।लोग यहां बीमार पड़ रहे हैं हमारी मांग है कि जल्द से जल्द पक्की नाली बनाकर पानी निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए।

नाली बनी भी नहीं और ठेकेदार को हो गया भुगतान- इंद्रर जैन

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान स्थानीय दुकानदार इंदर जैन ने बताया कि बारिश के पहले से यहां सड़कों पर पानी बह रहा है गौरी शंकर बिसेन जब कृषि मंत्री थे उन्होंने यहां पर रोड नाली के निर्माण का भूमि पूजन किया था। पक्की सड़क व पक्की नाली का टेंडर हुआ था लेकिन ठेकेदार ने नाली का निर्माण नहीं कराया बाद में पता करने पर जानकारी मिली कि बिना नाली निर्माण के ही ठेकेदार को पूरा भुगतान कर दिया गया है। हमने पार्षद से भी पक्की नाली का निर्माण कराए जाने की बात कही है। उन्होंने आश्वासन दिया लेकिन आज तक कुछ नहीं किया। यहां पर जगह-जगह कचरा पड़ा रहता है, सप्ताह भर से झाड़ू नही लगी हैं।रोजाना कचरा गाड़ी भी कचरा उठाने नहीं आती। यहां पर तरह-तरह की समस्याओं का अंबार लगा है जिस पर नगर पालिका का कोई ध्यान नहीं है।

टैक्स के अनुरूप नही मिल रही सुविधाए- बिसेन

वही स्थानीय दुकानदार मधु सूधन बिसेन ने बताया कि यह करीब वर्ष भर हो गए सड़क पर पानी बहता रहता है यहां पर पक्की नाली का निर्माण पहले हो रहा था लेकिन बाद में बंद कर दिया गया आधी अधूरी नाली का निर्माण कर काम छोड़ दिया गया है कई बार हमने इसकी शिकायत किए पर कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। स्वच्छता के नाम पर नगर पालिका इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रही ही।स्वच्छता अभियान चलाने के बाद 4 दिन बाद जैसी की वैसी स्थिति बन जाती है। उन्होंने बताया कि हम भरपूर टैक्स देते हैं यहां के सभी दुकानदारों का पूरा टैक्स जमा है लेकिन टैक्स देने की बावजूद भी हमें सुविधा का लाभ नहीं मिल रहा है। हमारी दुकानों के सामने की पक्की नाली भी हम दुकानदारों ने स्वयं के पैसे खर्च करके बनाई है। जबकि सड़क के उस तरफ खाली भूमि के पीछे नाली का निर्माण आज तक नहीं कराया गया है जिसके चलते नाली का गंदा पानी सड़कों पर बहता रहता है ।

जल्द व्यवस्था बना दी जाएगी- ठाकुर

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने बताया कि बस स्टैंड के समीप साइकिल दुकान वाली लाइन में वाहनों का पार्किंग स्थल बना है जहां गाड़ियां खड़े होने से समस्या उत्पन्न हो रही है। पानी निकासी की समस्या भी सुनने में आ रही है जिसे व्यवस्थित करने के निर्देश हमने सम्बधित विभाग के कर्मचारियों को दिए हैं वहां संपूर्ण परिसर की साफ सफाई कर अस्थाई डंप को हटाया जाएगा। वही पूर्ण व्यवस्था बना दी जाएगी उन्होंने बताया कि पहले वहां पर कचरा डंप करने के लिए नगर पालिका द्वारा रिक्शा रखा जाता था लेकिन आवारा मवेशी रिक्शे के उस कचरे को बिखरा देते थे इसीलिए रिक्शा वहां से हटा दिया गया है रोजाना गाड़ी भेज कर कचरा उठाया जा रहा है। वहां पर लम्बे समय पूर्व आधी नाली का निर्माण किया गया था जबकि आधी नाली का निर्माण अधूरा है जहां से नाली निर्माण छूट गया है उसका निर्माण जल्द कराया जाएगा। किसी भी प्रोजेक्ट में उस नाली को जुड़वाकर उसका पक्का निर्माण कर दिया जाएगा ताकि सड़क पर पानी बहने वाली समस्या से छुटकारा मिल सके।

उधार दिए एक लाख रुपए वापस नहीं देने के मानसिक तनाव में एक व्यक्ति ने खाया जहर

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम डोंगरिया में एक व्यक्ति ने किसी मानसिक तनाव में आकर थायमेंट कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। कीटनाशक दवाई के सेवन से बेहोश व्यक्ति विजय पिता सावलदास बुर्डे 40 वर्ष ग्राम डोंगरिया निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है जिसकी हालत गंभीर बताई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय बुर्डे ग्राम बैहरई स्थित राइस मिल में काम

करता है। जिसके परिवार में पत्नी चित्रलेखा के अलावा दो बच्चे हैं। बताया गया कि पिछले वर्ष विजय बुर्डे ने ग्राम बरबसपुर के एक व्यक्ति को 1 लाख रुपये उधार दिए थे। किंतु वह व्यक्ति विजय बुर्डे को रुपए वापस नहीं लौट रहा था। जिसके कारण वह मानसिक तनाव में चल रहा था। 21 अक्टूबर को विजय बुर्डेअपने बच्चों के साथ घर में था जिसकी पत्नी चित्ररेखा किसी काम से बालाघाट आ गई थी। पत्नी के बालाघाट जाने के बाद 12 बजे करीब विजय बुर्डे ने थायमेंट कीटनाशक का सेवन कर लिया जो घर में उल्टी कर रहा था। जिससे कीटनाशक की दुर्गंध आ रही थी। जिसने बच्चों के द्वारा पूछने पर पॉयजन खाने के सम्बंध में बताया। बच्चों ने परिवार के अन्य लोगों को और मोहल्ले वालों को बताये। विजय बुर्डे को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किए। खबर मिलने पर उनकी पत्नी चित्ररेखा भी अस्पताल पहुंच गई। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक रामेश्वर बिसेन ने विजय बुर्डे बेहोशी की हालत में होने से उनका पत्नी का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु पुलिस थाना वारासिवनीमें भिजवा दी है। संभावना व्यक्ति गई है कि बरबसपुर के व्यक्ति के द्वारा एक लाख रुपए वापस नहीं करने के मानसिक तनाव में आकर विजय बुर्डे ने जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया। इस मामले की आगे जांच वारासिवनी पुलिस द्वारा की जाएगी।

सर्राटी जलाशय में मत्स्य खेट का जारी किया जाए पट्टा

मिलन मछुआ सहकारी समिति टेकाड़ी ने सौपा ज्ञापन, समिति के 72 सदस्यों के बेरोजगार होने का दिया हवाला, मांग पूरी ना होने पर भूख हड़ताल की दी चेतावनी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। सर्राटी जलाशय में मत्स्यखेट पट्टे के लिए चल रहे विवाद के बीच अब मिलन मछुआ सहकारी समिति टेकाड़ी ने पुन: उनकी समिति को मत्स्यखेट के लिए 10 वर्षीय पट्टा प्रदान किए जाने की मांग की है। जिन्होंने अपनी इस मांग को लेकर सोमवार को जिला पंचायत में एक ज्ञापन सौपा है।जिसमें उन्होंने पट्टे की प्रक्रिया को यथाशीघ्र पूरी कर उनकी मिलन मछुआ समिति टेकाड़ी को तत्काल पट्टा आवंटित किए जाने की गुहार लगाई है। जिन्होंने सौंपे गए इस ज्ञापन में बार-बार आवेदन निवेदन करने पर भी उनकी समिति को पट्टा न दिए जाने का आरोप लगाते हुए, पट्टा ना मिलने पर समिति के सभी 72 सदस्यों के बेरोजगार होने का हवाला दिया है, तो वहीं उन्होंने जल्द से जल्द पट्टा आवंटन की प्रक्रिया पूरी न होने, और उन्हें पट्टा आवंटित ना करने पर समिति द्वारा परिवार के सभी 700 से अधिक सदस्यों के साथ भूख हड़ताल किए जाने चेतावनी दी है।

बेरोजगारी का सामना कर रहे समिति के सभी सदस्य

मिलन मछुआ सहाकरी समिति के अंशधारी सदस्यो ने बताया कि हमारे द्वारा संस्था में कार्य करते हुये 20 से 25 वर्ष हो चुके है,हम सदस्यों द्वारा सर्राटी जलाशय में मत्स्याखेट कार्य कर जलाशय की पट्टा राशि समय-समय पर जिला पंचायत कार्यालय में जमा की जा चुकी है, एवं वर्तमान में संस्था पर किसी प्रकार का शासकीय लेन-देन नही है।वर्तमान समय में संस्था में जीवित 72 सदस्य है, वही विगत माह 30 जून को सर्राटी जलाशय का पट्टा समाप्त हो चुका है, संस्था द्वारा आवेदन करने के बावजूद अभी तक जलाशय का पट्टा संस्था को उपलब्ध नही हो पाया है, जिससे हम समिति के सदस्यों को बेरोजगारी का सामना करना पड रहा है,अधिकांश सदस्यों को रोजगार उपलब्ध नही होने कारण भूखमरी जैसी समस्या उत्पन्न हो गयी है। हमारी मांग है उक्त सर्राटी जलाशय का मिलन मछुआ सहकारी समिति मर्या0 टेकाडी को जल्द से जल्द पट्टा प्रदान किया जाए। जिससे तालाब में समय रहते मछली बीज संचय किया जा सके जिससे सदस्यों को रोजगार उत्पन्न हो सके। यदि ऐसा नहीं किया जाता तो समिति सदस्यों और उनके परिजनों द्वारा सामूहिक रूप से भूख हड़ताल की जाएगी।

तो आंदोलन कर भूख हड़ताल की जाएगी,- सदस्यगण

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान मिलन मछुआ सहकारी समिति सदस्य कमलेश शांडिल्य और राजकुमार भारती ने बताया कि अन्य लोगों की पूर्व से ही समिति है लेकिन वह अब टेकाड़ी समिति में जुड़ना चाहते है, जबकि टेकाड़ी समिति में पूर्व से ही सदस्यों की संख्या पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि मिलन मछुआ सहकारी समिति के सदस्यों का एकमात्र साधन मत्स्याखेट है, जिससे समिति से जुड़े सदस्य, अपने परिवार का जीविकोपार्जन करते है, लेकिन कुछ बिचौलिए और असामाजिक तत्व, समिति को नुकसान पहुंचाने की मंशा से आंदोलन और मीडिया को गलत जानकारी दे रहे है। जबकि नियमानुसार समिति के कार्यक्षेत्र के मछुआरों को ही समिति का सदस्य बनाया जाता है, जिसका पालन मिलन मछुआ सहकारी समिति मर्यादित टेकाड़ी कर रही है, ऐसे सदस्य जो समिति के ग्राम अंतर्गत आते है, उन्हें शामिल किया जा सकता है लेकिन कुछ लोग, बाहरी लोगों से मिलकर सदस्य नहीं बन रहे है बल्कि समिति का परिसमापन कराने का प्रयास कर रहे है। जो गलत है और हम इसका विरोध आंदोलन के माध्यम से करेंगे। वही आवश्यकता पड़ने पर सभी सदस्यों और उनके परिजनों के द्वारा सामूहिक रूप से भूख हड़ताल की जाएगी।

पीएम जीवन ज्योति बीमा एवं पीएम सुरक्षा बीमा योजना के तहत 15 जनवरी तक चलाया जाएगा विशेष अभियान

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजनान्तर्गत जिले में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। जिसमें 15 जनवरी तक पात्र नागरिकों को सुरक्षा प्रदाय किये जाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष अभियान अंतर्गत शिविर का आयोजन किया जाना है। वहीं इसके साथ ही राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति द्वारा समस्त राज्य स्तरीय बैंक प्रमुखों को उनकी शाखा/जिलावार लक्ष्य आवंटित करने के लिए भी निर्देशित किया गया है।

सड़क दुर्घटना से हुई मृत्यु उपरांत आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। कलेक्टर मृणाल मीना ने सड़क दुर्घटना से हुई मृत्यु पर मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। 29 अप्रैल 24 को ग्राम मराठा बूढ़ी किरनापुर निवासी समीर बिसेन के सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। जिसके उपरांत मृतक के पिता भुवनलाल बिसेन को 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य हेतु बी.ई., बी कॉम., प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण Freshers एवं सी.ए. आर्टिकल, सी.ए. इन्टर फाईनल युवक/युवती की आवश्यकता है। कम्प्यूटर एक्सल की संपूर्ण जानकारी आवश्यक है।

संपर्क करें

बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स

चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एंड मॉल द्वितीय तल हनुमान चौक, बालाघाट (मप्र)

मो. 09201340520/09244872544

बायोडाटा देने मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 से रात्रि 8 बजे तक

आवश्यकता है

चपरासी की आवश्यकता है

बालाघाट एवं आसपास में रहने वाले ही 25 वर्ष से कम उम्र के युवक/युवती ही संपर्क करें

अनिवार्यतः साइकिल चलाना आना चाहिए

वेतनमान- 10000+

संपर्क करें

बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स

चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल हनुमान चौक, मेन रोड बालाघाट (मप्र)

244944 मो. 9201340520,9244872544

मिलने एवं फोन लगाने का समय- शाम 5 से रात्रि 8 बजे तक

एक महिला को उसी के भतीजे ने सिर में लाठी मार कर किया घायल

लामता थाने के ग्राम चरेगांव की घटना घायल, महिला जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। लामता थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम चरेगांव में एक महिला को उसी के भतीजे ने सर में लाठी से मार कर घायल कर दिया। यह घटना पारिवारिक विवाद के चलते बनी आपसी रंजिश के चलते हुई। घायल महिला कलाबाई पति बाबूलाल स्वर्णकार 57 वर्ष ग्राम चरेगाव निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहीं ग्रामीण पुलिस ने इस मामले में इस महिला के रिश्तेदार डिकेश विश्वकर्मा के विरुद्ध मारपीट और धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कलाबाई के परिवार में उसके तीन बेटे हैं तीनों बेटे की शादी हो चुकी है और तीनों बेटे अपने परिवार के साथ अलग रहते हैं और मजदूरी करते हैं कलाबाई अपने पति बाबूलाल स्वर्णकार के साथ अपने पुश्तेनी ने मकान में रहती है। और मजदूरी करती है। मवेशी बांधने के रास्ते से परिवार के अन्य लोग आना जाना करते हैं। इसी को लेकर के डीकेश स्वर्णकार के परिवार और कला बाई स्वर्णकार के बीच

विवाद होने से उनके बीच आपसी रंजिश बन गई थी। घटना दिनांक को सुबह कला बाई अपने घर के पीछे कपड़े धो रही थी तभी डिकेश विश्वकर्मा घर के पीछे से बार-बार आना-जाना कर रहा था ।जिसे कला बाई ने बोली की घर के पीछे से बार-बार आना-जाना क्यों कर रहा है। इसी बात को लेकर डिकेश, कला बाई को अश्लील गालियां देने लगा। डिकेश द्वारा दी जाने वाली गाली बुरी लगने पर कलाबाई ने उसे गाली देने से मना की तभी डिकेश ने आवेश में आकर पास में रखी लाठी से कलाबाई के सिर में दनादन वार कर दिया और फरार हो गया। इस घटना को वहा के मोहल्ले वालों ने देखे। इसके बाद कला बाई अपने नाती मुकेश के साथ रिपोर्ट करने लामता थाना पहुंची। लामता पुलिस ने इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर डिकेश विश्वकर्मा के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 296 115(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मेट महासंघ ने किया अधिवेशन

शहर में रैली निकालकर जताया विरोध, मांगे पूरी नहीं हुई तो करेंगे मुख्यमंत्री के निवास का होगा घेराव

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। मध्यप्रदेश मेट महासंघ के द्वारा जिले भर के मनरेगा मेटों का महा अधिवेशन स्थानीय कमला नेहरू महिला मंडल सभागार में आयोजित किया गया। मेट महासंघ द्वारा ग्राम पंचायत में मेट भाई व बहनों को नियमित करने एवं ग्राम रोजगार सहायकों के सामने मानदेय की स्वीकृति प्रदान करने की मांग की है । तत्पश्चात मेट महासंघ ने कमला नेहरू महिला मंडल से रैली निकालकर शहर के प्रमुख मार्गो का भ्रमण करते हुये कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम मांगों को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन दिया। आपको बता दे कि 21 अक्टूबर को मेट संघ के आह्वान पर मुख्यालय में मेट साथियों का एक बड़ा अधिवेशन किया गया। सोमवार को दोपहर 01 बजे से देरशाम तक आयोजित इस अधिवेशन में पंचायत के कामो की निगरानी के लिए तैनात मेट साथियो ने, सरकार से रोजगार सहायक की तरह कार्य लिए जाने से उनकी तरह मानदेय, कार्य से अकारण, मेटो को बंद नहीं किए जाने और साल भर रोजगार देने की मांग की आवाज को बुलंद किया। स्थानीय कमला नेहरू महिला मंडल सभागार में आयोजित अधिवेशन में मेट साथियों ने अपनी-अपनी बातों को रखते हुए एकजुटता के साथ सरकार से अपने हक और अधिकार के लिए संघर्ष करने की बात कही। इस दौरान मेट संघ ने सांसद भारती पारधी को आमंत्रित किया था। जिन्हे मेट संघ ने अपनी मांगो का ज्ञापन सौंपा। सांसद भारती पारधी ने आश्वस्त किया कि उनकी मांगो को लेकर वह दिल्ली और भोपाल में चर्चा करने के साथ ही जिले के प्रशासनिक अधिकारी कलेक्टर और सीईओ जिला पंचायत से चर्चा करेगी।

मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा - चुन्नीलाल पारधी

सोमवार को दोपहर 01 बजे से देरशाम तक चले मेट संघ के अधिवेशन में पूरे जिले से बड़ी संख्या में मेट साथी पहुंचे थे। मेट संघ जिलाध्यक्ष चुन्नीलाल पारधी ने बताया कि मेट साथी, पंचायत के विकास कार्यो के साथ ही रोजगार सहायक की तरह सभी काम करते है लेकिन उन्हें जो भुगतान या मानदेय दिया जाता है, वह काफी कम है। इसके अलावा अकारण ही मेटो को काम से निकाल दिया जाता है। जिसको लेकर हमने सांसद भारती पारधी को ज्ञापन सौंपा है। यदि हमारी मांगो का निराकरण नहीं किया जाता है तो आगामी समय में भोपाल में मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा।

असाटी चाट एंड अन्नपूर्णा रेस्टोरेंट का हुआ शुभारंभ

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। नगर के आम्बेडकर चौक उत्कृष्ट विद्यालय के सामने सोमवार 21 अक्टूबर को असाटी चाट एंड अन्नपूर्णा रेस्टोरेंट का शुभारंभ किया गया। नगर के समाजसेवियो,और प्रतिष्ठित व्यक्तियों की प्रमुख उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किए गए इस शुभारंभ समारोह में असाटी परिवार के बड़े बुजुर्गो,ने फीता काटकर रेस्टोरेंट का शुभारंभ किया।वही उपस्थित जनों ने भीतर प्रवेश किया।आलीशान रेस्टोरेंट की सुविधाओं का अवलोकन कर अपनी अपनी प्रतिक्रिया दी। जिसके उपरांत उपस्थितजन तरह के व्यंजन आइटम्स का लुत्फ उठाते हुए नजर आए। तो वही वरिष्ठों ने लजीज पकवानों का आनंद लिया। बताया जा रहा है कि 1987 में संजू असाटी के पिता स्व लखन लाल असाटी ने एक ठेले से यह व्यवसाय शुरू किया था। जो आज भी उनके पुत्र संजू असाटी द्वारा व्यापक पैमाने पर किया जा रहा है। इसमें न सिर्फ असाटी असाटी चाट हाउस , बल्कि असाटी कैटरिंग के बाद अब असाटी चाट एवं अन्नपूर्णा रेस्टोरेंट का संचालन भी किया जा रहा है। वही पिताश्री के इस व्यवसाय को आगे भी बढ़ाने की योजना संजू असाटी द्वारा बनाई गई है।

गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा- संजू असाटी

असाटी चाट एंड अन्नपूर्णा रेस्टोरेंट शुभारंभ को लेकर की गई चर्चा के दौरान संचालक संजू असाटी ने बताया कि उनके पिता श्री स्वर्गीय लखन लाल असाटी ने एक छोटे से ठेले से इस व्यवस्था की शुरुआत की थी। उन्होंने कम बजट में स्वच्छ वातावरण में लोगों को उत्तम एवं स्वादिष्ट भोजन परोसने की बात कही थी। उनकी सोच को हम आगे बढ़ा रहे हैं। जिसके तहत आज असाटी चाट एंड अन्नपूर्णा रेस्टोरेंट का शुभारंभ किया गया है।उन्होंने बताया कि हमारे यहां पहले भी ना तो गुणवत्ता से कोई समझौता किया गया था और ना ही अब गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता किया जाएगा।

जियो कंपनी का नबंर बंद कर अलग-अलग तीन खातों से उड़ाई रकम

खाते से 1 लाख 27 हजार रुपए की रकम गायब

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम कटेधरा निवासी एक शख्स के तीन अलग-अलग बैंक खातों से 1 लाख 27 हजार रुपए की रकम गायब हो गई है. दरअसल, इस बार ऑनलाइन तरीके से फ्रॉड

करने वाले गिरोह ने बेहद अपरिचित तरीके से खाताधारक के खाते से रकम गायब की है. रविवार की शाम करीब 05 बजे खाताधारक को खाते से रकम गायब होने की जानकारी तब पता चली जब उनके मोबाइल में मौजूद बंद नंबर पर राशि कटने का मैसेज आया. यह पूरी वारदात कटेधरा निवासी शैलेंद्र हटवार के साथ हुई है. शैलेन्द्र ने रकम गायब होने की सूचना मिलते ही सोमवार को केनरा और एसबीआई पहुंचकर अपने तीनों बैंक खातों में होल्ड लगवा दिया. वहीं कटंगी थाने में शिकायत भी दर्ज करवाई है. पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है। शैलेन्द्र के अनुसार 16 अक्टूबर को उनके जियो नंबर पर एक कॉल आया. जिसमें कहा गया कि नंबर चालू रखने के लिए 1 दबाव अन्यथा सिम बंद हो जाएगी. कंपनी कॉल से मिले निर्देश पर शैलेंद्र ने अपने मोबाइल पर 1 की बटन दबा दी. वैसे ही उनकी जियो की सिम बंद हो गई. सिम बंद होने पर उसी दिन शैलेन्द्र हटवार कटंगी के जियो केयर सेंटर पहुंचे जहां उन्होंने केयर कर्मचारी को विस्तार से जानकारी दी तो कंपनी के कर्मचारी ने बताया कि शायद उनका आधार अपडेट नहीं है. इसलिए आधार अपडेट करवाना पड़ सकता है तभी दूसरी सिम मिल पाएगी. कंपनी कर्मचारी के सुझाव के बाद शैलेन्द्र ने अपना आधार अपडेट करवाया. मगर, अब तक आधार अपडेट नहीं हुआ है और दूसरी तरफ खाते से रकम गायब है. शैलेन्द्र का कहना है कि उनका मोबाइल नंबर और आधार कार्ड को हैक कर बैंक खाते से रकम निकाली गई है। गौरतलब हो कि साइबर चोरों ने इस बार बैंक से जमा खाताधारक का पैसा चोरी करने के लिए अलग ही तरीका अपनाया है. यह उन तरीकों से बिलकुल ही अलग है जिस तरीके से अब तक ऑनलाइन फ्रॉड कर रकम गायब की जा रही थी. इस बार साइबर चोरों ने ना तो ओटीपी पूछा ना कुछ सीधे आधार कार्ड और सिम को ही हैक कर लिया. शैलेन्द्र ने बताया कि केनरा बैंक सावरी में उनका बचत और चालू खाता है. चालू 78159 रुपए की रकम कटौती हुई. बचत खाते से 7800 रुपए की राशि की कटौती हुई. वहीं एसबीआई के चालू खाते से 41018 रुपए की कटौती हुई है. आमतौर पर साइबर चोरों को पकड़ पाना हमेशा से ही पुलिस के लिए चुनौती का काम कर रहा है. आनलाइन होने वाले फ्रॉड से बचने के लिए पुलिस भले ही जागरूकता मुहिम चलाती है लेकिन तब तक ठग दूसरा नया तरीका ढूंढ ही लेते है।

मरारमाली महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी की हुई घोषणा

रामकिशोर कावरे बने प्रदेश अध्यक्ष

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बालाघाट में मरारमाली महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जहां पर रामकिशोर कावरे पूर्व मंत्री को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है एवं प्रदेश स्तरीय कार्यकारिणी की घोषणा की गई है, जिसमें अभी प्रदेश के कुछ जिलों के जिला अध्यक्ष की घोषणा की गई है, तो वहीं जल्द पूरी कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी, वहीं इस संगठन बनाने को लेकर समाज के लोगों को आगे लाना एवं शिक्षा से जोड़ना, इसका प्रमुख उद्देश्य है एवं जिस प्रकार शासन द्वारा अच्छे अंक लाने पर बच्चों को प्रोत्साहन के स्वरूप लैपटॉप और छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है उसी प्रकार का समाज के बच्चे जब अच्छे प्रतिशत और अच्छा कार्य करेंगे तो उन्हें समाज द्वारा प्रदेश स्तर पर सम्मानित कर ,उन्हें भी छात्रवृत्ति और उपहार दिए जाएंगे एवं प्रतिभावान बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए समाज द्वारा आर्थिक रूप से मदद भी की जाएगी। आपको बता दे कि बालाघाट में सोमवार 21 अक्टूबर को मरारमाली महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे को प्रदेश अध्यक्ष मनोनित किया गया। महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी मनोनित प्रदेश अध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने कहा कि महासभा का गठन समाज के उत्थान और कुरीतियों को दूर करने के उद्देश्य से गठित किया गया है। हमारे आराध्य महात्मा ज्योतिबाफुले ने 1848 में शिक्षा की अलख जगाकर सबसे पहले अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले को देश की प्रथम महिला शिक्षक बनाया, लेकिन दुःख की बात यह है कि शिक्षा की क्रांति की अलख जगाने वाले फुले का समाज, शिक्षा से अलग हो रहा है। समाज में शिक्षा को लेकर जागरूकता में कमी है। शिक्षा की अलख जगाने वाले महात्मा ज्योतिबा फुले से प्रेरणा लेकर नई टेक्नोलॉजी के माध्यम से मरारमाली महासभा, शिक्षा के क्षेत्र में समाज के बच्चों को नया रास्ता दिखाने का काम करेगा। अध्यक्ष कावरे ने कहा कि छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में मरार समाज की बहुलता के बावजूद राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर पर कोई संगठन नहीं है। यदि होता तो समाज के हमारे बच्चों को महानगरो में परेशान ना होना पड़ता। जिसे देखते हुए मरारमाली महासभा का गठन किया गया है, जो अपने साथ सामाजिक सेवा करने वाले सामाजिक लोगों को जोड़ेगा।

अपने समाज की आर्थिक व्यवस्था को सूधारेगें

श्री कावरे ने बताया की जिलास्तर पर मरार माली समाज, अपने समाज के आर्थिक व्यवस्था को सुधारने, प्रतिवर्ष 03 जनवरी को माता सावित्रीबाई फुले जयंती पर सामाजिक परिचय सम्मेलन कराता था और 11 अप्रैल को ज्योतिबा फुले जयंती पर उनका सामूहिक विवाह कराता था। जिससे ना केवल समाज आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनने लगा बल्कि बेटियों की शादी का परिवार पर भी खर्च भी कम हो गया था लेकिन कालांतर में वह काम अब बंद हो गया। जिसे भी प्रारंभ करने का दायित्व, महासभा उठाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार से लेकर अन्य सामाजिक संगठन समाज के प्रतिभावान और होनहार बच्चों को प्रोत्साहित करने उन्हें सम्मानित करते है हमने तय किया है कि इस सत्र में समाज के 90 प्रतिशत अंक लाने वाले छात्रो को ज्योतिबाफुले और छात्राओं को सावित्री फुले सम्मान दिया जाएगा।

कार्यकारिणी में इन्हें मिला दायित्व

महासभा का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा और प्रदेश संगठन के गठन के बाद राष्ट्रीय और जिलास्तर पर भी संगठन का गठन किया जाएगा। प्रदेश संगठन की घोषणा में प्रदेश अध्यक्ष रामकिशोर कावरे, महामंत्री सोहनलाल पंचेश्वर, उपाध्यक्ष शिवप्रसाद कावरे, गणेश मात्रे, गोधन कावरे, पुष्पा नागेश्वर, भगतलाल पंजेरिया, नंदकिशोर पंचेश्वर, मंत्री कपिल बाहेश्वर, लालदास कावरे, सरिता दांदरे, लक्ष्मी पांचे, चीकूलाल मात्रे, शैलकुमार पंचेश्वर, कोषाध्यक्ष सनत पांचे, सहकोषाध्यक्ष धनीराम नागेश्वर, मीडिया प्रभारी पवन बाहेश्वर, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष डाली कावरे, युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष यदुराव पंचेश्वर, कर्मचारी प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष पतिराम पंचेश्वर सहित कार्यकारिणी सदस्यों की जंबो कार्यकारिणी गठित की है। इसी में पांच जिलो के जिलाध्यक्ष की घोषणा भी की गई। जिसमें बालाघाट जिलाध्यक्ष झामसिंह नागेश्वर, सिवनी जिलाध्यक्ष महेश मात्रे, मंडला जिलाध्यक्ष अशोक मावरे, छिंदवाढ़ा जिलाध्यक्ष विजेन्द्र कुमार हारगोडे और जबलपुर जिलाध्यक्ष फूलेश्वर चौधरी बनाए गए है।

जल्द किया जाएगा पूरी कार्यकारिणी का गठन

प्रेस वार्ता के दौरान रामकिशोर कावरे द्वारा बताया गया कि अभी सिर्फ कुछ ही कार्यकारिणी का गठन किया गया है और कुछ ही जिलों में कुछ लोगों को दायित्व दिए गए हैं एवं जल्द ही बैठक लेकर प्रदेश स्तरीय कार्यकारिणी को कंप्लीट किया जाएगा और प्रदेश के हर जिलों में कार्यकारिणी का गठन कर बैठक की जाएगी और सभी को उनके दायित्व दिए जाएंगे, जिसमें किसी भी राजनीतिक पार्टी के सदस्य या कार्यकर्ता उनके समाज के हो सकते हैं, लेकिन इस सामाजिक कार्य में राजनीति या पार्टीवाद नहीं होगा, सभी लोग अपने समाज को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करेंगे और सभी का मुख्य उद्देश्य समाज को आगे बढ़ाना और उनके महापुरुषों की सोच को लेकर कार्य करना ही उनका प्रमुख लक्ष्य होगा।

बस स्टैंड में अब व्यवस्थित नजर आएंगी बसें

कलेक्टर के निर्देश पर नपा ने निर्धारित की बसों की पार्किंग लाइन, दोनों बस स्टैंड में बसों के खड़े रहने बनाया गया पार्किंग जोन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। आज से करीब 9 वर्ष पूर्व नगर के बस स्टैंड को संवारकर मॉडल बस स्टैंड बनाने की योजना बनाई गई थी। जो अब जाकर साकार होती नजर आ रही है। वर्तमान समय में प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी समय-समय पर दौरा कर नए प्लान के तहत बस स्टैंड को संवारने का प्रयास कर रहे हैं जिसकी अब पहल भी शुरू कर दी गई है। इस कड़ी में जहां यात्री प्रतीक्षालय के जर्जर हिस्से को तोड़कर उसकी रिपेयरिंग कर रंग रोगन किया जा चुका है तो वही दोनों यात्री प्रतीक्षालय में आकर्षक चित्रकारी उकेरी गई है। इसी बीच अब बसों को व्यवस्थित करने, के लिए लाइनिंग का कार्य भी शुरू कर दिया गया।वही अतिक्रमण हटाकर बस स्टैंड को बढ़ाने और इसे मॉडल बस स्टैंड की तर्ज पर तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है।जिसका एक नजारा सोमवार को नगर के बस स्टैंड में देखने को मिला जहा बालाघाट बस स्टैंड का स्वरूप बदला हुआ नजर आया।

बस स्टैंड की सूरत बदली, अब जाकर व्यवस्था में आ रहा सुधार

शहर के दोनों बस स्टैंड में सोमवार से बसों की व्यवस्था बदली-बदली नजर आने लगी है। यहां बकायदा निर्धारित समय पर छूटने वाली बसों के लिए पार्किंग लाइन निर्धारित की गई है। इन पार्किंग लाइन में बसों के खड़े होने पर पूरा बस स्टैंड परिसर व्यवस्थित नजर आने लगा है। इस तरह की व्यवस्था बनाने के बाद यात्रियों और अन्य कार्यो से पहुंचने वालों को ना सिर्फ बेतरतीब खड़ी होने वाली बसों की समस्या से निजात मिलेगी। बल्कि बस स्टैंड में प्रवेश कर व्यवस्था बिगाडने वाले फुटकर व्यवसायी, फल विक्रेता, आटो व हाथ ठेला चालकों की मनमानी पर भी विराम लगेगा।

व्यवस्थित नजर आ रहे स्टैंड

कुछ व्यवस्था बनाने के बाद दोनों बस स्टैंड व्यवस्थित भी नजर आ रहे हैं। जहा बस अपने छूटने के समय के कुछ देर पहले बस स्टैंड में पहुंचकर पार्किंग लाइन में खड़ी हो रही है। ऐसे में यात्रियों के अलावा यहां दोपहिया व अन्य छोटे चार पहिया वाहन भी आसानी से आवागमन कर पा रहे हैं। बता दें कि पूर्व में बस स्टैंड में आवश्यकता से अधिक करीब 50 से अधिक बसों के बेतरतीब ढंग से खड़े रहने से बस स्टैंड में यात्रियों को खड़े रहने भी स्थान नहीं बच पाता था। वहीं यात्रियों को छोडने वाले वाहन भी प्रवेश नहीं कर पाते थे। अब व्यवस्था बनाने पर करीब 17 से 18 बसें ही बस स्टैंड में प्रवेश कर पाएगी। शेष बसों को बस संचालकों को अन्यत्र स्थान पर खड़ा करवाना पड़ेगा।

पार्किंग जोन का अलग से किया निर्माण

उधर बस स्टैंड में न सिर्फ बसों को व्यवस्थित करने का काम किया गया है बल्कि बस स्टैंड में खड़े होने वाले दो पहिया वाहनों के लिए भी अलग से पार्किंग व्यवस्था बनाई गई है।इसके लिए खंडेलवाल पेट्रोल पंप की दीवार के पीछे अलग से पार्किंग जोन बनाया गया है।जहां स्थानीय दुकानदारों के वाहन एक कतार में खड़े हुए नजर आए ,तो वही बस स्टैंड व्यवस्थित तौर पर खुला खुला दिखाई दिया।

नियमों का पालन कराने ,की जाएगी मॉनिटरिंग-पालेवार

सोमवार को बस स्टैंड में पार्किंग जोन का निर्माण करवाने टीम के साथ पहुंची नगरपालिका की सब इंजीनियर पालेवार ने बताया कि कलेक्टर मृणाल मीना ने पिछले दिनों बस स्टैंड का निरीक्षण किया था। तब उन्होंने पूरा मुआयना करने के बाद इस तरह की व्यवस्था बनाए जाने निर्देश दिए थे। उन्हीं के निर्देशों के परिपालन में आज नपा टीम के साथ वे बस स्टैंड पहुंची है। बकायदा पेंट से बसों के निर्धारित समय में खड़े होने के लिए पार्किंग लाइन बनाई गई है। वहीं बस चालकों से भी पार्किंग जोन में ही छूटने के समय के कुछ देर पहले बसे खड़े करने कहा गया है। इन्होंने बताया कि कुछ दिनों तक व्यवस्था में निगरानी भी की जाएगी। बनाई गई व्यवस्था के अनुरूप बसों को खड़ा न करने वालों पर सख्ती भी बरती जाएगी। ताकि हर हाल में नियमों का पालन हो सकें।

खुरसोड़ी के अवंती बाई चौक में हुई मारपीट

लाठी से की गई मारपीट में एक व्यक्ति घायल

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम खुरसोडी के अवंती बाई चौक में एक व्यक्ति को लाठी से मारपीट कर घायल कर दिया गया । 20 अक्टूबर की शाम यह घटना किसी आपसी रंजिशके चलती हुई। घायल व्यक्ति मंगल प्रसाद पिता सुखदास कोलते 40 वर्ष ग्राम खुरसोडी निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहीं ग्रामीण पुलिस ने इस मामले में लम्बू नगपुरे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगल प्रसाद कोलते मजदूरी करता है और वह प्रतिदिन मजदूरी करने के लिए साइकिल से बालाघाट आते है। जिसकी उसी के गांव के लम्बू नगपुरे के बीच किसी बात को लेकर रंजिश बनी हुई थी। 20 अक्टूबर को मंगल प्रसाद साइकिल में बालाघाट मजदूरी करने आया था और शाम 6.30 बजे बालाघाट में काम करने के बाद मंगल प्रसाद साइकिल में अपने घर ग्राम खुरसोडी जा रहा था। खुरसोड़ी के अवंती बाई चौक में तोताराम नामक व्यक्ति खड़ा था और मंगल प्रसाद कोलते उसके साथ बातचीत करने लगा। तभी लम्बू नगपुरे मोटरसाइकिल में लाठी लेकर आया और वह मंगल प्रसाद को गालियां देने लगा। मंगल प्रसाद ने लम्बू नगपुरे को गाली देने से मना किया। तभी लम्बू नगपुरे ने मोटरसाइकिल में रखी लाठी निकालकर मंगल प्रसाद को जान से मार डालने की धमकी देते हुए लाठी से मारपीट करना शुरू कर दिया। मारपीट करने से मंगल प्रसाद वहीं नीचे गिर गया और लोगों की भीड़ लग गई। बीच बचाव के बाद किसी व्यक्ति ने 100 डायल को फोन किया। 100 डायल मौके पर पहुंची तब तक लम्बू नगपुरे मौके से फरार हो गया ।मारपीट में घायल व्यक्ति मंगल प्रसाद कोलते को 100 डायल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने मंगल प्रसाद का बयान लेकर अस्पताल तहरीर

ग्रामीण थाना भिजवाई। ग्रामीण पुलिस ने मुगल प्रसाद के बयान के आधार पर लम्बू नगपुरे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 294 323 506 भादवि के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक 23 अक्टूबर को

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। जिले में पर्यटन सम्बन्धी गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला पुरातत्व एवं संस्कृति समिति की बैठक 23 अक्टूबर बुधवार को आयोजित की गई है। बैठक कलेक्ट्रेड सभाकक्ष में दोपहर 12 बजे से कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी।

राशि स्वीकृत होने के बाद भी मानपुर मोक्षधाम पहुंच मार्ग का नही हुआ निर्माण कार्य, आक्रोश व्याप्त

सड़क खराब होने से आवागमन और अंतिम संस्कार करने जाने वालों को हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन, राहगीर और ग्रामीणों ने पंचायत से जल्द सड़क का निर्माण करवाने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के मोक्षधाम पहुंच मार्ग खराब हो चुकी है एवं जगह-जगह गड्डे होने के साथ ही पानी निकासी के लिए नाली नही होने के कारण निवासरत लोगों के घरों का गंदा पानी रोड़ में जमा हो रहा है। जिसके कारण आवागमन करने वाले एवं अंतिम संस्कार करने जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही सड़क की स्थिति बेहद खराब होने एवं गंदा पानी जमा होने के कारण अब अंतिम संस्कार में जाने वाले लोगों ने भी रास्ता बदलकर एसबीआई बैंक की ओर से शव लेकर अंतिम संस्कार के लिए मोक्षधाम पहुंच रहे है। जबकि ६ माह पूर्व मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अवसंरचना योजना से मानपुर मोक्षधाम पहुंच मार्ग निर्माण के लिए ५ लाख रूपये की राशि स्वीकृत हो चुकी है और निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत मानपुर को बनाया गया है परन्तु सड़क निर्माण स्वीकृत होने एवं राशि आने के बाद भी अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नही किया गया है। जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में आक्रोश व्याप्त है। साथ ही इस मोक्षधाम पहुंच मार्ग पर खाद का गोदाम है और बस स्टैण्ड हाईवे रोड़ पर बार-बार ट्राफिक होने के कारण आने-जाने वाले भी इसी बार से आना-जाना अधिक करते है परन्तु सड़क खराब होने, रोड़ के बीच में निवासरत लोगों के घरों का गंदा पानी जमा होने एवं मोक्षधाम के आसपास गंदगी होने के कारण मोक्षधाम में अंतिम संस्कार करने जाने वाले एवं आवागमन करने वाले लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है परन्तु पंचायत के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा हैं। साथ ही सड़क निर्माण के लिए राशि स्वीकृत होने के बाद भी निर्माण नही होने से राहगीरों एवं ग्रामीणों में पंचायत के प्रति आक्रोश व्याप्त है। राहगीर एवं ग्रामीणजनों ने ग्राम पंचायत मानपुर से मोक्षधाम पहुंच मार्ग का जल्द निर्माण करवाने की मांग की है।

सड़क का निर्माण नही होने से स्थानीयजन एवं राहगीरों में आक्रोश व्याप्त

आपको बता दें कि सर्राठी नदी के समीप ग्राम पंचायत मानपुर का मोक्षधाम बना हुआ है। वहीं वर्ष २०१८ में १४ वां वित्त से करीब १४ लाख रूपयों की लागत से मोक्षधाम में शेड निर्माण, शोक सभागृह बाउण्ड्रीवाल व जलकुण्ड का निर्माण किया गया है और इस मोक्षधाम में तीन ग्राम पंचायत पांढरवानी, मानपुर, पनबिहरी के ग्रामीणों के द्वारा अंतिम संस्कार किया जाता है। साथ ही यह मोक्षधाम मानपुर पंचायत के कार्य क्षेत्र में आता है परन्तु मोक्षधाम पहुंच मार्ग का खस्ताहाल हो चुकी है एवं निवासरत लोगों के घरों का गंदा पानी भी रोड़ में ही जमा हो रहा है। वहीं इस मार्ग में खाद का गोदाम, कृषि कार्यालय एवं पशु चिकित्सालय भी स्थित है जहां किसान बड़ी संख्या में खाद, बीज एवं पशुओं का उपचार करवाने इसी खस्ताहाल मार्ग से जाते है। साथ यह मार्ग गोदाम होते हुए भारतीय स्टेट बैंक की ओर भी निकलती है और इस मार्ग से निवासरत लोगों के साथ ही ग्रामीणजन भी आना-जाना करते है। सड़क खराब होने से आने-जाने वाले ग्रामीण, किसान, अंतिम संस्कार के लिए जाने वाले लोगों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं लंबे समय से मानपुर मोक्षधाम पहुंच मार्ग का निर्माण करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की जा रही है और पूर्व सांसद डॉ. ढालसिंह बिसेन को भी सड़क की समस्या से अवगत करवाया गया था। जिसके बाद पूर्व सांसद डॉ. बिसेन ने ग्रामीणों की मांग पर मोक्षधाम पहुंच मार्ग निर्माण के लिए मुख्यमंत्री ग्राम सड़क अवसंरचना योजना के तहत ५ लाख रूपये की राशि स्वीकृत करवाई थी। जिसकी कुछ राशि ग्राम पंचायत मानपुर को मिल चुकी है लेकिन अब तक पंचायत के द्वारा सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ नही किया गया है। जिससे ग्रामीणजनों में ग्राम पंचायत मानपुर एवं प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं ग्राम पंचायत मानपुर का कहना है कि मार्च २०२४ में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क अवसंरचना योजना के तहत ५ लाख रूपये की राशि मोक्षधाम पहुंच मार्ग करीब २७० मीटर की सड़क निर्माण के लिए स्वीकृत हुई है और दो किस्तों में ५०-५० हजार रूपये कुल १ लाख रूपये की राशि प्राप्त हुई है, शेष राशि नही आई है। जिसके कारण निर्माण कार्य प्रारंभ नही कर पाये है, पुरी राशि शासन से मिलने के बाद ही निर्माण कार्य प्रारंभ करने की बात कही जा रही है। वहीं ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने जल्द सड़क एवं पानी निकासी के लिए नाली का निर्माण करवाने की मांग ग्राम पंचायत मानपुर से की है और मांगे पूरी नही होने पर आंदोलन करने की चेतावनी शासन-प्रशासन को दी है।

सड़क और नाली का जल्द निर्माण करवाये पंचायत - शारदा

श्रीमती शारदा सानेकर ने बताया कि मोक्षधाम पहुंच मार्ग बदहाल हो चुकी है और लंबे समय से सड़क खराब है एवं पानी जमा हो रहा है परन्तु अब तक सड़क का निर्माण कार्य नही करवाया गया है। साथ ही निवासरत लोगों के घरों के पानी निकासी के लिए जगह नही है ऐसी स्थिति में हम लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्रीमती सानेकर ने बताया कि विगत वर्ष पूर्व हमारे दादा ससुर रतनलाल जी ने मोक्षधाम तक आने-जाने के लिए जगह प्रदान की थी और जगह कम होने के कारण बाद में ३ फीट जगह और दी गई है । साथ ही विगत वर्ष पूर्व अशोक जायसवाल जी अपने कार्यकाल में सड़क का निर्माण करवाये थे परन्तु वर्तमान में सड़क खराब हो चुकी है इसलिए मानपुर पंचायत से मांग है कि जल्द सड़क एवं नाली का निर्माण करवाये।

राशि आने के बाद भी पंचायत नही करवा रही निर्माण कार्य - मनीष

कांग्रेस पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा ने बताया कि लालबर्रा विश्राम गृह के सामने से मानपुर मोक्षधाम पहुंच मार्ग गुजरा है और इस मार्ग पर खाद गोदाम, कृषि कार्यालय, पशु चिकित्सालय भी स्थित है परन्तु सड़क पुरी तरह से खराब हो चुकी है एवं निवासरत लोगों के घरों का गंदा पानी भी रोड़ में जमा हो रहा है जिसके कारण सभी को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि पूर्व सांसद के द्वारा सड़क निर्माण के लिए ५ लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई थी और मानपुर पंचायत को निर्माण एजेंसी बनाया गया है एवं निर्माण के लिए राशि भी आ चुकी है परन्तु पंचायत के द्वारा निर्माण नही करवाया जा रहा है। श्री कुशवाहा ने बताया कि इसी खस्ताहाल मार्ग एवं गंदगी के बीच से लोग शव यात्रा लेकर मोक्षधाम अंतिम संस्कार के लिए जाते है जिन्हे सबसे अधिक परेशानी होती है और सड़क खराब होने से अब लोगों ने रास्ता ही बदल दिया है लेकिन जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी कोई ध्यान नही दे रहे है, जल्द मानपुर मोक्षधाम पहुंच मार्ग का निर्माण नही किया गया तो आंदोलन करने बाध्य होगें।

५ लाख में से महज १ लाख रूपये की राशि शासन से मिले है - बलराम

मानपुर सरपंच बलराम गौतम ने बताया कि मानपुर मोक्षधाम पहुंच मार्ग निर्माण के लिए मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अवसंरचना योजना के तहत ५ लाख रूपये की राशि स्वीकृत हुई है लेकिन अब तक दो किस्तों में महज ५०-५० हजार रूपये ही आये है जबकि निर्माण कार्य ५ लाख रूपये में होना है। ऐसी स्थिति में इतनी कम राशि में निर्माण कार्य प्रारंभ करने में परेशानी हो रही है, शासन से पूरी राशि मिलने के बाद सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा। श्री गौतम ने बताया कि मोक्षधाम पहुंच मार्ग खराब हो चुकी है इसलिए वैकल्पिक व्यवस्था के तहत गड्डों का मरम्मत कार्य करवाकर पानी निकासी की व्यवस्था की जायेगी।

पुलिस स्मृति दिवस पर मोमबत्ती जलाकर शहीद हुए जवानों को दी गई श्रध्दांजली

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के हृद्यस्थल बस स्टैण्ड स्थित संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब प्रतिमा स्थल में पुलिस स्मृति दिवस के एक दिन पूर्व थाना लालबर्रा के द्वारा रविवार की रात ९ बजे पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम थाना प्रभारी हेमंत नायक एवं अन्य पुलिसकर्मी व गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित पुलिसकर्मी एवं गणमान्य नागरिकों ने संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब के प्रतिमा के समक्ष मोमबत्ती जलाकर दो मिनट का मौन धारण कर शहीद हुए पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को श्रध्दांजली अर्पित कर उन्हे याद किया। चर्चा में थाना प्रभारी हेमंत नायक ने बताया कि २१ अक्टूबर को पूरे देश में पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है और शहीद पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को श्रध्दांजली अर्पित करते है। इसी कड़ी में पुलिस स्मृति दिवस के पूर्व संध्या पर २० अक्टूबर की रात ९ बजे लालबर्रा बस स्टैण्ड स्थित संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी पुलिसकर्मी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए जिसके बाद मोमबत्ती जलाकर शहीद हुए जवानों को श्रध्दांजली अर्पित कर उन्हे याद किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी गिरीश पाठक सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

चांद के मुखड़े ने किया चांद का दीदार, पति की दीर्घायु की कामना

सुहागिन महिलाओं ने हर्षोल्लास के साथ मनाया करवा चौथ का पर्व

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में पति के जन्म जन्मांतर साथ रहने तथा परिवार की खुशहाली, समृध्दि और हमेशा स्वस्थ रहने की प्रार्थना के साथ सुहागन महिलाओं के द्वारा धार्मिक विधि-विधान के साथ करवा चौथ का पर्व २० अक्टूबर को हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस करवा चौथ व्रत के दिन सुहागन माता-बहनों के द्वारा अपने पति की दीर्घायु के लिए निर्जल व्रत धारण कर भगवान शिव, माता पार्वती, कार्तिकेय और भगवान गणेश सहित चंद्रमा की विशेष पूजा अर्चना कर शाम में चंद्रोदय के बाद छलनी में चंद्र दर्शन और अपने सुहाग के चेहरे का दीदार कर पति के हाथों जल ग्रहण कर महिलाएं व्रत तोड़ी जिसके बाद पकवान व भोजन ग्रहण किया। आपकों बता दे कि धार्मिक मान्यता के अनुसार सच्ची निष्ठा से व्रत किया जाये तो माता पार्वती सदा सौभाग्यवती रहने का आशीर्वाद प्रदान करती है और करवा चौथ व्रत पति की लंबी उम्र की कामना को लेकर सुहागिन महिलाओं के द्वारा किया जाता है। इसी मान्यता के अनुसार करवा चौथ का व्रत कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को २० अक्टूबर को सुहागिन महिलाओं के द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और निर्जला व्रत रखकर शाम में करवा माता की पूजन-अर्चन कर अर्ध देकर छलनी में अपने पतिओं का दीदार होने के बाद उनके हाथों से जल ग्रहण कर व्रत तोड़कर पति की दीर्घायु की कामना की गई। वहीं इस करवा चौथ पर्व के अवसर पर व्रतधारी महिलाओं ने चांद के मुखड़े में अपने पति के चांद का दीदार कर उनकी दीर्घायु की कामना की और यह पर्व पूरे क्षेत्र में धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया गया।

सामूहिक रूप से मनाया गया करवा चौथ पर्व

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली के भूतपूर्व सरपंच स्व. राजेन्द्र गुप्ता के निवास के छत पर महिलाओं के द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सामूहिक रूप से २० अक्टूबर को करवा चौथ पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुहागन महिलाएं सोलह श्रृंगार कर कार्यक्रम में पहुंचे जहां व्रतधारी महिलाओं ने भगवान शिव, माता पार्वती, कार्तिकेय और भगवान गणेश सहित चंद्रमा की विधि-विधान से पूजा अर्चन के साथ करवा चौथ की कहानी पढ़ी तत्पश्चात चांद दिखने के बाद छलनी में चांद के साथ अपने-अपने सजनों का दीदार कर उनके हाथों जल ग्रहण कर व्रत तोड़ी। विदित हो कि पति की लंबी उम्र के लिये सुहागिन महिलाओं द्वारा निर्जला उपवास रखकर श्रध्दापूर्वक चाँद के दीदार के साथ पति द्वारा जल व मीठा खिलाने के पश्चात व्रत तोड़ा गया, मान्यता है कि कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करवा चौथ का व्रत किया जाता है। व्रतधारी महिलाओं ने बताया कि करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाओं के द्वारा पति की दीर्घायु के लिए की जाती है और २० अक्टूबर को करवा चौथ का निर्जला व्रत रखकर शाम को विधि-विधान से पूजा अर्चना कर चंद्रमा दिखने के बाद उन्हे अर्ध देकर छलनी में अपने पतियों को देखकर व्रत तोड़ी गई। इस व्रत को मनाने वाले में अमोली में श्रीमती सीमा राकेश अवधिया, श्रीमती साधना मुकेश अवधिया, श्रीमती वंदना सचिन कुर्वे, श्रीमती मंजू श्यामू यादव, श्रीमती चांदनी योगेश यादव, श्रीमती रोशनी रूपेश यादव, नेहा ब्रजेश यादव, श्रीमती सरस्वती राकेश यादव, श्रीमती सावित्री दीपेश यादव, श्रीमती विजया अंकित सोनी, श्रीमती नेहा अजय यादव, श्रीमती

शिम्पी धर्म दुलारे, श्रीमती सुनिता भरत खैरवार, श्रीमती निशा राजेश शिव, श्रीमती सुमन श्यामु दुलारे, श्रीमती सोनम रवि दुलारे, श्रीमती भारती राहुल अवधिया, श्रीमती शिवानी कपिल अवधिया एवं श्रीमती जोतेश्वरी कमलेश यादव सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहे।

पति की दीर्घायु की कामना ने लिए किया जाता है व्रत - सीमा

व्रतधारी महिला श्रीमती सीमा अवधिया ने बताया कि करवा चौथ का व्रत सुहागन महिलाओं के द्वारा निर्जला रखा जाता है एवं करवा चौथ के अवसर पर दिनभर विविध धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होने के साथ ही शाम में करवा माता, तुलसी, करवा चौथ की पूजा अर्चना कर करवा माता को श्रृंगार की सामग्री भेंट की गई एवं भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया। साथ ही यह भी बताया कि शाम में चंद्रमा दिखने के बाद उन्हे अर्ध देकर छलनी में अपने पतिओं का दीदार होने के बाद उनके हाथों से जल ग्रहण कर व्रत तोड़कर पति की दीर्घायु की कामना की गई और करवा चौथ का व्रत पति की दीर्घायु के लिए रखा जाता है।

थाने में राष्ट्रीय मानव अधिकार और अपराध नियंत्रण ब्यूरो ने मनाया पुलिस स्मृति दिवस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित थाने में राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो लालबर्रा के द्वारा २१ अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम थाना प्रभारी हेमंत नायक, अन्य पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो जिलाध्यक्ष चयंक चैतगुरू एवं अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। आयोजित पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर हॉक फोर्स केम्प सुलसुली जिला बालाघाट के शहीद हरिशचंद रहांगडाले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। जिसके बाद हॉफ फोर्स केम्प सुलसुली जिला बालाघाट में पदस्थ हरिशचंद रहांगडाले वर्ष २०१० में शहीद हो गये थे जिन्हे एवं अन्य शहीद जवानों को श्रध्दांजली अर्पित कर उन्हे याद किया गया तत्पश्चात शहीद जवान हरिशचंद रहांगडाले की पत्नि श्रीमती सीमा रहांगडाले का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। वहीं थाना प्रभारी हेमंत नायक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि २१ अक्टूबर को पूरे देश में पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है और शहीद हुए सभी पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को श्रध्दांजली अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया जाता है। इसी कड़ी में रविवार की शाम में लालबर्रा बस स्टैण्ड स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा स्थल में पुलिस थाना लालबर्रा के द्वारा पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम का आयोजन कर मोमबत्ती जलाकर शहीद जवानों को श्रध्दांजली अर्पित किया गया। वहीं सोमवार को राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो व पुलिस प्रशासन के द्वारा पुलिस स्मृति दिवस मनाकर वर्ष २०१० में शहीद हुए हॉक फोर्स केम्प के जवान हरिशचंद राहंगडाले सहित सभी शहीद जवानों को याद कर उन्हे श्रध्दांजली अर्पित की गई है। साथ ही यह भी कहा कि हमारे देश के जवान देश की सुरक्षा के लिए तत्पर रहते है और सभी को सुरक्षा प्रदान करने का काम करते है एवं पुलिस एक ऐसी सेवा है जो आमजनों की सुरक्षा के लिए दिन-रात काम पर लगे रहते है एवं क्षेत्र की शांति व्यवस्था और लोगों को सुरक्षा प्रदान करने का काम करते है। चर्चा में राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो जिलाध्यक्ष चयंक चैतगुरू ने बताया कि २१ अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणधीर कुमार, प्रदेश अध्यक्ष प्रेम नारायण आर्य के मार्गदर्शन में लालबर्रा थाना परिसर में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया और इस अवसर पर शहीद हरिशचन्द राहंगडाले हॉक फोर्स केम्प सुलसुली जिला बालाघाट में वर्ष २००७ में पदस्थ हुए थे और अपनी सेवा देते हुए वर्ष २०१० में शहीद हो गये थे जिन्हे एवं देश के अन्य जवान जो शहीद हुए है उन्हे श्रध्दांजली अर्पित कर उन्हे बलिदान को याद किया गया और शहीद की पत्नि श्रीमती सीमा रहांगडाले का सम्मान भी किया गया है। इस अवसर पर उपनिरीक्षक शशांक राणा, वैशाली उइके, उपनिरीक्षक चेतन उईके, कुंवर टेकाम, राधेश्याम गयाधने, कुंजीलाल राणा, मनोज यादव, प्रशांत बंसोड़, प्रधान आरक्षक लिखेंद्र बिसेन, कंचन, सुशील विश्वकर्मा, राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो जिला उपाध्यक्ष आयुष फबवानी, लालबर्रा ब्लाक अध्यक्ष नितिन भारद्वाज, उपाध्यक्ष सपन खोब्रागढ़े, जितेंद्र भौंरे, देवेंद्र यादव, सचिव स्वाति ब्रम्हे, संतोष चौहान (अधिवक्ताा), चंद्रकांत चंद्रावार, राज मिश्रा, अरुण कुमार गौतम, बसंत मसखरे, बिहारीलाल पटले, अजय पंचेश्वर, राजेंद्र कावरे, साहूलाल भगत, रामप्रसाद पटले, सर्वेश ब्रम्हे, योगेन्द्र पटले, ओजस्वी शिवांसी, अंकित येरपुड़े , राजेश ब्रम्हे, प्रकाश चौहान, मुकेश अवधिया, रमेश बिसेन, विशाल पंचेश्वर सहित पुलिसकर्मी एवं राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

15वां संयुक्त वार्षिक एनसीसी प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। एन.सी.सी ग्रुप मुख्यालय, जबलपुर के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर ए.जी. बरबरे के मार्गदर्शन एवं 6 म.प्र. स्वतंत्र कंपनी एनसीसी बालाघाट के तत्वाधान में आयोजित दस दिवसीय 15वां संयुक्त वार्षिक एनसीसी प्रशिक्षण शिविर रविवार से जवाहर नवोदय विद्यालय, वारासिवनी में प्रारंभ किया गया है। इस शिविर में 20 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक विभिन्न प्रकार के सैन्य एवं आत्मरक्षा तथा व्यक्तित्व निर्माण के प्रशिक्षण दिये जायेंगे। प्रशिक्षण शिविर में कैडेटस को योगा, पीटी, डिल, शस्त्र विद्या, मैप रिडिंग, लीडरशिप, यातायात सुरक्षा, रास्टीय एकता, भारतीय सेना में प्रवेश के अवसर विषय पर सतत प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसके साथ ही विभिन्न खेलकूद गतिविधियॉ जैसे वालीवाल, खो-खो, रस्सा कस्सी, दौड, रिले रेस भी शारिरिक दक्षता को बढाने के लिये आयोजित की जायेगी। दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में राष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण बिंदुओं जैसे व्यक्तित्व का विकास, राष्ट्र के निर्माण में युवाओं का योगदान, प्राथमिक उपचार, आपदा प्रबंधन, राष्ट्रीय सुरक्षा , प्रदूषण नियंत्रण सामाजिक सुरक्षा आदि विषयों पर भी विषय विषेशग्यों द्वारा व्याख्यान आयोजित किये जायेंगे।

प्रशिक्षण शिविर का महत्वपूर्ण भाग फायरिंग है, जिसमें प्रत्येक कैडेट को फायरिंग कराने का प्रयास किया जायेगा। इस कैम्प में छिंदवाड़ा, सिवनी, चौरई, सौसर, किरनापुर, वारासिवनी, बैहर, लाजी, बिरसा, कटंगी तथा बालाघाट के 398 कैडेटस भाग ले रहे हैं । रविवार को ओपनिंग एड्रेस में संदेश देते हुए कैम्प कमाण्डेन्ट ले. कर्नल विनीत कमल गुप्ता ने कहा कि समस्त कैडेट्स एकता और अनुशासन के सिद्वांत का पालन करते हुए प्रशिक्षण लेंगे। कैम्प के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि कैडेटस् को जीवन में अपना लक्ष्य निर्धारित कर भविष्य निर्माण के लिये अथक परिश्रम करना चाहिये। एनसीसी प्रशिक्षण शिविर कैडेट्स के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये होनहार नागरिक निर्माण करता है उन्होंने शिविर के उद्देश्यों को पूर्ण करने हेतु अनुशासन के साथ कर्तव्यनिष्ठा, चरित्र एवं मानवीयता के साथ कार्य करने की प्रवृति पर जोर दिया। इस अवसर पर कैम्प एजूटेन्ट कैप्टन हेमन्त कुमार मण्डाले, प्रशिक्षण अधिकारी कैप्टन राजेन्द्र सिंह कुशराम, सूबेदार जोगिन्दर लाल एवं अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

महाराजपुर नल-जल योजना का कार्य प्रारंभ नही होने से ग्रामीण आक्रोशित

जल्द पाइप लाइन विस्तार कर पानी देने ग्रामीण कर रहे मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंगरगांव के ग्राम महाराजपुर में नल जल योजना का निर्माण कार्य बंद पड़ा हुआ है। जिससे ग्रामीणों में खासा आक्रोश पंचायत एवं पीएचई विभाग के खिलाफभरा हुआ है। ग्रामीणों के द्वारा जल्द पाइपलाइन का विस्तार कर उनके मकान में शासन की नल जल योजना के उद्देश्य हर घर नल हर घर जल के तहत अति शीघ्र पानी उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है। किंतु कार्य बंद होने के कारण यह संभव नहीं दिख रहा है । ऐसे में ग्रामीणों को दूरी तय कर हैंडपंप और कुएं से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। वहीं इस दौरान उन्हें ४० मिनट अपनी बारी का इंतजार करने के लिए समय खराब करना पड़ रहा है। ऐसे में उन्हें इतना समय लगाकर दो गुंडी पानी ही उपलब्ध हो पा रहा है पानी लाने में उन्हें काफी मुश्किलों का भी सामना करना पड़ रहा है जिससे वह बहुत ज्यादा परेशान है। ग्राम पंचायत डोंगरगांव में नल जल योजना स्वीकृत की गई थी जिसके तहत पानी की टंकी का निर्माण कर दिया गया है जहां पर मकान में पानी मिल रहा है। परंतु ग्राम महाराजपुर में लोगों के द्वारा जल स्त्रोतों के माध्यम से पानी घर तक लाया जा रहा है ,जिनके द्वारा लंबे समय से नल जल योजना का लाभ दिए जाने की मांग की जा रही है। जिसको लेकर नल जल योजना स्वीकृत भी कर दी गई है परंतु वर्तमान तक उसका कार्य प्रारंभ भी नहीं किया गया है। बीते करीब १० दिनों पूर्व ही पाइपलाइन का विस्तार करने पहुंचे मजदूर और मिस्त्री वापस लौट गए हैं जहाँ कोई कार्य नल जल योजना का नहीं हुआ है।

हैंड पंप की कमी से ग्रामीण परेशान

नल जल योजना का कार्य वर्तमान तक महाराजपुर में नहीं हुआ है ऐसे में लोग हैंडपंप पर पानी लेने के लिए जा रहे हैं। परंतु वहां हैंडपंप की कमी होने के कारण बहुत ज्यादा भीड़ लग जाती है जिसके कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि वार्ड नंबर १२ में एक हैंडपंप है, जिसमें ८५ घर के लोग पानी भरते हैं उसके बाद दूसरा एक और हैंडपंप है जिसमें ३० मकान के लोग पानी भरते हैं। जहां अभी पानी अच्छा मिल रहा है परंतु गर्मी में बहुत ज्यादा समस्या हो जाती है। एक हैंडपंप पूरा बंद हो जाता है और एक हैंड पंप के भरोसे पूरे परिवार रहते हैं। ऐसे में लोगों को करीब १०० मीटर से अधिक की दूरी तय कर पानी लाना पड़ रहा है जिसको देखते हुए ग्रामीणों के द्वारा नल जल योजना की मांग की जा रही है।

सरपंच ने कहा था की हर घर पानी मिलेगा परंतु नही मिल रहा है-गोवर्धन डोंगरे

ग्रामीण गोवर्धन डोंगरे ने बताया कि नल जल योजना जो हमारे गांव में पहुंचना था उसकी टंकी नही बनी है और ना ही कोई पाइपलाइन बिछाई गई है। देखने में केवल खुले पाइप मिल रहे हैं जो बाहर पड़े हुए हैं ।

इसके लिए सरपंच ने कहा था कि डोंगरगांव से पानी लेकर यहां वितरण किया जाएगा वह भी आज तक नहीं हुआ। अभी ८ दिवस पहले मिस्त्री मजदूर सब यहां से वापस चले गए समस्या यथावत बनी हुई है आज भी हम कुएं और हैंडपंप से पानी लाते हैं। गांव के हर घर में नल जल योजना का पानी मिलना चाहिए यही हम चाहते हैं।

२ वर्षो से सरपंच कह रहा है नल जल योजना आई है पाईप लाइन बिछाना-विजय गजभिये

ग्रामीण विजय गजभिये ने बताया कि २ वर्ष से लगातार नल जल योजना आई हुई है टंकी बनाएंगे पाइपलाइन बिछायेंगे ऐसी कई प्रकार की बातें सरपंच के द्वारा कही गई है। परंतु आज तक हुआ कुछ नहीं है ना ही पाइपलाइन डाले हैं और ना ही कोई पानी मिल रहा है केवल पाइप लाकर रख दिया गया है। १० दिन पहले उत्तर प्रदेश से जो मिस्त्री और मजदूर आए थे वह वापस चले गए यह जो पाइपलाइन है वह हर घर तक जाना चाहिए। सभी को पानी मिलना चाहिए यह सोच हमारे द्वारा रखी जा रही है । परंतु अभी देखा जा रहा है कि वार्ड नंबर १२ में एक हैंडपंप है उस से ८५ घर के लोग पानी लेकर जा रहे हैं बहुत ज्यादा समस्या हो रही है।

ग्राम में पानी की बहुत ज्यादा समस्या है-तारण चौहान

श्रीमती तारण चौहान ने बताया कि हमारे गांव में पानी की काफी समस्या है बहुत दूरी से पानी लाना पड़ता है शौचालय तक में समस्या बनी हुई है। हैंडपंप पर जब जाते हैं तो बहुत ज्यादा भीड़ हो जाती है १ घंटे रास्ता देखना होता है और १०० मीटर से अधिक दूरी से हम पानी लाते हैं। यह हैंड पंप पर टोली के सभी लोग पानी लेने के लिए आते हैं और पीछे वाले लोग भी आते हैं। यदि हैंडपंप पर २० महिलायें जमा हो जाती है तो एक से आधा घंटा निश्चित लगता है। जिससे घर के कामों में भी समय लगता है हमारे साथ पानी की बहुत ज्यादा समस्या है।

ग्रामीणों को नल जल योजना का लाभ मिलना चाहियें-कमलेश गजभिये

कमलेश गजभिये ने बताया कि वर्तमान में पानी की समस्या तो हर किसी को है परंतु उतनी नहीं है जितनी गर्मी में होती है। उस समय बहुत ज्यादा स्थिति खराब हो जाती है यह हैंडपंप भी खराब हो जाते हैं ,इसे अभी फिर से ठीक करवाया गया है तो यह अच्छा पानी दे रहा है। यहां बस्ती में ७० मकान में दो हैंड पंप है जिसमें ३० मकान के लोग यहां पानी लेने आते हैं और इस हैंड पंप का उपयोग करते हैं। बाकी दूसरे भी हैंडपंप है जैसे एक मंदिर के पास है और अन्य स्थानों पर है जो बहुत दूर पढ़ते हैं उनका उपयोग ग्रामीण नहीं कर पाते हैं। यह पास के जो हैंड पंप है इसी का हम उपयोग करते हैं हम चाहते हैं कि नल जल योजना का जल्द निर्माण कर लोगों को पानी मिलना चाहिए।

इनका कहना है

ग्राम में विभाग के द्वारा पानी के सोर्स ढूंढने का कार्य किया जा रहा है जिसमें उनके द्वारा सोर्स नहीं मिला है ऐसा बताया जाता है। जबकि इसके पहले पांच ट्यूबवेल करवा दिए गए हैं जिसमें तीन ट्यूबवेल में अच्छा खासा पानी है। जिनकी मदद से यह योजना प्रारंभ की जानी चाहिए और ग्रामीणों को पानी दिया जाना चाहिए। ऐसा हमारे द्वारा विभाग से कहा जा रहा है परंतु वह पर्याप्त पानी का सोर्स ढूंढने का प्रयास कर रहे हैं।

दीपक भगत
सरपंच प्रतिनिधि डोंगरगांव महाराजपुर

समाज में फैली बुराईयों को परमात्मा एक संस्था मानवता का दे रही परिचय-प्रदीप जायसवाल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम वारा में परमात्मा एक सेवक मंडल के द्वारा शरद पूर्णिमा के अवसर पर सेवक मंडल के जनचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल की मौजूदगी में किया गया। इस अवसर पर पूर्व में दी समिति के द्वारा एक मांग पत्र भी उन्हे सौंपा गया। जिस पर उन्होने शीघ्र मांग पत्र की मांगो को पूर्ण करने का आश्वासन भी दिया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि परमात्मा एक सेवक मंडल के कार्यक्रम में सभी वर्ग के लोग स्वेच्छा से अधिक संख्या में शामिल होते है। इस संस्था के द्वारा ईश्वर की अनुपम क्रति मानव को समान रूप से आमंत्रित कर सभी को जोडने का कार्य कर इंसानियत का परिचय दिया जाता है यह उनकी नजर में बहुत शानदार विषय है। श्री जायसवाल ने कहा की आज समाजो में व्याप्त सभी प्रकार की सामाजिक बुराईयों में शराब बंदी, जुआ, सटटा आदि के विरूद्व संस्था के द्वारा जवाबदेही के साथ कार्य किया जा रहा है। जिसका परिणाम है की नशेबंदी के विषय में ग्राम ग्राम में महिलायें जागरूक होकर आंदोलन चला रही है। हमने सदैव संस्था को सभी प्रकार का सहयोग प्रदान किया है। आगे भी आपका जो मांग पत्र है उसे हरहाल में पुरा किया जायेगा। इस दौरान रमेश खरोले,वाईकर पारधी,सूर्यभान पुसाम ,गुणरतन पटले, के के पांडे, श्रीराम गौतम सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस फिटनेस प्रैक्टिस कर रहे युवाओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पटाखे की दुकान को दूर हटाकर या अन्य स्थान पर लगाये जाने की मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में फिजिकल की तैयारी कर रहे युवाओं के द्वारा २१ अक्टूबर को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वारासिवनी को ज्ञापन सौंप कर पुलिस फिजिकल की तैयारी कर रहे युवकों की दिक्कतों को दुर करने पटाखे की दुकान को अनियंत्रित स्थान पर या दूर हटकर लगाये जाने की मांग की गई है। युवाओं ने ज्ञापन में उल्लेखित किया है की हम सभी वह युवक व युवती है जिनका चयन पुलिस भर्ती २०२३ के लिए हुआ है जिसका फिजिकल नवम्बर २०२४ में होना है। ऐसे में हमारे द्वारा रानी अवंतीबाई स्टेडियम वारासिवनी में फिजिकल की तैयारी की जा रही है। लेकिन जैसा कि देखा जा रहा है कि उक्त स्टेडियम परिसर में पटाखा व्यापारियों को दुकाने लगवाने के लिए आवंटन किया जाना है। ऐसे मे हमारे फिजिकल की तैयारी करने में बॉधाऐं उत्पन्न होगी । उक्त दुकान आवंटन के पहले फिजिकल की तैयारी करने वाली जगह से थोडी दूरी में दुकान आवंटन की जाए ताकि हम फिजिकल की तैयारी कर सके। इसलिए हम चाहते हैं कि यह संचालित होने वाली दुकानों को हमारे द्वारा की जा रही फिजिकल की तैयारी के लिए सीमित जगह से थोडे दूर आवंटित किया जायें। ताकि हमारे फिजिकल में हमे व्यवधान उत्पन्न ना हो सके चुंकि हमारे पूरे भविष्य का सवाल है।

स्टेडियम ग्राऊंड़ में ना लगाया जायें फटाखे की दुकान-राहुल बिसेन

राहुल कुमार बिसेन ने पदमेश से चर्चा में बताया कि हमारे साथ यह समस्या हो गई कि हम १ वर्ष से पुलिस के फिजिकल की तैयारी कर रहे हैं। परंतु वहां पर अब पटाखे की दुकान लगने जा रही है जिसमें मूल समस्या है कि हमारा जो लॉन्ग जंप का जो ट्रैक है वहां पर कुछ दुकाने लग रही है। इसके लिए हम आवेदन देने आए हुए हैं कि हमारे जो लॉन्ग जंप ट्रैक है वहां की दो से चार दुकान हटाई जायें ताकि प्रैक्टिस में समस्या ना हो। दुकान को वहां से हटाना चाहते हैं हम करीब २० लोग हैं जो रोज अपनी प्रेक्टिस उक्त स्थान पर करते हैं हमारा फिजिकल अब चालू हो गया है। आगे हमें बहुत ज्यादा समस्या होगी इसलिए इसे तत्काल हटाना चाहिए या आगे बढ़ना चाहिए।

पटाखे की दुकान स्टेडियम में जो लगने जा रही है वह लगत है-सुमित गौतम

सुमित गौतम ने बताया कि देखा जा रहा है की वीरांगना रानी अवंतीबाई स्टेडियम में एक वर्ष से हम फिजिकल की ट्रेनिंग कर रहे हैं। जहां पर इस बार समस्या हो गई है क्योंकि इससे पहले जितने भी कार्यक्रम हुए उन्होंने हमारे स्थान को सुरक्षित रखा बाकी सब हुआ। अब दीपावली के चलते पटाखे की दुकान स्टेडियम में लगने जा रही है तो हमारा जहां पर ट्रैक बना हुआ है उसमें कुछ दुकान आ रही है। जिसके लिए हम आए थे कि उन्हें हमारे स्थान पर लगाई गई दुकान आगे हटा दिया जायें। अभी आगामी ३ नवंबर से हमारा फिजिकल टेस्ट प्रारंभ हो जायेगा यही मांग करने आए थे कि हमारा भी काम हो जाए और दुकान भी सुरक्षित लगी रहे।

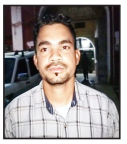

रामपायली में अजगर का वन विभाग ने किया रेस्क्यू

धान कटाई के दौरान महिलाओं को दिखा अजगर

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत रामपायली के खेत से वन विभाग के द्वारा एक अजगर प्रजाति के सर्प पर रेस्क्यू कर उसे उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया । यह अजगर महिलाओं के द्वारा धान कटाई के दौरान देखा गया जिससे किसी को नुकसान नहीं हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामपायली निवासी ब्रजेश मिश्रा के खेत में वर्तमान में धान कटाई का काम चल रहा है। जहाँ धान की कटाई कर रही महिलाओं के द्वारा उस अजगर को झाड़ियों में देखा गया। जिसके बाद महिलाओं के द्वारा इसकी जानकारी आसपास के लोग व खेत संरक्षक यादव नेरकर को दी गयी। इसके बाद यह जानकारी पूरे ग्राम में तेजी से फैल गई जहां पर लगातार समय के साथ खेत में निकले लगभग १० फीट के अजगर को देखने के लिए धीरे धीरे लोगों का हुजूम जमा हो गया। इस घटना की जानकारी वन विभाग को भी दी गई वहीं अजगर की प्रतिक्रिया से अनभिज्ञ ग्रामीणों के द्वारा कई प्रकार से उसे पकड़ने के लिए प्रयास किया गया । किंतु वह कामयाब नहीं हो पाए इसके बाद ग्राम के दो युवकों के द्वारा वन विभाग के साथ मिलकर उक्त अजगर प्रजाति के सर्प को पकड़ा गया। जिसका सफल रेस्क्यू करने के बाद वन विभाग के द्वारा उसे उसके प्राकृतिक आवास जंगल में रियासी इलाके से दूर ले जाकर छोड़ दिया गया।

६ वर्षीय बालक की नहर में डूबने से मौत

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत आलेझरी से गुजरने वाली नहर में २१ अक्टूबर की दोपहर में ६ वर्षीय बालक की डूबने से मौत हो गई। इसमें बताया जा रहा है कि अंश परिहार गेंद खेल रहा था इस दौरान यह हादसा हो गया। जिसमें पुलिस के द्वारा मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही की गई । वहीं शाम होने के कारण पोस्टमार्टम नहीं किया गया जो २२ अक्टूबर की सुबह किया जायेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार आलेझरी निवासी कमलेश परिहार का मकान नहर के किनारे स्थित है जहां पर वह अपने परिवार के साथ रहते हैं। जिनमें एक बालक और एक बालिका है जिसमें उनका पुत्र अंश परिहार उम्र ६ वर्ष वारासिवनी के एक निजी स्कूलों में कक्षा दूसरी में अध्यनरत था। जो प्रतिदिन स्कूल जाता था वह २१ अक्टूबर की सुबह स्कूल गया हुआ था। जहां से दोपहर में वापस आकर अपने घर के बाहर गेंद खेल रहा था। तभी वह गेंद अचानक नहर में चल गई जिसे निकालने का प्रयास बालक के द्वारा किया जाता रहा। तभी अचानक वह बालक नहर में गिर गया जिसकी डूबने से मौत हो गई। यह देख रहागिरो के द्वारा हल्ला किया गया जिस पर आस पड़ोस और ग्राम के लोग दौड़कर आए और उन्होंने नहर से बालक को बाहर निकला। परंतु तब तक बहुत देर हो चुकी थी बालक की मौत हो गई थी जिसकी जानकारी उनके द्वारा पुलिस को दी गयी। जहां वारासिवनी पुलिस ने मौके पर आवश्यक कार्यवाही की गई। जहां शाम होने के कारण शव का पोस्टमार्टम नहीं किया गया जो २२ अक्टूबर की सुबह १० बजे सिविल अस्पताल वारासिवनी में स्थित शव विच्छेदन ग्रह में किया जाएगा।

भोरगढ़ में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कटंगी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

राज्यपाल बनाम सरकार: तमिलनाडु में शत्रुता

आपसी सौहार्द की छोटी-सी अवधि के बाद, तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के बीच सियासी अदावत एक बार फिर उफान पर है। इस बार इसकी वजह बना प्रसार भारती के कार्यक्रम में राज्यगीत की गलत प्रस्तुति। वर्ष 1970 के दशक से 'तमिल थाई वझ्थु' को आधिकारिक कार्यक्रमों में आवाहन गीत के रूप में प्रस्तुत किया जाता था, जिसे दिसंबर 2021 में राज्य गीत घोषित किया गया। इसकी प्रस्तुति के दौरान एक संत के बैठे रहने के बाद, एक जज ने फैसला दिया कि ऐसा कोई वैधानिक या कार्यपालिकीय आदेश नहीं है जो इस गीत को बजाये जाने के समय वहां मौजूद लोगों का खड़ा होना जरूरी बनाता हो। राज्यपाल की उपस्थिति वाले कार्यक्रम में, 55 सेकेंड के इस राज्यगीत से 'द्रविड़ भूमि' की प्रशंसा वाला एक पद साफ तौर पर गायब कर दिया गया। हालांकि इसे अनजाने में हुआ बताया गया, लेकिन मंच पर इसे सुधारने की कोई कोशिश नहीं की गयी। ज्यादातर राजनीतिक दलों को यह नागवार गुजरा। स्टालिन ने पूछा कि रवि एक 卐राज्यपाल卐 हैं या एक 卐आर्य卐 और यह जानना चाहा कि क्या 卐द्रविड़ एलर्जी से ग्रस्त卐 राज्यपाल राष्ट्रगान से 'द्रविड़' शब्द हटाने का प्रस्ताव देंगे।

राज्यपाल ने इस पर नाराजगी जतायी और 卐आर्य卐 के रूप में जिक्र किये जाने को 卐नस्लवादी卐 बताया। ऐसी व्याख्या वास्तव में राज्यपाल की इस सैद्धांतिकी के खिलाफ जाती है कि आर्य और द्रविड़ की अवधारणा, 卐नस्लीय के बजाय卐, मुख्यत: भौगोलिक विभाजन है। उन्होंने अपनी यह मान्यता प्रकट की थी कि अंग्रेजों ने अपनी जरूरतों के अनुकूल इसे 卐नस्लीय बनाया卐 था। रवि ने तर्क दिया कि उनके खिलाफ लगाये गये आरोपों से मुख्यमंत्री के उच्च संवैधानिक पद की गरिमा कम हुई है। यह सही है कि गायकों द्वारा एक पद के विलोपन को सीधे राज्यपाल से जोड़ना दूर की कौड़ी है। मगर, रवि ने 'द्रविड़' अवधारणा को बार-बार एक 'पुरानी पड़ चुकी विचारधारा' से जोड़ा है जिसने एक ऐसा पारितंत्र तैयार किया है जो 卐अलगाववादी भावना卐 को बढ़ावा देता है, और 卐'एक भारत' के विचार को पसंद卐 नहीं करता। उन्होंने यह भी कहा है कि राज्य की द्वि-भाषा नीति का नतीजा भाषाई नस्लभेद के रूप में सामने आया। प्रसार भारती के कार्यक्रम में, उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 50 सालों में तमिलनाडु के लोगों के जेहन में बहुत सारी विषाक्तता घोली गयी है। इस तरह के विचार यह धारणा पैदा करते हैं कि वह किसी भी द्रविड़ चीज के जिक्र के खिलाफ थे। इसके बावजूद, रवि पर सीधा आरोप लगाकर इस विवाद में पड़ना स्टालिन के लिए मुनासिब नहीं था। लेकिन ज्यादा बड़ा मुद्दा यह है कि राज्यपाल और सरकार के बीच जोर-आजमाइश का खामियाजा शासन (गवर्नेंस) को भुगतना पड़ता है। राजनीतिक सक्रियता से उनके गहरे लगाव और सरकार की नीतियों के प्रति उनकी शत्रुता को देखते हुए, वक्त आ गया है कि रवि को हटाया जाए। उनके और मुख्यमंत्री के बीच के समीकरण सुधार से परे हैं। यह स्थिति राज्य की सेहत के लिए ठीक नहीं है और लोकतांत्रिक संस्थाओं को खतरे में डालती है।

हिजबुल्लाह का याह्या सिनवार मौत पर एक्शन-इज़रायल पीएम के घर ड्रोन हमला रिएक्शन- तीसरे विश्व युद्ध का टेंशन

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ दो खेमों में बंट चुकी है। इन देशों में अप्रत्यक्ष रूप से प्रॉक्सी वॉर शुरू है,इस बीच भारत कनाडा का टेंशन भी बड़ा हुआ है, वहीं इस बिगड़ते माहौल व युद्ध के बीच 19 अक्टूबर 2024 को देर शाम इजरायल के प्रधानमंत्री के घर ड्रोन हमले की जानकारी डिजिटल मीडिया पर आग की तरह फैली जिसे देर रात्रि इजरायली पीएमओ कार्यालय व आईडीएफ ने भी कंफर्म किया व किसी जनहानि से इनकार किया। उधर इस कठिन माहौल क़े बीच रूस के कज़ान में 23 -25 अक्टूबर 2024 सेब्रिक्स देशों का 16वाँ शिखर सम्मेलन शुरू हो रहा है जिसकी तैयारियां जोर-जोर से की गई है। भारतीय पीएम भी 22-23 अक्टूबर 2024 को इस महासम्मेलन में शामिल होंगे, जिसमें संभावित वैश्विक जंग यानें वैश्विक युद्ध क़े दोनों आधार रूस-यूक्रेन व हमास-इजरायल युद्ध को रोकने के उपचार में भारतीय पीएम फिर ग्लोबल लीडर साबित हो सकते हैं।परंतु अभी नए घटनाक्रमों के चलते इस बारे में कहा नहीं जा सकता। चूँकि इजरायली पीएम के घर पर ड्रोन हमले से इसराइल एफडीआई के सुरक्षा घेरे में सेंघ से दुनियाँ हैरान है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे हिजबुल्लाह का याह्या सिनवर मौत पर एक्शन इजरायली पीएम के घर ड्रोन हमला रिएक्शन, तीसरे विश्व युद्ध का टेंशन।

साथियों बात अगर हम इजरायली पीएम के घर ड्रोन हमले की करें तो,लेबनानी गुट हिजबुल्लाह की ओर से शनिवार को निजी आवास पर ड्रोन हमले की कोशिश के बाद इजरायली पीएम बेंजामिन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि इस ड्रोन अटैक के पीछे ईरान के एजेंट हिजबुल्लाह का मकसद उनको मारना था।उन्होंने दावा किया कि उनके साथ-साथ उनकी पत्नी की भी हत्या इस ड्रोन अटैक के जरिए करने की साजिश थी। उन्होंने इस अटैक के लिए ईरान के प्रॉक्सी और एजेंट्स को जिम्मेदार कहा है।ईरान पर लगाया हमले का आरोप,याह्या सिनवार की मौत और ड्रोन हमले ने इस युद्ध में एक नया मोड़ दिया है। इजरायल अब हामास और उससे जुड़े ईरानी एजेंटों से संघर्ष को बढ़ाता हुआ नजर आ रहा है।मसलन, इजरायली अधिकारी ने दावा किया कि हमले ईरान के इशारे पर किए गए थे, लेकिन इसके लिए इजरायल ने कोई सबूत पेश नहीं किया है।पीएम ऑफिस से आए एक बयान के मुताबिक, ईरान ने नेतन्याहू को निशाना बनाने की कोशिश की थी। यह घटना कासेरिया में हुई,जो अपने शानदार विला और रोमन सभ्यता के अवशेषों के लिए मशहूर है।इडीएफ ने बताया कि ड्रोन लेबनान से लॉन्च किए गए थे और इस हमले के कारणों की जांच की जा रही है। ईरान की तरफ से फिलहाल इजरायल के आरोपों पर कुछ प्रतिक्रिया समने नहीं आई है।कहा जा रहा है कि ड्रोन हमले के बीच लोगों को कोई वार्निंग नहीं मिली। मसलन, इजरायल का सुरक्षा कवच (वार्निंग सिस्टम) आमतौर पर किसी भी हमले को भांप लेता है और साइरन के जरिए लोगों की चेतावनी मिलती है। हालांकि, नेतन्याहू के आवास को निशाना बनाने वाले ड्रोन्स का पता नहीं चला।

साथियों बात अगर हम दुनियाँ के अलग-अलग गुटों में बटें होने व भारत की भूमिका की करें तो, इस समय अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य जटिल भी होता जा रहा है। दुनियाँ अलग अलग इलाकों में कई तरह से बंटी नजर आती है। जहां यूक्रेन के खिलाफ अमेरिका पूरी दुनियाँ को रूस को लामबंद कर रहा है, और भारत रूस का साथ छोड़ने के लिए तैयार नहीं है, वहीं हमारा देश कई मामलों में चीन के खिलाफ अमेरिका का साथ देता दिखता है, तो फिर रूस, भारत, चीन, ब्राजील और साउथ अफ्रीका जैसे देशों का संगठन कुछ अजीब सा ही लगता है।पिछले कुछ समय से दुनियाँ में हलचल और युद्ध का संकट ज्यादा दिखाई दे रहा है, ऐसे में भारत की वैश्विक मंच पर भूमिका भी और भी संवेदनशील हो चली है। ऐसे में भारत और रूस, सहित कई विकासशील देशों का आपस में एक सहयोग संगठन में है जिसे ब्रिक्स कहते हैं।आगामी 22 अक्टूबर भारतीय पीएम रूस के शहर कजान में इसी के सम्मेलन में भाग लेने के लिए जा रहे हैं। भारत के पीएम अपनी वैश्विक भूमिकाओं के कारण ग्लोबल लीडर साबित हुए हैं। वे दुनियाँ के हर मंच पर अपनी काबिलियत का लोहा मनवा रहे हैं। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले उनकी ये भूमिका उन्हें दुनियाँ के अन्य नेताओं से अलग करती है।

साथियों बात अगर हम युद्ध के माहौल में 16 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 23-25 अक्टूबर 2024 की करें तो, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले भारत के पीएम के इज़राइल व फिलिस्तीन और रूस व यूक्रेन जंग रुकवाने के लिए किए गए प्रयास के कारण एक बार फिर ग्लोबल लीडर साबित हुए हैं। ब्रिक्स सम्मेलन से पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने के लिएभारतीय पीएम के प्रयासों की सराहना की है। इससे पीएम की यह छवि और पुख्ता हुई है। पुतिन ने इज़राइल और फिलिस्तीन के बीच संघर्ष को समाप्त करने के लिए भारत की भूमिका को महत्वपूर्ण माना है। भारत ने हमेशा दोनों पक्षों के बीच बातचीत और शांतिपूर्ण समाधान की वकालत की है।भारत सरकार ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह मुद्दा उठाया है, साथ ही भारत ने हमेशा संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और दो-राज्य समाधान के सिद्धांत का समर्थन किया है। भारत की भूमिका में मध्यस्थता, कूटनीतिक संवाद, और मानवता के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है। हालांकि, स्थिति जटिल है और पीएम की भूमिका सीमित होती है, लेकिन भारत का यह प्रयास वैश्विक स्तर पर शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। ब्रिक्स सम्मेलन में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास की भागीदारी एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। यह न केवल फिलिस्तीन के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी आवाज़ उठाने का अवसर है, बल्कि यह ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग और एकजुटता को भी दर्शाता है। इस भागीदारी के माध्यम से, अब्बास फिलिस्तीनी मुद्दों को प्रमुखता से उठाने और वैश्विक समर्थन प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। इस प्रकार के सम्मेलनों में शामिल होकर, वे फिलिस्तीन के संघर्ष और स्थिति को दुनिया के सामने लाने की कोशिश करते हैं, जिससे कि अन्य देश और अंतरराष्ट्रीय संगठन फिलिस्तीन के अधिकारों और स्वतंत्रता के समर्थन में आगे आ सकें ब्रिक्स जैसे मंचों पर उनकी भागीदारी अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक नया दृष्टिकोण और संवाद का निर्माण कर सकती है। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि हिजबुल्लाह का याह्या सिनवार मौत पर एक्शन-इज़रायल पीएम के घर ड्रोन हमला रिएक्शन, तीसरे विश्व युद्ध का टेंशन इजरायली पीएम के घर पर ड्रोन हमला इजरायली डिफेंस फोर्स के सुरक्षा घेरे में सेंध से दुनियाँ हैरान।इज़रायली पीएम के घर ड्रोन हमले के बीच 16 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 23-25 अक्टूबर 2024 कज़ान रूस में फिलिस्तीन भी शामिल होगा।

संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभक़ार एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

हीरो की नगरी पन्ना में 5 रुपये में ई-रिक्शा और 50 में खरीदे चप्पलें!

- यहां मजदूर भी बन सकता है करोड़पति

मध्यप्रदेश के पन्ना नगर की पहचान एक तरफ हीरो की खदानों से है ,वही दूसरी तरफ श्रीकृष्ण प्रणामी पंथ के श्री प्राणनाथ मंदिर और सनातन धर्म के जुगल किशोर मंदिर के कारण भी पन्ना का खास महत्व है।पन्ना यूं तो हवाई सेवाओं व रेल मार्ग तक से वंचित है और इसके लिए पन्ना को खजुराहो पर निर्भर रहना पड़ता है।साथ ही सड़क परिवहन के नाम पर सिर्फ प्राइवेट बसे ही आम लोगो की सवारी है।खजुराहो के विश्व धरोहर मंदिरो तक उनके प्रवेश द्वार से जाने के लिए मात्र 5 रुपये में ई-रिक्शा सहजता से उपलब्ध है तो श्री प्राणनाथ मंदिर में भारी भीड़ के चलते जूते चप्पल चोरी हो जाने पर भी श्रद्धालुओं को इस कारण दु:ख नही होता क्योंकि यहां मंदिर के बाहर ही 50 -50 रुपये में महिला -पुरुषों की चप्पलें बिकती मिल जाएगी।पन्ना में ज्यादा संख्या गरीबो की है,लेकिन मोहन चौराहे से श्री प्राणनाथ मंदिर जाने वाली सड़क पर सांसद ,विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष से लेकर जिला जज,डीएम और एसपी तक के बंगले खास लोगो की बस्ती का एहसास कराती है।पिछले दिनों यहां एक मजदूर को खनन के दौरान एक हीरा मिला है, जिसकी कीमत 80 लाख से 1 करोड़ के बीच बताई जा रही है।यहां कोई भी आदमी आसानी से हीरे के खनन का काम शुरू कर सकता है।पन्ना में जहां हीरा मिला है, उस जगह खुदाई का पट्टा उसी मजदूर के पास था ,जिसे हीरा मिला।उसने दो महीने से खदान लगाई हुई थी।हीरों की नगरी पन्ना में हीरे की खदान लेने के लिए खदान का पट्टा सिर्फ 200 रुपये में मिल जाता है। मात्र 200 रुपये देकर कोई भी हीरो की खदान की खुदाई कर सकता है। यहां बेशकीमती हीरे निकलना आम बात है। हीरे मिलने पर लोग रातोंरात करोड़पति बन जाते हैं।पन्ना में एक करोड़ का हीरा मिलने पर जिस मजदूर की किस्मत खुली है, उसका नाम राजू गोंड है। राज गोंड के पिता चुनवादा गोड ने हीरा कार्यालय से दो महीने पहले ही पट्टा लिया था।राजू ट्रैक्टर ड्राइवर हैं और साथ ही में खदान का काम भी करता है। राजू को खुदाई में चमचमाता हुआ जेम्स क्वालिटी का हीरा मिला है, जिसकी कीमत 80 लाख रुपये से एक करोड़ रुपये के बीच है और नीलामी में इससे भी ज्यादा दाम उसे मिल सकते हैं।उनका हीरे का पट्टा कृष्णा कल्याणपुर पट्टी क्षेत्र में है। उनको मिला हीरा 19 कैरेट 22 सेंट का है।हीरा ढूंढने के लिए 8 वर्ग मीटर की एक जगह अलॉट कर दी जाती है, जहां पर खुदाई की जा सकती है। यहां कई तरह की खदाने हैं,ये जमीन किसी व्यक्ति की भी हो सकती है और सरकार भी जमीन देती है। पट्टे में खुदाई करने के बाद उस जगह की जमीन में मिट्टी वापस डालनी होती है ।किसी की खदान में हीरा निकल जाता है तो उस हीरे को पन्ना के संयुक्त कलेक्ट्रेट स्थित हीरा कार्यालय में जमा करवाना होता है। सरकार कुछ समय बाद उक्त जमा कराए गए हीरे की नीलामी करवाती है, जिसमें हीरे बेचे जाते हैं।नीलामी के लिए 5000 रुपये की फीस लगती है।इसके बाद हीरा बिकने के बाद नीलामी से जो राशि आती है, उसमें से करीब 12 प्रतिशत रॉयल्टी काट कर शेष 80 प्रतिशत राशि हीरा धारक पट्टेदार के खाते में हीरा अधिकारी हस्तांतरित कर देता है। पन्ना के 80 किलोमीटर के क्षेत्र में कई खदानें हैं, जहां व्हाइट, ऑफ कलर और कोकाकोला कलर के हीरे मिलते हैं। ऑफ कलर को मैला हीरा भी कहा जाता है और उनके आधार पर ही नीलामी की जाती है।यहां कई बार 2-3 करोड़ के भी हीरे मिल चुके हैं।जिन्हें पाकर लोग मालामाल हो रहे है।

(- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

देश की पुरानी व इंजीनियरिंग में सबसे उत्कृष्ट संस्था है आई आई टी रूड़की

देश की नामचीन संस्था आईआईटी रुड़की ने 175वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थान के पूर्व छात्रों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान वर्चुअली जुड़े।25 नवंबर को अपना 175वां स्थापना दिवस मना रहे आईआईटी रुड़की संस्थान के इस कार्यक्रम में देश-विदेश में सेवाएं दे रहे कई पूर्व छात्रों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया। इस मौके पर अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 14 पूर्व छात्रों को आईआईटी ने सम्मानित भी किया।इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि आईआईटी रुड़की का 175 वर्ष का ये सफर बहुत शानदार रहा है। आईआईटी तमाम क्षेत्रों में शिखर पर पहुंची है और आगे भी बेहतर करने की कोशिश जारी रहेगी। = रुड़की कॉलेज की स्थापना साल 1847 में ब्रिटिश साम्राज्य के प्रथम इंजीनियरिंग कॉलेज के रूप में हुई थी। 1854 में थॉमसन कॉलेज ऑफ सिविल इंजीनियरिंग के रूप में इस कॉलेज का फिर से नामकरण हुआ। इस कॉलेज की कार्यकुशलता और क्षमता को सम्मानित करते हुए स्वतंत्र भारत में संयुक्त प्रांत (उत्तर प्रदेश) के 1948 के अधिनियम संख्या ढ्ढड्ढ के द्वारा इसे विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया।नवंबर 1949 में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंड़ित जवाहर लाल नेहरू ने इसे स्वतंत्र भारत के प्रथम इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय के रूप में उच्चीकृत करते हुये इसे चार्टर प्रदान किया। 21 सितंबर 2001 को रुड़की विश्वविद्यालय से इसका दर्जा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की में बदलते हुये संसद में एक बिल पास करते समय इस संस्थान को राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान घोषित किया गया। अपनी स्थापना के बाद से ही, इस संस्थान ने देश को तकनीकी जनशक्ति और तकनीकी- जानकारी प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। आज यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तकनीकी संस्थानों में शुमार है और देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान जारी रखे हुए है। डॉक्टरेट कार्यक्रमों के अतिरिक्त, यह संस्थान 18 विषयों में स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम और इंजीनियरिंग, विज्ञान, प्रबंधन, वास्तुकला और नियोजन तथा मानविकी व सामाजिक विज्ञान की 57 विशेषज्ञताओं में स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है। 500 से अधिक योग्यतम फ़ैकल्टी सदस्यों की सहायता से यह 9000 से अधिक छात्रों को शिक्षा प्रदान कर रहा है तथा 40,000 से अधिक पूर्व छात्रों के माध्यम से देश और विदेश के कोने-कोने में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज किये हुये है। आई।आई।टी रुड़की ने अपनी स्थापना के 175वें वर्ष में प्रवेश किया, और अपने पूर्व छात्रों, वर्तमान छात्रों, स्टाफ सदस्यों तथा अपने अकादमिक और औद्योगिक सहयोगियों के साथ पूरे विश्व में अपनी सफलता का जश्न मना रहा है।

-संजय गोस्वामी

तड़क-भड़क के साए में रामलीलाएं

जिस प्रयोजन को लेकर दशकों पहले रामलीला के मंचन की शुरुआत हुई थी। बदलते दौर में उसका स्वरूप तेजी के साथ बदल रहा है। गांव कस्बों की बात छोड़ भी दें तो शहरों में इनके भव्य आयोजन की होड लगी रहती है। रामलीला के आयोजन पर भारी-भरकम राशि खर्च की जाती है वहीं दर्शकों को सम्मोहित करने के लिए तरह तरह के जतन किए जाते हैं ।हकीकत तो यह है कि रामलीला के मेले जैसे माहौल में लोग भी अब रामलीला देखने कम इसकी चमकदार सेट,भारी भरकम सजावट देखने ज्यादा आते हैं ।ऐसे में रामलीलाओं का आयोजन और उसकी प्रासंगिकता कितनी सार्थक रह गई है? रामलीला के बदलते रंग स्वरूप को देखकर इसकी झलक मिल जाती है।

कभी मशाल मिट्टी के तेल की चिमनियों लालटेन और पेट्रोमेक्स की रोशनी में खेली जाने वाली रामलीलाओ का स्वरूप आज पूरी तरह बदल चुका है चार दशक पूर्व की रामलीला देखने वाले लोग यदि आज महानगरों,बड़े शहरों में आयोजित होने वाली नामी-गिरामी रामलीलाओ को देखते हैं तो वे उसके बदले स्वरूप को देखकर दंग रह जाते हैं ।उन्हें विश्वास नहीं होता कि रामलीलाएं कितनी बदल चुकी है। रामलीलाओं के दौरान रामलीला परिसर पूरी तरह मनोरंजक मेलों और आकर्षक बाजार में तब्दील हो जाता हैं ।कडवा सच यह है कि जहां ज्यादातर लोग रामलीला देखने कम , सैर सपाटा और सजावट देखने ज्यादा आते हैं।

करीब 400 वर्षों से रामलीलाओं के आयोजन का उल्लेख हमें मिलता है उस वक्त आवागमन के साधन ही कहां थे फिर भी रामलीला मंडलियां तमाम तरह की कठिनाइयों को सहकर इनका आयोजन करती थी ।ढोल मजीरे झांझर करताल जैसे वाद्य यंत्रों व सहज संवादों के माध्यम से दर्शकों को बांधे रखा जाता था। हालांकि लालटेन युग में आंधी पानी आ जाने पर आयोजकों की परेशानी बढ़ जाती थी ।समय के साथ धीरे-धीरे टेंटों का सहारा लिया जाने लगा इसके पश्चात पंडालों की शुरुआत हुई बिजली की सुलभता से रामलीला के आयोजको को सहूलियतें मिली और सजावट का दौर प्रारंभ हो गया पहले पुरुष पात्र ही महिलाओं की भूमिका करते थे लेकिन अब बड़ी रामलीलाओं में महिलाएं ही स्त्रियों की भूमिकाएं करती हैं ।पहले रामलीला के पात्र भी कम पढ़े लिखे होते थे। उन्हें पर्दे के पीछे से संवाद सुनाए जाते थे ।लेकिन आज के कंप्यूटर युग में प्रत्येक पात्र संवाद को पूर्ण तौर पर रट डालता है ।पहले प्रचार माध्यम इतने सशक्त नहीं थे तो रामलीला काआयोजन करने वाली समितिया पर्चे छपवाकर रामलीला में होने वाली प्रस्तुतियों के बारे में लोगों को बताती थी या फिर शहर कस्बे में घूम-घूम कर लाउडस्पीकर से प्रचार करती थी लोग भी मीलों पैदल चलकर बड़े उत्साह के साथ रामलीला के कार्यक्रमों का पता लगाने आते थे और अपनी रूचि के अनुसार रामलीला देखने परिवार सहित जाते थे ।लेकिन आज इतना बदलाव आ चुका है कि प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया के जरिए दर्शकों को रामलीला के दौरान किस दिन कौन से प्रसंग का मंचन हो इसकी जानकारी दी जाती है। साधन संपन्न रामलीला कमेटियां तो बकायदा पत्रकार वार्ता आयोजित कर रामलीला के आकर्षणों के बारे में जानकारी देती हैं।

आज की रामलीला को भव्यता प्रदान करने के लिए कितना धन खर्च किया जाता है उसकी कोई सीमा नहीं होती हर वर्ष रामलीला के मंचन पर लाखों रुपए रामलीला पर खर्च करने वाली श्री रामलीला समारोह समिति के पदाधिकारी विष्णु गर्ग , राधेश्याम भाकर संयोजक रमेश अग्रवाल बताते हैं कि रामलीला देखने आने वाले दर्शकों की अभिरुचि को देखते हुए हर साल श्री राम लीला समारोह समिति को कुछ न कुछ नया करना पड़ता है राधेश्याम भाकर ने बताया कि पिछले 77सालो से लोगो में धार्मिक भावना जागृत करने के मकसद से छत्री मंडी परिसर में रामलीला का मंचन हमारी समिति द्वारा कराया जा रहा है हालांकि पिछले कुछ सालों से छत्री मंडी परिसर के स्थान पर अब रामलीला का का मंचन फूलबाग मैदान में किया जाने लगा है। इस साल श्री राम लीला समारोह समिति द्वारा 78 वी रामलीला का आयोजन वृंदावन की नामचीन रामलीला मंडली के माध्यम से कराया जा रहा है । विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी वृंदावन की श्री हरि बाबा राम कृष्ण लीला मंडल के द्वारा निर्देशक स्वामी रसिक विहारी जी महाराज के निर्देशन में रामलीला का मंचन किया जा रहा है।रामलीला को आज भले ही व्यापारी अथवा पूंजीपति बढ़ावा दे रहे हैं लेकिन समूचे देश में इसके प्रचार-प्रसार में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है मथुरा और वृंदावन की मंडलियों ने सैकड़ों वर्षो पूर्व साधनों के अभाव में मथुरा वृंदावन से लोग विभिन्न जगहों पर जाते थे और छोटे-छोटे टेंटों अथवा खुले मैदानों , धर्मशाला ओं के प्रांगण में रामलीला रासलीला का आयोजन करते थे इसके पश्चात दरभंगा बिहार की कुछ मंडलियों ने इन्हें और भी विस्तार दिया,रामलीला मंडल मुरार के अध्यक्ष बताते हैं कि हमारी रामलीला के सभी पात्र स्थानीय होते हैं उनका कहना था कि इस आयोजन में भाग लेने वाले पात्र किसी भी तरह का पारिश्रमिक नहीं लेते हैं अधिकांश पात्र अच्छे पढ़े-लिखे हैं और नौकरियां करते हैं कमेटी की एक विशेषता यह है कि वह हर वर्ष नारद मोह मनु शतरूपा ,ताड़कावध, परशुराम संवाद, बाली वध, कुंभकरण वध मेघनाथ वध आदि को काफी अनूठे ढंग से प्रदर्शित करती है।

रामलीला में बढ़ती नाटकीयता के बारे में पूछे जाने पर छत्री मंडी श्री राम लीला समारोह समिति के राधेश्याम भाकर कहते हैं बदलते समाज में दर्शकों की रुचि को देखकर प्रतिवर्ष कुछ सुधार किए जाते हैं लेकिन तथ्यों से कतई छेड़छाड़ नहीं की जाती पात्रों के बारे में पूछने पर उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के कहा कि सभी पात्र अपने अभिनय में जीवंतता लाने के लिए इस दौरान सात्विक रहते हैं मुरार रामलीला समिति के अध्यक्ष एक उदाहरण देते हुए बताते हैं कुछ वर्ष पूर्व सायरा नाम की एक लड़की को हमारे द्वारा सीता का किरदार निभाने की जिम्मेदारी सौंपी गई तो कुछ लोगों ने आपत्ति की कि कैसे हम सीता के रूप में इनका चरण स्पर्श करेंगे लेकिन आपत्ति के बावजूद इस पात्र को नहीं बदला गया सायरा ने सीता की भूमिका में खरा उतरने के लिए इस दौरान वह शाकाहारी रही जमीन पर सोई और मर्यादा का पूर्ण तौर पर पालन किया मुरार में पिछले 115सालों से रामलीला का आयोजन किया जा रहा है, इस तरह ऐतिहासिक शहर ग्वालियर में आयोजित होने वाली रामलीलाएं है हर साल भव्यता और आकर्षण के नए सोपान चढ़ रही हैं। नवदुर्गा सेवा समिति द्वारा दीनदयाल नगर के में भी इन दिनों राम लीला का मंचन किया जा रहा है इसके आयोजन में दीपक तोमर की अहम् भूमिका रही है।

हालांकि पहले के दौर की रामलीलाएं जहां तड़क-भड़क से दूर रहती थी लेकिन आज ध्वनि और प्रकाश के प्रभाव को रामलीलाओं में विशेष महत्व दिया जा रहा है मौजूदा दौर में तकनीकी पक्ष का भरपूर इस्तेमाल किया जा रहा है इसके मूल चरित्र पर क्या फर्क पड़ा है इसके बारे में वरिष्ठ पत्रकार डॉ केशव पांडे बेहिचक बताते हैं कि भले ही रामलीलाओं में भव्यता बढ़ गई है पर पहले जैसी बात नहीं रही पहले रामलीला के घटनाक्रम को देखते हुए दर्शक दर्शक रो पड़ते थे दर्शक लोग पात्रों से अपना तारतमय जोड़कर पूरी तरह से घटनाक्रम का हिस्सा बन जाते थे लेकिन आज लोग सजावट देखने और मनोरंजन करने के लिए रामलीला देखने आते हैं रामलीला देखने आए कई दर्शक मानते हैं कि अब तो सिर्फ तड़क-भड़क ही रह गई है वरिष्ठ पत्रकार डॉ सुरेश सम्राट प्रतिभा रैली बताती है कि पहले रामलीला प्रारंभ होने से पूर्व ही लोगों में उसके प्रति काफी उत्साह दिखाई देने लगता था रामलीला स्थल पर मंच के सामने सबसे आगे बैठने की होड़ लगी रहती थी पात्रों को देखकर आध्यात्मिक अनुभूति होती थी लेकिन अब तो यहां आने वालों का उद्देश्य बदल गया है।

शर्मनाक बात यह है कि कई मनचले लोग यहां भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आते 60 वर्षीय एक बुजुर्ग रामलीलाओं के आयोजन के उद्देश्य के बारे में बताते हैं कि बहुत से लोग अब राम के नाम पर समाज में अपना नाम ऊंचा करने की कोशिश करते हैं लोकप्रियता हासिल करने के मकसद से राजनीति से जुड़े लोग भी रामलीला कमेटी से जुड़ रहे हैं दूसरी ओर अम्बाह निवासी देवेंद्र शर्मा कहते हैं कि छतरी मैदान में होने वाली रामलीला की प्रासंगिकता आज भी बरकरार है तमाम परिवर्तनों के बावजूद रामलीला के मूल स्वरूप में परिवर्तन नहीं आया है बिहार की रहने वाले कुमार प्रशांत कहते हैं आज की रामलीलाओं में कहीं न कहीं मूल चरित्र से छेड़छाड़ की जाती है भव्यता प्रदान करना ठीक है लेकिन ज्यादा नाटकीयता लाना भी हमारी संस्कृति के लिए उचित नहीं है रामलीला कमेटियों की तारीफ करते हुए वह कहते हैं आज जब आदमी के पास किसी से बात करने तक की फुर्सत नहीं है ऐसे में एक पखवाड़े तक लगातार रामलीला के लिए प्रतिदिन अपना कीमती समय देना प्रशंसनीय काम है फिर भी आयोजकों को अपने प्रचार से बचना चाहिए। हनुमान व भरत की भूमिका निभाने वाले दो कलाकारों से जब लेखक द्वारा पूछा गया कि वे कैसा अनुभव करते हैं इस पर दोनों कलाकारों का कहना था कि रामायण में वर्णित जिस जिस चरित्र को हम निभा रहे हैं उसमें तारतम्य जोड़ने के लिए संयमित जीवन जीना पड़ता है ऐसी भूमिका निभाने के पश्चात जीवन में परिवर्तन आता है।

-मुकेश तिवारी
(लेखक के विषय में -(मध्यप्रदेश शासन से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं)

एनएसई और बीएसई 1 नवंबर को स्पेशल मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन आयोजित करेंगे

मुंबई । हर साल की तरह इस साल भी पूरा देश दिवाली के अवसर पर स्टॉक मार्केट में होने वाली मुहूर्त ट्रेडिंग का इंतजार कर रहा है। इसकी तारीख और टाइमिंग को लेकर कंफ्यूजन दूर हो गया है। दरअसल, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने दिवाली के शुभ अवसर पर आयोजित विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन के टाइमिंग की घोषणा की है। एनएसई और बीएसई 1 नवंबर को एक घंटे का स्पेशल मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन आयोजित करेंगे। स्टॉक एक्सचेंजों ने अलग-अलग सर्कुलर में यह ऐलान किया है। सर्कुलर में कहा गया है कि ट्रेडिंग सेशन शुक्रवार 1 नवंबर 2024 को शाम 6 बजे से 7 बजे के बीच आयोजित की जाएगी। दिवाली पर शेयर बाजार रेगुलर ट्रेडिंग के लिए बंद रहेगा, लेकिन शाम को एक घंटे के लिए स्पेशल ट्रेडिंग विंडो खुली रहेगी। एक्सचेंजों ने घोषणा की कि प्री-ओपनिंग सेशन शाम 5ः45 बजे से शाम 6ः00 बजे तक होगा। बता दें कि मुहूर्त ट्रेडिंग एक पारंपरिक प्रतीकात्मक ट्रेड होता है। यह एक शुभ दिन होता है और इस दिन निवेशक सौभाग्यशाली वर्ष की कामना के साथ कुछ देर की ट्रेडिंग करते हैं। पिछले साल 12 नवंबर को निफ्टी और सेंसेक्स ने विशेष दिवाली मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र में अच्छी बढ़त देखी थी। शाम 6ः15 बजे से शाम 7ः15 बजे तक मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए ओपन हुआ था। सेंसेक्स 354.77 अंक की तेजी के साथ 65,259.45 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 100.20 अंक की तेजी रही, ये 19,525.55 के स्तर पर बंद हुआ था।

रुपया एक पैसे बढ़कर 84.06 प्रति डॉलर पर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और अमेरिकी मुद्रा में नरमी के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में अपने निचले स्तर से उबरता हुआ एक पैसे की मामूली बढ़त के साथ 84.06 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि, विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.06 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.25 पर रहा।

ब्रोकरेज फर्मों ने एचडीएफसी बैंक का टारगेट प्राइस बढ़ाया...

मुंबई। एचडीएफसी बैंक ने जुलाई-सितंबर तिमाही में उम्मीद से बेहतर नतीजे दर्ज किए, इसके बाद ब्रोकरेज फर्मों ने बैंक के शेयर का टारगेट प्राइस बढ़ाया है। अब, जानकारों ने एचडीएफसी बैंक के शेयर का टारगेट प्राइस अगले एक साल में 1,900 रुपये से 2,150 रुपये के बीच होने का अनुमान जताया है, जो अक्टूबर 2025 तक 27.8 प्रतिशत की अधिकतम बढ़ोतरी का संकेत है। जानकारों ने बैंक के दूसरे तिमाही 25 नतीजों को कोविड-पूर्व अर्निंग के समान बताया, जिसमें न तो कोई बड़ा सकारात्मक असर देखने को मिला और न ही कोई नकारात्मक। बैंक का मार्जिन लगभग फ्लैट रहा और क्रेडिट लागत में सुधार देखा गया, जिससे बैंक को सेक्टर-वाइड समस्याओं से कोई असर नहीं हुआ। उन्होंने स्टॉक पर आउटपरफॉर्म रेटिंग बनाए रखी और टारगेट प्राइस को 2,100 रुपये पर तय किया। एचडीएफसी बैंक के दूसरे तिमाही 25 नतीजों में शुद्ध लाभ 5.3 प्रतिशत सालाना आधार पर बढ़कर 16,820 करोड़ रुपये हो गया, जो मार्केट के अनुमानों से बेहतर था। ऑपरेशनल रूप से, बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 10 प्रतिशत सालाना बढ़कर 30,110 करोड़ रुपये हो गई। नेट इंटरेस्ट मार्जिन (एनआईएम) दूसरे तिमाही 25 में 3.46 प्रतिशत रही, जो पहली तिमाही में 3.47 प्रतिशत थी।

अल्ट्राटेक सीमेंट के दूसरी तिमाही में 25 नतीजों में 36 प्रतिशत की गिरावट

मुंबई । भारत की सबसे बड़ी सीमेंट निर्माता कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट ने सितंबर 2024 में समाप्त तिमाही में अपने शुद्ध लाभ में 36 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है। इसका कारण ऑपरेशन से कम राजस्व बताया जा रहा है। इस अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 820 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की तुलना में 36 प्रतिशत कम है। कंपनी की आय में भी गिरावट आई है, क्योंकि राजस्व 2.4 प्रतिशत घटकर 15,634.73 करोड़ रुपये हो गया। 16 जानकारों ने अल्ट्राटेक के राजस्व का अनुमान 15,711 करोड़ और 18 जानकारों ने नेट प्रॉफिट का अनुमान 1,032 करोड़ रुपये लगाया था। कंपनी ने राजस्व के मामले में अपेक्षाएं पूरी की, लेकिन लाभ में कमी आई। तिमाही आधार पर शुद्ध लाभ 52 प्रतिशत और 13 प्रतिशत राजस्व गिरा। कंपनी ने कहा कि ब्याज, मूल्यह्रास और कर से पहले का लाभ (पीबीडीआईटी) 2,239 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले के 2,718 करोड़ रुपये से कम है। कैपासिटी और बिक्री- सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी की कैपासिटी में 68 प्रतिशत का उपयोग हो सका, जबकि घरेलू बिक्री में 3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि देशभर में लगातार बारिश के बावजूद हुई है। कंपनी ने ऊर्जा लागत में एक साल पहले की तुलना में 14 प्रतिशत की गिरावट देखी, जबकि कच्चे माल की लागत में फ्लाई ऐश और स्लैग की बढ़ी हुई कीमतों के कारण 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अहमदाबाद में तीन एकड़ जमीन का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड (जीपीएल) ने आवास परियोजना विकसित करने के लिए अहमदाबाद के वस्त्रपुर में करीब तीन एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। इसका अनुमानित बिक्री मूल्य 1,300 करोड़ रुपये है। कंपनी ने सौदे की कीमत और विक्रेता का नाम उजागर नहीं किया। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने शेयर बाजार को बताया कि इस भूमि पर करीब नौ लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र विकसित किए जाने की संभावना है। इसमें मुख्य रूप से प्रीमियम आवासीय अपार्टमेंट शामिल हैं, जिनकी अनुमानित बुकिंग कीमत करीब 1,300 करोड़ रुपये है।' गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम अहमदाबाद में अपनी दूसरी परियोजना से खुश हैं।

मेष - राशि के जातकों के लिए कल दिन अच्छा रहने वाला है, उन्हें अपनी काफी सारी समस्याओं से निजात मिलेगी. परिवार में भी चल रही कलह बातचीत के जरिए दूर रहेगी. भाई व बहन आपके कामू में पूरा साथ देंगे. आप यदि किसी मकान या वाहन आदि को लेकर कोई लोन अप्लाई कर रहे थे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगा. कार्य क्षेत्र में आपको कोई पुरस्कार मिल सकता है।

वृषभ - राशि के जातकों के लिए दिन मिलाजुला रहने वाला है. आपको कामों मे समस्याएं आयेगी, तो उनको दूर करने के लिए आप अपने बॉस से बातचीत कर सकते हैं. आपके जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है. आपका कोई मित्र आपसे लंबे समय बाद मिलने आ सकता है।

मिथुन - राशि के जातकों की सेहत कमजोर रहने वाली है. मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा. अपने यदि किसी को धन उधार दिया, तो आपको उसे वापस मिलने में समस्या होगी, इसलिए आप किसी को धन बहुत ही समझ कर उधार दे और आपके कोई डील लंबे समय सेट की हुई थी, तो वह फाइनल हो सकती हैं. आपको परिवार में किसी सदस्य की कोई बात आपको बुरी लग सकती है, लेकिन फिर भी आप उनसे कुछ नहीं कहेंगे।

कर्क - राशि के जातकों के लिए कल दिन सावधानी बरतने के लिए रहेगा. आपको वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करना होगा. कोई दुर्घटना होने की संभावना है. यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु खो गयी थी, तो वह आपको मिल सकती है. ननिहाल पक्ष से आपको मान सम्मान मिलता दिख रहा है. जो लोग सिंगल है, उनकी अपने साथी से मुलाकात हो सकती है और कार्य क्षेत्र में आपको अच्छे कामों के लिए पुरस्कार मिल सकता है।

सिंह - राशि के जातकों के लिए कल दिन समस्याओ से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा. आपको कोई नए काम के प्रति रुचि जागृत हो सकती है. आप बिना सोचे समझे किसी काम में टांग ना अड़ायें. यदि आपने किसी से मां की बात शेयर की, तो वह इसका फायदा उठा सकता है। तो बेहतर रहेगा. धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी खूब रुचि रहेगी और आप अपने धन का कुछ हिस्सा दान पुण्य के कार्य में भी लगाएंगे।

कन्या - राशि के जातकों के लिए कल दिन मिला-जुला रहने वाला है. आपको अपने पिताजी की सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा. आपका कोई मित्र यदि लंबे समय से आपको कोई निवेश संबंधी योजना के सुझाव दे, तो आप उसमें निवेश बिल्कुल ना करें. आपकी तरक्की के राह में आ रही बाधा दूर होगी. विद्यार्थियों को कोई स्कॉलरशिप मिलने की संभावना है।

तुला - राशि के जातकों के लिए कल दिन मिश्रित रुप से फलदायक रहने वाला है. आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है. स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं पर आपको पूरी नजर बनाकर रखनी होगी. कई काम एक साथ हाथ लगने से आपके व्याकाग्रता बढ़ सकती है. आप किसी दूसरे के मामले में ना बोले, नहीं तो इससे कोई बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है।

वृश्चिक - राशि के जातकों के लिए कल दिन उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है. आपको किसी काम को लेकर यदि समस्या चल रही थी, तो आपको उसे दूर करने की आवश्यकता है. पार्टनरशिप में किसी काम की शुरुआत करना आपके लिए नुकसानदायक रहेगा. आपके मान सम्मान में वृद्धि होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा. आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लग सकती है।

धनु - राशि के जातकों के लिए कल दिन उत्तम रुप से फलदायक रहने वाला है. आपके घर किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है. आपको पार्टनरशिप में कोई काम करने से बचना होगा. आपको अपने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर पूरी नजर बनाकर रखनी होगी. माता-पिता के सेवा के लिए भी आप कुछ समय निकालेंगे।

मकर - राशि के जातकों के लिए कल दिन ठीक-ठाक रहने वाला है. आपका कोई पुराना लेनदेन आपको समस्या दे सकता है. आपका धन यदि कही अटका हुआ था, तो उससे भी आपको काफी हद तक निजात मिलेगी. परिवार में लोगो आपसी सहमती कमजोर होगी. यदि आपकी किसी काम को लेकर समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है. विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बौझ से छुटकारा मिलेगा।

कुंभ - राशि के जातकों के लिए कल दिन प्रसन्नता दिलाने वाला रहेगा. आपका कोई प्रोजेक्ट यदि लंबे समय से अटका हुआ था, तो वह पूरा हो सकता है. व्यवसाय में आपको छुटपुट लाभ मिलने की संभावना है. आप कोई बड़ा निवेश थोड़ा सोच विचार कर करें, नहीं तो इससे आपको समस्या हो सकती है. माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा. घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

मीन - राशि के जातकों के लिए कल दिन समस्याएं लेकर आने वाला है. कल कोई व्यर्थ का वाद विवाद आपको परेशान करेगा. आप अपनी वाणी व व्यवहार में बदलाव लाएं, क्योंकि लोगों को आपका व्यवहार पसंद नहीं आएगा. आपके कुछ विरोधी आपके खिलाफ कोई राजनीति कर सकते हैं, इसलिए कार्यक्षेत्र में आपको थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है. संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी. घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

शब्दजाल - 7697

शब्द जाल में धर्मेंद्र की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.दिए गए नाम उपर से नीच एवं तिरछे भी हैं.

अनपढ़, नीला आकाश, मेरा गांव मेरा देश, खामोशी, यकीन, दो चोर, ललकार, राजा जानी, रजिया सुल्तान, कयामत.

म	क	मु	ग	ल	दो	चो	र	म	ल	ध
ल	वि	ल	नी	ला	आ	का	श	ह	श	ड़
ल	अ	ल	म	दी	छ	स	आ	दे	ख	क
का	स	न	न	दि	वा	स	रा	ल	श	क
र	आ	दो	प	ल	ज	मे	तू	ग	झ	न
या	क	द	र	ढ़	व	उ	शी	ण	ल्ता	क
ती	या	ल	मी	गां	प	मो	व	सु	जू	बै
क	म	ऊ	रा	द	खा	क	या	ए	श	क
क	त	मे	प	र्द	गी	जि	री	औ	प	य
क	गॉ	ल	प	लि	र	त	ऐ	ओ	प	की
क	ड	रा	जा	जा	नी	स	व्य	ब	प	न

शब्दजाल - 7696 का हल

भा	क	श	त	रं	ज	के	खि	ला	ड़ी	र
र	च	ल	प	व	जी	ग	द	इ	मा	ली
त	र	र्म	ल	र	छ	पु	रा	ट	हे	क
क	स	ज	कु	ह	व	न	लू	ल	म	क
क	क	दो	र्बा	म	लं	रि	तू	ग	कि	क
जी	क	ल	नी	कि	झ	पू	श	ण	सी	को
ती	ज	मा	न	त	प	दे	श	र	से	ल
क	ता	दा	ई	से	र	क	फ	लो	क	न
ने	बा	चे	न्न	प	जी	ल	री	ग	म	स्ता
द	पा	ल	श	व	दा	दा	ऐ	बें	न	शो
क	क	दे	प	ची	न	रा	बा	द	हीं	ले

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6641

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२
४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३.२
५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३
६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४
७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५
१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१७. देवानंद, गीत बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३
१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
२०. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३
२८. सनी, तब्बू, रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
३. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३
८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
९. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१०. अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३
१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३
१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
१७. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-३
१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३
२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३
३१. विनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6640

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8165

बाएँ से दाएँ

1. रुद्र,शिव,भैरव-4
4. आर्युवेद के जनक-3
6. भीगा हुआ-2
7. ताला(अंग्रेजी-2)
9. शेविंग करना-4
11. योग्य,अनुरूप-3
12. अल्सर-3
13. ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14. नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15. नाप जोख करना-3
17. अनुमान लगाना-3
19. उदारता,बड़प्पन-4
21. गाथा,कहानी -2
23. जनकपुत्री-2
24. जिज्ञासा,उत्साह-3
25. राजा,सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1. इच्छुक,अलमस्त-4
2. मात,पराजय-2
3. बोलने का तरीका-3
4. अर्चभित-3
5. आर्ट,हुनर-2
8. गुनाह,अपराध-3
9. अटक-अटक कर बोलना-4
10. सरुर,खुमार,नशा, घमंड-2
12. नजाकत-4
15. अभिनेता,कप्तान-3
16. आनंद बोधक शब्द-2
18. सम्राट,राजा-4
19. व्यंग,परिहास-3
20. मुलायम-3
22. परात,बड़ी थाली-2
23. हलवा,एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -8164 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

22 अक्टूबर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	तुला	05.38 बजे से
चंद्र	मिथुन में	वृश्चिक	07.57 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	10.13 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.18 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	14.04 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	मीन	15.37 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	17.08 बजे से
राहु	मीन में	वृष	18.48 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	20.46 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		कर्क	22.59 बजे से
		सिंह	01.16 बजे से
		कन्या	03.27 बजे से

मंगलवार 2024 वर्ष का 296 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** षष्ठी 01.30 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 05.39 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** परिघ 08.46 बजे को समाप्त। **करण** गर 13.54 बजे तदनन्तर वणिज 01.30 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 19.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 11° 09'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872140
जूलियन दिन 2460605.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 18
विशेष स्कन्द षष्ठी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः स्वाभिमान

कलकत्ता विश्वविद्यालय के उपकुलपति का एक पत्र पाकर पं. मदन मोहन मालवीय असमंजस में पड़ गए। वे बुदबुदाए - 'अजीब प्रस्ताव रखा है यह तो उन्होंने। क्या कहूँ, क्या लिखूँ?' पास बैठे एक सज्जन ने पूछा, 'ऐसी क्या अजीब बात लिखी है पंडित जी उन्होंने।' वे मुसकुराकर बोले, 'कलकत्ता विश्वविद्यालय के उपकुलपति महोदय, मेरी सनातन उपाधि छीन कर एक नई उपाधि देना चाहते हैं।' वे लिखते हैं - यह कहकर वे पत्र पढ़ने लगे। उस पत्र में लिखा था - 'कलकत्ता यूनिवर्सिटी आपको डॉक्टरेट की सम्मानित उपाधि से अलंकृत करके अपने आपको गौरवान्वित करना चाहती है। हम भी गौरवान्वित हो सकेंगे। आप अपनी बेशकीमती स्वीकृति से शीघ्र ही सूचित करने की कृपा कीजिए।' 'प्रस्ताव तो उचित ही है। आप ना मत कर दीजिएगा मालवीय जी महाराज, यह तो हम वाराणसी वासियों के लिए विशेष गर्व एवं गौरव की बात होगी।' तभी एक अन्य सज्जन ने हाथ जोड़ कर कहा उनसे। 'अरे बहुत ही भोले हो भैय्ये तुम तो। वाराणसी के गौरव में वृद्धि नहीं होगी। यह तो वाराणसी के पांडित्य को जलील करने का प्रस्ताव है। बनारस के पंडितों को अपमानित करनेवाली तजवीज है यह।' बहुत ही व्यथित मन से मालवीय जी बोले। अगले ही क्षण उन्होंने उस पत्र का उत्तर लिखा - 'मान्य महोदय! आपके प्रस्ताव के लिए धन्यवाद। मेरे उत्तर को अपने प्रस्ताव का अनादर मत मानिएगा। मेरा पक्ष सुनकर आप उस पर पुनर्विचार ही कीजिएगा। मुझको आपका यह उपाधि वितरण प्रस्ताव अर्थहीन लग रहा है। मैं जन्म और कर्म दोनों से ही ब्राह्मण हूँ। किसी भी ब्राह्मण धर्म की मर्यादाओं के अनुरूप जीवन बिताता है। 'पंडित' से बढ़कर अन्य कोई भी उपाधि नहीं हो सकती । मैं 'डाक्टर मदन मोहन मालवीय' कहलाने की अपेक्षा 'पंडित मदन मोहन मालवीय' कहलवाना अधिक पसंद करूँगा। आशा है आप इस ब्राह्मण के मन की भावना का आदर करते हुए इसे 'डाक्टर' बनाने का विचार त्याग कर 'पंडित' ही बना रहने देंगे।' वृद्धावस्था में भी मालवीय जी तत्कालीन वाइसराय की कौंसिल के वरिष्ठ काउंसलर थे। उनकी गहन और तथ्यपूर्ण आलोचनाओं के बावजूद वाइसराय उनकी मेधा, सौजन्य, सहज पांडित्य आदि के कायल थे। एक बार एक खास भेंट के कार्यक्रम के दौरान वाइसराय ने कहा - 'पंडित मालवीय, हिज मेजेस्टी की सरकार आपको 'सर' की उपाधि से अलंकृत करना चाहती है। आप इस उपाधि को स्वीकार करके इस उपाधि का गौरव बढ़ाने में हमारी मदद करें।' मालवीय जी ने तुरंत मुसकुराकर उत्तर दिया - 'महामहिम वाइसराय जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आप मुझे इस योग्य मानते हैं किंतु मैं वंश परंपरा से प्राप्त अपनी सनातन उपाधि नहीं त्यागना चाहता। एक ब्राह्मण के लिए 'पंडित' की उपाधि ही सर्वोपरि उपाधि है। यह मुझे ईश्वर ने प्रदान की है। मैं इसे त्याग कर उसके बंदे की दी गई उपाधि को क्यों कर स्वीकार करूँ?' वाइसराय उनके तर्क से खुश होकर बोले - 'आपका निर्णय सुनकर हमें आपको पांडित्य पर जो गर्व था, वह दुगुना हो गया। आप वाकई सच्चे पंडित हैं जो उसके गौरव गरिमा की रक्षा के लिए कोई भी प्रलोभन त्याग सकते हैं।' एक बार काशी के पंडितों की एक सभा ने मालवीय जी महाराज का नागरिक अभिनंदन करके उन्हें उस समारोह के दौरान ही 'पंडितराज' की उपाधि प्रदान किए जाने का प्रस्ताव किया। यह सुनकर सभा के कार्यकर्ताओं के सुझाव का विरोध करते हुए वे बोले - 'अरे पंडितों, पांडित्य का मखौल क्यों बना रहे हो, पंडित की उपाधि तो स्वत: ही विशेषणातीत है। इसलिए आप मुझको पंडित ही बना रहने दीजिए।' फिर वे हँसकर बोले - 'जानते हो 'पंडित' 'महापंडित' बन जाता है तो उसका एक पर्यायवाची वैशाखनंदन 'गधा' बनकर मुस्कराता है व्याकरणाचार्यों के पांडित्य पर।' और पंडित जी के विनोद में बात आई गई हो गई। वे न तो डाक्टर बने, न 'सर' हुए न ही 'पंडितराज' इस सबसे दूर स्वाभिमान के साथ जीवन भर पांडित्य का गौरव बढ़ाते रहे।

सूडोकू नवताल- 6950

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकू नवताल -6949 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

विदेशी निवेशकों ने निकलें पैसे..... हरे से लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बड़े उछाल के साथ खुलने के बावजूद लाल निशान में बंद हुआ। इसके पहले शुक्रवार को शेयर बाजार तीन दिन की गिरावट के बाद हरे निशान पर बंद हुआ था। भारतीय शेयर बाजार में कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में भारी गिरावट और विदेशी निवेशकों के लगातार देशी बाजारों से पैसा निकालने के चलते गिरावट आई। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सोमवार को 73.48 अंक की गिरावट के साथ 81,151.27 पर बंद हुआ। शुरुआत में सेंसेक्स 545 अंक तक चढ़ गया था। हालांकि, कारोबार के अंत में बिकवाली के दबाव में आकर सेंसेक्स 80,811.23 के निचले स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 भी 72.95 अंक की गिरावट के साथ 24,781.10 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में सोमवार को कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 4 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट लेकर बंद हुआ। कंपनी की तिमाही आय नतीजे निवेशकों की उम्मीद के अनुरूप नहीं रहे। इसकारण बैंक के शेयर में बड़ी गिरावट देखी गई। इसके अलावा बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, अदानी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और जेएसडब्ल्यू स्टील भी गिरावट में बंद हुए। वहीं एचडीए?सी बैंक के सितम्बर तिमाही के नतीजे शानदार रहे जिसका असर कंपनी के शेयरों में देखने को मिला है। जुलाई-सितंबर तिमाही में एचडीए?सी बैंक का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट 6 प्रतिशत बढ़कर 17,825.91 करोड़ रुपये रहा। एचडीएफसी बैंक का शेयर सोमवार को लगभग 3 प्रतिशत चढ़ गया। साथ ही एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईआई), मारुति और टेक महिंद्रा के शेयर भी प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला जारी है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (FIIs) ने शुक्रवार को 5,485.70 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5,214.83 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

सियांग घाटी में विशालकाय बांध बना रहा भारत, काम तेजी से शुरू

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश से लगा हुए चीन के इलाके में चीन की बड़ी जल परियोजना को देखते हुए केंद्र ने ऊपरी सियांग घाटी में विशालकाय बांध बनाने के काम को तेजी से शुरू कर दिया है। यह देश का सबसे बड़ा बांध होगा। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल में सियांग ऊपरी घाटी बांध की शुरुआती परियोजना प्रबंधन के उद्देश्य से वित्तीय मदद देने की घोषणा की थी। इस प्रस्तावित परियोजना के तीन एजेंडे हैं ङ्क बाढ़ प्रबंधन, जल प्रवाह को दुरुस्त करना और बिजली पैदा करना। सरकार की पनबिजली की प्रमुख कंपनी एनएचपीसी को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और परियोजना व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफपीआर) विकसित करने की जिम्मेदारी दी गई है। अधिकारियों के अनुसार इस बांध की क्षमता 10-12 गीगावॉट (जीडब्ल्यू) पनबिजली की होगी और यह भारत का सबसे बड़ी पनबिजली परियोजना होगी। इस परियोजना की लागत 1 लाख करोड़ रुपये होगी। एनएचपीसी के अधिकारियों ने बताया कि इस बारे में विभिन्न सरकारी मंत्रालयों जैसे ऊर्जा, जल शक्ति और अरुणाचल प्रदेश से विचार-विमर्श हुआ था। हाल में केंद्र के राशि जारी करने से इस परियोजना को गति मिली है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस साल अगस्त में पूर्वोत्तर के राज्यों में 15 जीडब्ल्यू की पनबिजली परियोजना के लिए 4,136 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। मंत्रिमंडल ने बीते महीने आगामी जल परियोजनाओं के लिए 'सक्षम बुनियादी ढांचा' और पंप्ड स्टोरेज परियोजना (पीएसपी) के लिए 12,461 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। अधिकारियों ने संकेत दिया कि इन दो निगमों से कोष सियांग घाटी परियोजना के पीएफआर के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे और स्थानीय लोगों को जागरूक किया जाएगा। एनएचपीसी के प्रवक्ता को ईमेल प्रश्नावली भेजी गई थी लेकिन खबर लिखे जाने तक उसका जवाब नहीं मिला था।

दिवाली से पहले पेट्रोल-डीजल के बढ़े भाव

नई दिल्ली। हाल ही में सामने आए रिपोर्ट में दावा किया गया था कि आगामी दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट आ सकती है। इस रिपोर्ट के बाद जनता की उम्मीद और बढ़ गई है। वहीं पेट्रोलियम कंपनियों की ओर से 21 अक्टूबर 2024 को ईंधन का नया भाव जारी कर दिया गया है। पेट्रोल कंपनियों की ओर से जारी किए गए भाव के अनुसार सरकार ने महाराष्ट्र चुनाव से पहले आम जनता को एक बार फिर झटका दिया है। नए भाव के अनुसार महाराष्ट्र में पेट्रोल 46 और डीजल 37 पैसे महंगा हो गया है। महंगा होने के बाद अब यहां एक लीटर पेट्रोल के लिए 104.83 और डीजल के लिए 93.5 रुपए देना होगा। वहीं दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपए और डीजल की कीमत 87.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपए और डीजल की कीमत 89.97 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपए और डीजल की कीमत 91.76 रुपए प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपए और डीजल की कीमत 92.34 रुपए प्रति लीटर है। वहीं देश के अन्य अन्य प्रमुख शहरों में पेट्रोल-डीजल का भाव इस प्रकार हैं। नोएडा में0 पेट्रोल 94.83 रुपए प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपए प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपए प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपए प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपए प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपए प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपए प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपए प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपए प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपए प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपए प्रति लीटर और पटना में पेट्रोल 105.18 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपए प्रति लीटर है। महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 46 पैसे बढ़कर 104.83 रुपए प्रति लीटर और डीजल 37 पैसे बढ़कर 93.05 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। यूपी में पेट्रोल 33 पैसे बढ़कर 94.70 रुपए प्रति लीटर और डीजल 38 पैसे बढ़कर 87.79 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है।

नगर परिषद लांजी में बस संचालकों एवं व्यापारियों की हुई बैठक

यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था सुधारने दी गई हिदायत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर में लगातार बिगड़ रही यातायात व्यवस्था और पार्किंग व्यवस्था की शिकायतें मिलने के बाद अब नगर प्रशासन हरकत में आ गया है। जिसके उपरांत 21 अक्टूबर को नगर परिषद लांजी में बस संचालको और ट्रांसपोर्टरों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले, एसडीएम कमल सिंहसार, नायब तहसीलदार संजय बारस्कर, सीएमओ बी.एल. लिल्हारे, सभापति किशोर रामटेक्कर, पार्षद मुकेश रणदिवे, पार्षद दिनेश कचवाहे, पूर्व पार्षद लीलाधर डोलस एवं अन्य मौजूद रहे। बैठक के संबंध में जानकारी से अगवत कराते हुए एसडीएम श्री सिंहसार ने बताया कि नगर के व्यापारियों से लंबे समय से भारी वाहनों के उनके प्रतिष्ठानों के सामने खड़े करने की शिकायतें मिल रही थी जिससे उनका व्यापार प्रभावित हो रहा था। जिसके बाद बस संचालकों एवं ट्रांसपोर्टरों को बुलाकर अपने वाहनों को व्यवस्थित ढंग से पार्क किये जाने तथा रात्रि के समय अपनी व्यवस्था के हिसाब से पार्किंग किये जाने की बात कही गई है। ऐसा नहीं किये जाने पर नगर परिषद लांजी द्वारा अवैध पार्किंग वाहनों पर चालानी कार्यवाही की जाएगी और जुर्माना वसूला जाएगा।

व्यापारियों को भी दी चेतावनी

वर्तमान मे तीज त्यौहार के चलते व्यापारिक प्रतिष्ठानों के सामने भी काफी भीड़ और अराजकता देखी जाती है जिसके चलते दुकानों के सामने भी छोटे दो पहिया वाहनों की लंबी कतारें आसानी से देखी जा रही है। जिसके मद्देनजर उन्हें भी दुकानों के सामने व्यवस्थित तरीके से वाहन खड़े करने एवं यातायात को सुचारू रखने के लिये निर्देशित किया गया है। ऐसा नहीं किये जाने पर उनके खिलाफ भी मोटर व्हीकल एक्ट के तहत जुर्माना वसूला जाएगा और चालानी कार्यवाही की जाएगी।

वैश्य समाज महिला मण्डल ने करवाचौथ पर किया गरबे का आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर में 20 अक्टूबर करवा चौथ का पर्व सुहागिन महिलाओं के द्वारा मनाया गया जहां पति की लंबी आयु की कामना के साथ व्रत धारण कर चलनी से चंद्र देव के दर्शन कर अपने पति के हाथों से जल आदि ग्रहण कर उक्त व्रत को पूर्ण करती है। नगर में अनेको

स्थानों में महिलाओं के द्वारा एकत्र होकर करवा चौथ पर्व मनाया गया। इसी कड़ी में वैश्य समाज महिला मण्डल लांजी के द्वारा करवा चौथ के पावन अवसर पर व्रत पूजन के साथ ही डांडिया उत्सव गरबे का आयोजन किया गया। बतादे कि लांजी नगर के वैश्य समाज महिला मण्डल की प्रभारी श्रीमती सुशीला दुग्गड़, अध्यक्ष श्रीमती रोशनी अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्रीमती एकता अग्रवाल के नेतृत्व में समाज की सभी महिला सदस्य नगर के बालाघाट मार्ग स्थित जैन मंदिर सभा गृह में एकत्रित हुई जहां पर महिलाओं के द्वारा गरबा नृत्य कर डांडियॉ उत्सव मनाया गया। माता रानी के भक्ति गीत में सभी महिलाओं में उक्त गरबा डांडियॉ उत्सव का आनंद लिया। इस दौरान महिला सदस्यों में प्रमुख रूप से सुशीला दुग्गड़, अनु दुग्गड़, मनीषा दुग्गड़, रोशनी अग्रवाल, ज्योति श्रीवास्तव, प्रीति अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, कंचन अग्रवाल, एकता अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, शोभा अग्रवाल, रीता अग्रवाल, सुषमा अग्रवाल, डॉली अग्रवाल, श्वेता श्रीवास्तव आदि महिला सदस्य उक्त कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मनेरी में 28 से पंचायत स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता

लांजी (पद्मेश न्यूज)। दीपावली के पावन अवसर पर गत वर्षानुसार इस वर्ष भी क्षेत्र के ग्राम मनेरी के हाई स्कूल ग्राउंड में स्व. नरेन्द्र आसटकर की स्मृति में 28 अक्टूबर से टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 21 हजार रूपये, द्वितीय 11 हजार रूपये तथा अन्य आकर्षक पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे। प्रतियोगिता का शुभारंभ 28 अक्टूबर को सरपंच श्रीमती मनीषा सुभाष सहारे के मुख्यातिथ्य में तथा विलास चौरे, डिलेश्वर नगपुरे, शिवप्रकाश दशहरे के विशिष्टि आतिथ्य में किया जायेंगा। प्रतियोगिता का समापन 10 नवंबर को विधायक राजकुमार कर्राहे के मुख्यातिथ्य में तथा सरपंच श्रीमती मनीषा सहारे, उपसरपंच डिलेश्वर नगपुरे के विशेष आतिथ्य में किया जायेगा। समिति के अध्यक्ष शोभाराम

आसटकर, उपाध्यक्ष अंकित कालबेले, सचिव प्रमोद भाकरे, ओमप्रकाश जांभुरे, उत्तम दहीकर, निकील दहीकर, विकास दहीकर, विकास ठाकरे, प्रवेश गोयल, सुनील तिवारी, नीरज फरकुण्डे, दिनेश भरने, सुरेन्द्र आसटकर, राजू किरनापुरे, रविन्द्र आसटकर, सदस्य गण मुकेश उपराड़े, बादल हनौते, कमलेश फरकुण्डे, संजय आसटकर, नीरज दहीकर, अजय पलान्दुरकर, डिलेश्वर नगपुरे, माखन, मुकेश, पंकज, सत्यम, बसंत, चाहत, प्रवीण, बादल, जीतू, हेमन्त नारनौरे, प्रिंस, श्रेयांश, संजू, भुवनेश्वर भाकरे, भुवी हटीले, रूपलाल, दिनेश भरने, खिलेश, अंकेश, रोहित टेंभुरकर, बंटी हनोते, कैलाश हनोते के द्वारा समस्त पंचायत स्तर की टीमों से उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की गई है।

शासकीय हाईस्कूल बेलगाँव में विद्यार्थियों को किया साइकिलों का वितरण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। प्रदेश सरकार के द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं में से एक निःशुल्क साईकिल वितरण योजना जो कि शिक्षा को बढ़ावा देने और छात्र-छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए संचालित है। इसी योजना के तहत 21 अक्टूबर को शासकीय हाईस्कूल बेलगाँव(लांजी) में कक्षा-9वी में अध्ययनरत 48 छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरण की गई। जिसके चलते इन सभी छात्र-छात्राओं को विद्यालय आने एवं घर जाने में सहूलियत प्राप्त होगी। उक्त वितरण के दौरान ग्राम पंचायत बेलगांव सरपंच श्रीमती सुमित्रा आचरे, उपसरपंच गुणेश्वर पांचे, महेश चौधरी, लक्ष्मीचंद आचरे, नरेश बांहे, अनिल जामरे, बिजेन्द्र नेवारे, फागुलाल सहारे, विद्यालय के प्राचार्य शैलेन्द्र चौधरी एवं शिक्षक टेकेन्द्र रघुवंशी, डेलीराम बिसेन, श्रीमती सायत्री चौधरी, सुश्री ममता शेंडे, तेजराम पटले, प्रकाश बिसेन, राधेश्याम पांचे, श्रीमती सुजाता चौरे सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

धान फसल कटाई जोरों पर, मजदूरों मिल रहा काम

लांजी (पद्मेश न्यूज)। धान का कटोरा कहलाने वाले बालाघाट जिले में इन दिनों धान कटाई जोरों पर है। हालाकि बारिश के खत्म होने व मौसम के साफ होते ही कुछ किसानों ने धान की कटाई प्रारंभ कर दी थी। लेकिन जमीन गीली होने के कारण कुछ किसानों को कटाई कार्य के लिए इंतजार भी करना पड़ रहा है। नवरात्र पर्व समाप्त होते ही अब धान कटाई किसानों द्वारा तेज गति से प्रारंभ कर दी गई है। कोई किसान रीपर मशीन से धान कटवा रहा है तो कुछ किसान मजदूरों से कटाई कार्य करवा रहे हैं। इस तरह धान कटाई कार्य प्रारंभ होने से खेतों से खलियान तक किसानी कार्य में कृषक व्यस्त नजर आ रहे हैं तो दूसरी ओर धान कटाई व बोझे बधाई से ग्रामीण मजदूरों को रोजगार भी मिल रहा है। हालांकि बीच में हुई लगातार बारिश, माहु रोग, पोंगा, सावरदेही तथा देर से हो रही कटाई के कारण फसल उत्पादन पर भी प्रभाव पड़ा है। लेकिन उत्पादन घाटा होने के उपरांत भी किसान अपनी खेती करना नहीं छोड़ते शायद इसलिए उन्हें अन्नदाता किसान कहा जाता है।

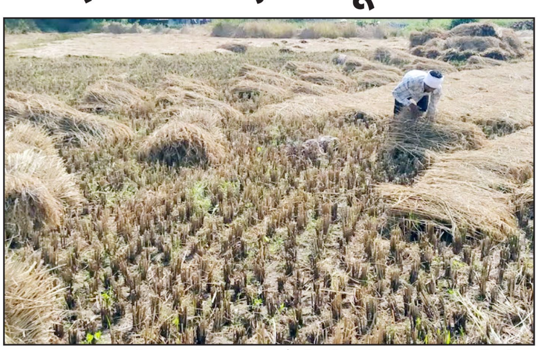

चरू लाकर प्रारंभ करते हैं धान कटाई

धान कटाई के पूर्व ग्रामीण परंपरानुसार किसान सुबह नहा, धोकर घर में पूजा पाठ करके चरू लाने अच्छी फसल की कामना से खेत जाते हैं। यहां चावल, सिंदूर कुमकुम से धान फसल की पूजा करके पांच मुठ्ठी धान हसिया से काटकर सर पर रख कर घर लाया जाता है जिसे चरू कहते हैं। किसान या मुखिया के घर पहुंचने पर घर की महिलाओं द्वारा पैर बुलाकर तिलक कर उसे उतारकर अंदर रखा जाता है। इस पांच मुठी धान बिना कुटे हाथ से धान निकालते हैं। और इसी धान का दीपावली पर्व या देव पूजा में खीर या चावल बना कर अपने इष्ट देवी देवताओं को भोग लगाकर खाते हैं, जिसे नया खाना कहा जाता है।

फसल चक्र अपनाए किसान

खरीफ की धान कटाई के पश्चात किसानों द्वारा रबि में धान ना लगाकर किसान भाई तकनीकी रूप से खेती कर फसल चक्र अपनाएं। लगातार खेत में नमी होने के कारण जमीन की उर्वरता नष्ट होती है व कीट व्याधि का प्रकोप बढ़ जाता है। किसान वर्ग फसल चक्र अपनाकर चना, गेहूं ,सरसों की फसल लगाएं। जिसका की समर्थन मूल्य मिल सकता है। जहां पानी जमा नहीं होता हो वहां गन्ने की केश क्राफ फसल लगाई जा सकती है। इस तरह धान कटाई के पश्चात रबी की फसल के लिए खेत तैयार किया जा सकता है।

1 लाख 30 हजार किसानों ने कराया पंजीयन- सीईओ पटले

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। धान उपार्जन को लेकर दिए गए निर्देशों के परिपालन में सोमवार को कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीना के मार्गदर्शन में आर.सी. पटले बैंक सीईओ द्वारा वीसी के माध्यम से शाखा प्रबंधको, सुपरवाईजरो, संस्था प्रबंधको एवं समिति कर्मचारियों की बैठक ली गई। इस अवसर पर श्री पटले ने जिले में होने वाले धान उपार्जन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए बताया कि उपार्जन अंतर्गत ऋणों की प्रविष्टि शत प्रतिशत करे और इस आशय का प्रमाण पत्र बैंक मुख्यालय को भेजे। उन्होंने बताया कि जिले के लगभग 1 लाख 30 हजार किसानों ने अपना पंजीयन समितियों के माध्यम से कराया है जो कि पिछले वर्ष से अधिक है। पंजीयन के अंतिम आंकड़े आने शेष है। इस दौरान ब्याज अनुदान का मिलान कार्य को लेकर शाखा प्रबंधको और संस्था प्रबंधको को प्रमाण पत्र भेजे जाने निर्देशित किया गया है तथा उपार्जन को लेकर समितियों में संधारित किसानों के खातो को अपडेट करने, रबी ऋण वितरण, खाद की समुचित व्यवस्था और ओव्हर ड्यिू सदस्यों को डिमांड लिस्ट तामिली की समीक्षा शाखावार की गई। इसके अलावा वन पट्टा धारी किसानों को केसीसी

के संबंध में आवश्यक निर्देश देते हुए समीक्षा की गई। श्री पटले ने बताया कि शीर्ष बैंक द्वारा प्राप्त निर्देशों को लेकर गत 10 अक्टूबर से आगामी 6 नवंबर तक जिले की सभी 126 सहकारी समितियों में ऋण महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसके माध्यम से किसानों द्वारा मध्यमकालीन ऋण आवेदन समितियों के माध्यम से शाखा द्वारा स्वीकृति के लिए बैंक मुख्यालय भेजे जा रहे है। निश्चिततौर ऋण मेले में किसानों द्वारा रूचि ली जा रही है जिसके चलते रिपर, थ्रेसर, पशु क्रय हेतु आवेदन प्राप्त हो रहे है, जिन्हे मुख्यालय द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा रही हैं। श्री पटले ने सभी समिति प्रबंधको को निर्देशित किया है कि एक समिति से एक प्रकरण मध्यमकालीन ऋण आवेदन प्रस्तुत करे। इस अवसर पर पी.जोशी प्रबंधक लेखा, राजेश नगपुरे फिल्ड अधिकारी, सृजल शाक्य, सारंग बिसेन, अमरेश परिहार, राजनंदनी परिहार उपस्थित रहे।

04 दिन से गायब वृद्ध महिला का मिला शव

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम चौखंडी के तालाब में सोमवार को एक वृद्ध महिला का शव पानी में तैरता दिखाई देने के बाद पूरे गांव में हड़कंप मंच गया. ग्रामीणों ने शव दिखाई देते ही पुलिस को सूचना दी और सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने शव को देखा. शव के हाथ पर जिरन बाई दर्ज था. जिसके आधार पर पुलिस ने इस अज्ञात महिला का पता लगाने के लिए अलग-अलग थानों में संपर्क किया और अन्य माध्यम से भी महिला की शिनाख्ती की कोशिश शुरू की. करीब 02 घंटे बाद महिला की शिनाख्त कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम सिंगोड़ी निवासी जिरन बाई मानकर के रुप में हुई. पुलिस को पता चला कि करीब 64 वर्षीय वृद्ध महिला जिरन बाई के पति की पहले ही मौत हो चुकी है और वह मानसिक रुप से दुरुस्त नहीं है. मृतक महिला की एक बेटी है जिसका विवाह हो चुका है और वृद्ध महिला बेटी के नाबालिक बेटे के साथ सिंगोड़ी में रहती थी. करीब 04 दिन पहले से वृद्ध महिला गायब थी जिसकी गुमशुदगी भी दर्ज नहीं करवाई गई थी. पुलिस ने शव बरामद कर मर्ग कायम कर शव का पीएम कर शव परिजनों को सौंप दिया. वहीं जांच विवेचना शुरू कर दी है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भानेगांव में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बोलेगांव में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र में इंडी गठबंधन में फूट, सपा ने कांग्रेस से आए अर्जुन राय को बुधनी से बनाया प्रत्याशी

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के बाद अब उपचुनाव में भी आइएनडीआइए में फूट देखने को मिली है। केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के त्यागपत्र से रिक्त हुई बुधनी विधानसभा सीट के उपचुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपना प्रत्याशी उतारकर कांग्रेस को बड़ा झटका दे दिया है। सपा ने एक दिन पहले ही कांग्रेस से आए अर्जुन राय को प्रत्याशी बनाया है।

वहीं, आइएनडीआइए की शर्तों के अंतर्गत सपा विजयपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में कांग्रेस का साथ दे रहा है। बता दें कांग्रेस ने बुधनी में पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल पर दांव लगाया गया है तो विजयपुर में आदिवासी दांव खेलते हुए मुकेश मल्होत्रा पर भरोसा जताया है।

कांग्रेस प्रदेश सचिव रहे हैं राय

राय कांग्रेस में प्रदेश सचिव रहे हैं। वह विधानसभा चुनाव के पहले से क्षेत्र में सक्रिय हैं। विधानसभा चुनाव में भी यहां से टिकट मांग रहे थे, पर कांग्रेस ने विक्रम मस्ताल को उम्मीदवार बनाया था। वह किसान नेता के रूप में सक्रिय रहे हैं। क्षेत्र में पदयात्राएं भी कर चुके हैं। इस कारण कांग्रेस को उनके आने से बड़े नुकसान की आशंका है। राय जाट हैं। वह ओबीसी वर्ग से आते हैं। यही कारण है कि पार्टी सपा और अर्जुन राय को मनाने में लगी है।

सपा मांग रही थी एक सीट

सपा के प्रदेश अध्यक्ष डा. मनोज यादव का कहना है कि हमने कांग्रेस से दो में से एक सीट मांगी थी, पर उन्होंने दोनों जगह प्रत्याशी उतार दिए। ऐसे में हमने भी बुधनी से अपना प्रत्याशी उतारा है। हमें भी जनता के बीच जाना है, इसलिए पार्टी का जनाधार खत्म नहीं कर सकते। आगे जो भी राष्ट्रीय नेतृत्व तय करेगा वह होगा।

कांग्रेस बोली सपा से बनी थी सहमति

कांग्रेस की प्रत्याशी चयन समिति के सदस्य शैलेन्द्र पटेल का कहना है कि अभी नामांकन और नाम वापसी के लिए समय है। हम मिलकर चुनाव लड़ेंगे। यहां प्रत्याशी उतारने के पहले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और सपा के प्रदेश अध्यक्ष डा. मनोज यादव के बीच बैठक भी हुई थी। मनोज यादव से भी राय ली गई थी। पूरी उम्मीद है गठबंधन का पूरा सहयोग कांग्रेस को मिलेगा।

कर्मचारियों को दीपावली पर अग्रिम वेतन, पेंशनर्स को पेंशन देने से अच्छा है महंगाई भत्ता, मंहगाई राहत का भुगतान कर दें सरकार -पाठक

भोपाल। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा दीपावली पर्व पर दो, तीन दिन पूर्व वेतन देने के लिए धन्यवाद देते हुए आग्रह किया कि मुख्यमंत्री जी इससे बेहतर होता कि लम्बे समय से कर्मचारियों को मंहगाई भत्ता और पेंशनरों को मंहगाई राहत नहीं मिली है। जबकि केंद्र सरकार ने केन्द्रीय कर्मचारियों, पेंशनर्स के लिए तीन प्रतिशत कुल 53 प्रतिशत मंहगाई भत्ता और मंहगाई राहत देने का आदेश कर दिया है।

राकेश पाठक ने मुख्यमंत्री से अपील की है कि, मध्यप्रदेश में कर्मचारियों को अभी तक 46 प्रतिशत मंहगाई भत्ता और पेंशनरों का मंहगाई राहत मिल रही है। 07 प्रतिशत बकाया है। यदि मुख्यमंत्री जी आप इनका भुगतान दीपावली के पूर्व करा दें तो निश्चित ही कर्मचारियों और पेंशनरों को सरकार की तरफ से दीपावली का सही उपहार मिल जाएगा। क्योंकि वेतन तो दो दिन बाद मिलना ही है। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने मुख्यमंत्री मोहन यादव, ऊर्जा मंत्री श्री तोमर और अतरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा मनु श्रीवास्तव से आग्रह किया है कि राज्य की सभी बिजली कंपनियों में भी दीपावली के पूर्व पेंशनर्स को पेंशन और आउट सोर्स कार्मिकों को वेतन का भुगतान किया जाना चाहिए। जिससे ये भी अपने परिवार के साथ दीपावली पर्व खुशहाली और उत्साह पूर्वक मना सकें।

प्रभाकर राघवन गूगल के नए सीटीओ बने

भोपाल। प्रभाकर राघवन की शिक्षा भोपाल में हुई इसके बाद इन्होंने आईआईटी मद्रास से इलेक्ट्रिकल इंजीनियर का कोर्स करके, लगातार केरियर में ऊंचाइयों को छूते रहे हैं। हाल ही में गूगल ने उन्हें नया सीटीओ बनाया है गूगल जैसी प्रतिष्ठित कंपनी में भारतीय मूल के लोगों को लगातार स्थान मिल रहा है। नॉलेज और कर्तव्य निष्ठा को लेकर सारी दुनिया में भारतीय मूल के लोगों का डंका बज रहा है। हाल ही में गूगल एआई टेक्नोलॉजी को लेकर बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। गूगल ने एआई के रिस्ट्रक्चर प्लान के लिए प्रभाकर राघवन का चयन किया है। गूगल को माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ रही है। इस प्रतिस्पर्धा में राघवन की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण हो रही है। राघवन ने करीब 20 साल तक डाटा और सर्च के क्षेत्र में काम किया है।100 से अधिक उनके रिसर्च पेपर हैं। टेक और वेब की दुनिया में उनके नाम पर 20 से अधिक पेटेंट हैं। 12 साल पहले भी वह गूगल से जुड़े थे। गूगल सर्च की बड़ी यूनिट में उन्होंने काम किया था। गूगल ने प्रभाकर राघवन को 300 करोड रुपए से अधिक के पैकेज में कंपनी के सीईओ के रूप में काम मिला है। गूगल में जिन पांच व्यक्तियों को सबसे ज्यादा वेतन मिलता है। उसमें प्रभाकर राघवन का भी नाम है। वह सुंदर पिचाई के भरोसे बंद लोगों में गिने जाते हैं। पिछले साल उन्होंने 300 करोड रुपए के पैकेज में काम किया था। अब नए दायित्व में उनका पैकेज भी बढ़ना तय है।।

हिम्मत और पराक्रम से भरें हैं, मध्यप्रदेश पुलिस के सशक्त कदम हर मुसीबत से बड़े हैं - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन उज्जैन में कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को देश की आन्तरिक सुरक्षा, एकता, अखण्डता के लिये अपने प्राणों की आहुति देकर कर्त्तव्य-परायणता का अनूठा उदाहरण देने वाले शहीद पुलिसकर्मियों की स्मृति में पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। पुलिस देशभक्ति और जनसेवा के ध्येय वाक्य के साथ दिन-रात जनता की सेवा में तत्पर रहते हुए अपने प्राणों का उत्सर्ग कर देती है। ऐसे सभी बलिदानी पुलिसकर्मियों को मैं सैल्यूट करता हूं। पुलिसकर्मी देश की सेवाओं के संचालन में मदद करते हैं और देश की आन्तरिक सुरक्षा में सर्वोच्च योगदान देते हैं। कार्यक्रम में सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, सतीश मालवीय, महापौर उज्जैन मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति उज्जैन श्रीमती कलावती यादव सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

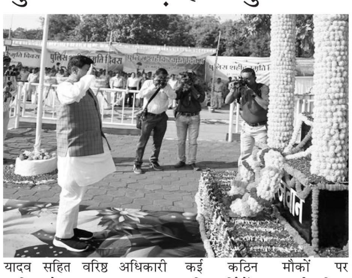

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कोरोना काल में कर्तव्य की वेदी पर पुलिस के जवान मुस्तैदी से तैनात रहे। पुलिसकर्मियों के इस अद्वितीय योगदान का स्मरण करते हुए देश-प्रदेश गौरवान्वित महसूस करता है। कोरोना काल में पुलिसकर्मियों, स्वास्थ्यकर्मियों व सफाईकर्मियों के उत्कृष्ट कार्य से देश की आबादी सुरक्षित रही। आजादी से लेकर आज तक ऐसे कई कठिन मौकों पर पुलिसकर्मियों द्वारा अपनी भूमिका को सार्थक सिद्ध किया है। उन्होंने कहा कि 卐हिम्मत और पराक्रम से भरें हैं, आपके सशक्त कदम हर मुसीबत से बड़े हैं, आपके शौर्य को नमन, आपके प्रताप को प्रणाम है, आप हमारी शक्ति हैं, मध्यप्रदेश का अभिमान हैं।卐

कार्यक्रम में पुलिस जवानों द्वारा परेड प्रदर्शन कर वीर शहीदों को सलामी दी गई। परेड का नेतृत्व रक्षित निरीक्षक रणजीत सिंह ने किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव, जन-प्रतिनिधि और अधिकारियों ने पुष्प-चक्र अर्पित कर वीर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस दौरान वीर शहीद स्व. लालबहादुर सिंह, स्व. बलराम के परिजन को शॉल, श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने परेड कमांडर से परिचय प्राप्त किया।

आईजी संतोष कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस हमें उन वीर पुलिसकर्मियों की याद दिलाता है, जिन्होंने समाज और देश की रक्षार्थ प्राण न्यौछावर किये हैं। आज से 65 वर्ष पूर्व 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के बर्फीले क्षेत्र हॉटस्प्रिंग में 16 हजार फीट की ऊंचाई पर चीन की सशस्त्र सेना के साथ मुठभेड में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की पेट्रोलिंग पार्टी के 10 जवानों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था। तब से प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है।

सारे इंजीनियर्स को किसने कह दिया गधा...जिस पर खड़ा हो गया विवाद

भोपाल। भोपाल के रवीन्द्र भवन में दो दिवसीय इंडियन रोड कांग्रेस का सेमिनार खत्म हो गया। इस दौरान सड़क और पुल के निर्माण में आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल पर चर्चा हुई। लेकिन यहां गधा शब्द पर विवाद खड़ा हो गया। एक पैनलिस्ट ने गधा हम्माली शब्द का प्रयोग किया तब जबलपुर पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर ने आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि इंजीनियर्स को गधा मत बोलिए। इस विवाद से एक दिन पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सेमिनार का उद्घाटन किया था।

दरअसल पैनलिस्ट संजय श्रीवास्तव ने कहा कि सब चीज मॉनिटरिंग सपोर्ट से ही चल रही है। कैपेसिटी बिल्डिंग और ट्रेनिंग बहुत जरूरी है। हर साल रेफरेशन कोर्स होने चाहिए। रेगुलर इंप्लीमेंटेशन हो जाए, ये हो जाएगा। बाकी जगह हो रहा है ब्यूरोक्रेट्स रेगुलर बाहर जा रहे हैं। इंटरनेशनल लेवल पर घूम रहे हैं। मगर हमारे यहां सब गधे की तरह लगे हुए हैं। सारे इंजीनियर्स..कि सुबह साइट पर चले जाओ, शाम को वहां आ जाओ। इस पर जबलपुर पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर ने उन्हें तुरंत रोक कर कहा कि सर, गधा मत बोलिए। ये गलत है। उनकी बात पूरी होती इसके पहले ही एसके वर्मा ने उन्हें रोकते हुए कहा कि ये गलत बात है। इस वापस लीजिए।

एक दिन पहले केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा था कि मुख्यमंत्री यादव आपके यहां इंजीनियरिंग कॉलेज है। सड़क-पुल के डीपीआर चेक करने का काम उन्हें दीजिए। इससे उनका अनुभव भी बढ़ेगा और डीपीआर क्रॉस चेक हो जाएगी। इस विचार से ठीक अलग पैनलिस्ट श्रीवास्तव ने कहा कि आईआईटी के बच्चों को पढ़ाई छोड़कर रिसर्च में घुसा दिया है। जबलपुर पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर वर्मा ने भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के महासचिव एसके निर्मल से सड़कों के निर्माण में यूज होने वाले डामर को लेकर सवाल उठाए। चीफ इंजीनियर वर्मा ने कहा कि डामर की क्वालिटी को लेकर बहुत समस्या है। मुझे कहने में यह अच्छा नहीं लग रहा लेकिन, यह हकीकत है। आपने मंत्रालय से सर्कुलर निकाल दिया कि टेस्ट करके ठेकेदार एक्सपोर्ट वाला डामर उपयोग कर सकता है, लेकिन वह टेस्ट नहीं हो पाता, क्योंकि उस टेस्ट के लिए, हमारे पास कोई इंस्ट्रूमेंट ही नहीं है।

बांग्लादेश की निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन ने अमित शाह से भारत में रहने देने की अपील की

नई दिल्ली। बांग्लादेश की निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपील की है कि उन्हें भारत में ही रहने दिया जाए। नसरीन ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में अमित शाह को टैग करते हुए लिखा है, 卐प्रिय अमित शाह जी नमस्कार। मैं भारत में रहती हूं क्योंकि मुझे इस महान देश से प्यार है। पिछले 20 सालों से यह मेरा दूसरा घर रहा है लेकिन गृह मंत्रालय ने 22 जुलाई से मेरे निवास परमिट को आगे नहीं बढ़ाया है। मैं बहुत चिंतित हूं। अगर आप मुझे रहने देंगे तो मैं आपकी बहुत आभारी रहूंगी। हार्दिक शुभकामनाएं।卐 सांप्रदायिकता की कट्टर आलोचक रहीं तस्लीमा नसरीन 1994 से निर्वासित जीवन जी रही हैं। वह 1990 के दशक से ही अपने उपन्यासों की वजह से काफी चर्चा में रही हैं। बांग्लादेश में सांप्रदायिकता और महिला समानता पर अपने लेखन के कारण इस्लामी कट्टरपंथियों के निशाने पर रही हैं। कट्टरपंथियों की आलोचना और डर से उन्हें बांग्लादेश छोड़ना पड़ा था। इसके बाद वह यूरोप और अमेरिका चली गई थीं। बाद में 2004 में वह भारत आ गई और तब से यहां रह रही हैं। तस्लीमा ने 1994 में प्रकाशित अपने उपन्यास लज्जा के कारण साहित्यिक जगत में खूब चर्चा बटोरी थी। यह किताब 1992 के बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद की घटनाओं पर आधारित थी। इसमें बाबरी विध्वंस के बाद बंगाली हिंदुओं के खिलाफ हिंसा, रेप, लूटपाट और मर्डर के बारे में लिखी गई थी।

बेंगलुरु में भारी बारिश के कारण स्कूलों में छुट्टी...निचले इलाकों और सड़कों पर पानी भरा

बेंगलुरु। बेंगलुरु में बीतें दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ और कई निचले इलाकों और सड़कों पर पानी भर गया है। बेंगलुरु के उपायुक्त (शहरी) जगदीश जी. ने भारी बारिश के बीच सोमवार को स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों को बंद रखने का आदेश दिया है।

बेंगलुरु में एक सप्ताह के भीतर भारी बारिश के कारण स्कूल बंद करने के आदेश दूसरी बार दिए गए हैं। बारिश के बीच यात्री अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए जलमग्न सड़कों से गुजरे। शहर के कई स्थानों में पेड़ गिरने के कारण वाहनों का आवागमन प्रभावित हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने लिए बेंगलुरु में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। कलेक्टर ने कहा कि यह निर्णय एहतियाती उपाय और छात्रों के हित में लिया गया है। हालांकि, अन्य सभी डिग्री पाठ्यक्रम, स्नातकोत्तर कार्यक्रम, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग और आईटीआई खुले रहने वाले है। कॉलेजों के प्रमुखों और संबंधित व्यक्तियों को कॉलेजों में व्याख्यान आयोजित करते समय कुछ बिंदुओं पर विचार करने के लिए एक सामान्य निर्देश दिया गया है। यदि कमजोर, जीर्ण भवन हैं तो ऐसी इमारतों का उपयोग व्याख्यान के लिए नहीं किया जा सकता है। इस संबंध में, कॉलेजों के प्रमुखों को कॉलेज भवनों की अच्छी स्थिति पर ध्यान देना चाहिए और किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए उचित उपाय करने चाहिए, अधिकारियों ने कहा।

एहतियाती उपाय के रूप में, छुट्टी के कारण पढ़ाई के समय की कमी को शनिवार दोपहर या रविवार को अतिरिक्त कक्षाएं आयोजित करके पूरा किया जाता है। विद्यार्थियों के अभिभावकों, कॉलेज प्रमुखों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विद्यार्थी पानी वाले निचले इलाकों में न जाएं।

पीएफआई को नेटवर्क भारत ही नहीं विदेशों में फैला, 13 हजार हैं इसके सदस्य

संगठन धन इकट्ठा कर आतंकी गतिविधियों के लिए करता है इस्तेमाल

नई दिल्ली। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के नेटवर्क को लेकर ईडी समेत कई एजेंसियों की जांच में सामने आया है कि पीएफआई की जड़ें भारत के कई राज्यों के साथ विदेशों तक फैली हुई हैं। इसके पैसे के स्रोत को लेकर बड़ी जानकारियां हाथ लगी हैं। इस संगठन के खिलाफ जांच 2022 में शुरू हुई थी। इसका सिलसिला शुरू हुआ था दिसंबर 2020 से। तब ईडी ने कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया के महासचिव के ए रऊफ शेरिफ को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद पीएफआई के नेटवर्क के बारे में कई जानकारियां मिली थीं। यह संगठन भारत और विदेशों में धन इकट्ठा कर रहा है और देश में आतंकी गतिविधियों के लिए इसका इस्तेमाल कर रहा है।

चार साल की जांच के बाद ईडी द्वारा तैयार डोजियर में कई जानकारियां सामने आई हैं। इसमें दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, असम, जम्मू कश्मीर और मणिपुर में इसके सदस्य और ऑफिस होने की बात सामने आई है। ईडी के डोजियर के मुताबिक 2022 की जुलाई में संगठन द्वारा पीएम मोदी पर हमले का असफल प्रयास हुआ। इसके बाद इस पर गैरकानूनी गतिविधि अधिनियम के तहत प्रतिबंधित कर दिया था। इस संगठन के सिंगापुर और पांच खाड़ी देशों में कम से कम 13 हजार सदस्य हैं। यहां से अज्ञात लोगों से कैश लिया जाता है और हवाला के जरिए से भारत भेजा जाता है।

इन पैसों को ट्रस्टों और संबद्ध संस्थाओं के 29 बैंक खातों में जमा किया गया। पिछले कुछ साल में ईडी ने भारत से पीएफआई के 26 शीर्ष पदाधिकारियों को गिरफ्तार किया। इसके बाद उनकी संपत्ति और बैंक खातों को सीज कर दिया गया है।

ईडी के मुताबिक केरल के कन्नूर जिले के नारथ में एक हथियार प्रशिक्षण शिविर मिला था। यहां पर फिजिकल एजुकेशन क्लास के नाम पर पीएफआई कैडरों को विस्फोटकों और हथियारों के इस्तेमाल की ट्रेनिंग दी जा रही थी। पीएफआई और उसके सहयोगियों द्वारा अब तक 94 करोड़ से अधिक रुपए जुटाने की बात सामने आई है। ईडी ने 57 करोड़ रुपये की 35 संपत्तियों को आपराधिक आय बताया है। पीएफआई खुद को एक सामाजिक आंदोलन के रूप में पेश करता है। साक्ष्य बताते हैं कि विरोध प्रदर्शनों का हिंसक तरीके से समर्थन करता है। ईडी ने बताया है कि पीएफआई ने खाड़ी देशों में रहने वाले मुस्लिम प्रवासियों के लिए जिला कार्यकारी समितियां बनाई हैं।

नर्मदा नदी के किनारे अवैध निर्माण हटाएगी मोहन सरकार

भोपाल। प्रदेश सहित देश की जीवन दायिनी नर्मदा नदी के किनारों का सेटेलाइट और ड्रोन से कैचमेंट सर्वेक्षण होगा। मोहन सरकार इसकी निगरानी भी करायगी। नर्मदा और उसकी सहायक नदियों का सीमांकन होगा। जहां अतिक्रमण हैं, वहां से अवैध निर्माण हटाए जाएंगे। साथ ही नर्मदा की सहायक नदियों को पुनर्जीवित करने का काम होगा। नर्मदा किनारे बसे धार्मिक स्थलों, अमरकंटक और ओंकारेश्वर को सेटेलाइट सिटी के रूप में विकसित करने योजना तैयार होगी। नर्मदा के किनारे बड़ी बिल्डिंग के निर्माण नहीं हो सकते हैं। इस काम का रिव्यू नवंबर के दूसरे सप्ताह में होगा। इसके लिए 11 विभागों की जिम्मेदारी तय की गई है। मोहन सरकार ने सितंबर में इस लेकर मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में फैसला किया था। इस समिति में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के अलावा डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहाद पटेल, परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह, पीएचई मंत्री संपतिया उइके और वन मंत्री राम निवास रावत शामिल हैं।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से शिकायत कर विजयपुर विधानसभा क्षेत्र के

कराहल जनपद सीईओ अशोक शर्मा का अन्यंत्र स्थानांतरण करने की मांग की

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जे.पी. धनोपिया ने चुनाव आयोग को उक्त संबंध में शिकायत पत्र लिखकर बताया है कि प्रदेश में सीहोर जिले की बुधनी विधानसभा और श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा में उप चुनाव की घोषणा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा की गई है, जिसके चलते इन जिलों में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है और 13 नवम्बर, 2024 को मतदान होना नियत है। विजयपुर विधानसभा क्षेत्र विजयपुर में प्रदेश सरकार के मंत्री रामनिवास रावत जो कि विजयपुर से भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे है, उन्होंने विधानसभा चुनाव में लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से अशोक शर्मा सीईओ को जनपद कराहल विधानसभा क्षेत्र विजयपुर में पदस्थ करा लिया गया है, जबकि अशोक शर्मा विजयपुर विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम आरोद के निवासी हैं, जो कि नियम विरूद्ध है। श्री शर्मा पूर्व में हुये विधानसभा चुनावों में भी वे इसी क्षेत्र में पदस्थ थे, उस समय स्थानीय भाजपा नेताओं द्वारा निर्वाचन आयोग को शिकायत कर उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित करा दिया गया था। श्री धनोपिया ने बताया कि अशोक शर्मा, सीइओ जनपद कराहल विधानसभा क्षेत्र विजयपुर के स्थानीय निवासी होने के आधार पर उनका चुनाव प्रक्रिया के दौरान पदस्थ रहना प्रतिबंधात्मक है। इस संबंध में विभिन्न समाचार पत्रों में विस्तृत समाचार प्रकाशित हुए है। वन मंत्री रामनिवास रावत के सबसे खास एवं विश्वसनीय तथा नजदीकी अधिकारी को अपने चुनाव में लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से पदस्थ कराया जाना आचार संहिता का खुला उल्लंघन है। श्री धनोपिया ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को प्रेषित शिकायती पत्र में अशोक शर्मा, सीइओ जनपद कराहल विधानसभा क्षेत्र विजयपुर को तत्काल विधानसभा क्षेत्र विजयपुर से अन्यत्र स्थानांतरित किये जाने की मांग की है, ताकि आगामी 13 नवम्बर को सम्पन्न होने वाले विधानसभा उप चुनाव का मतदान स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न हो सके।

शराब की अवैध बिक्री को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा - उप मुख्यमंत्री देवड़ा

अपराध पर हो कड़ाई से कार्रवाई : आबकारी विभाग को 16 हजार करोड़ रूपये का राजस्व लक्ष्य

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि मध्यप्रदेश में शराब की अवैध बिक्री सख्ती से रोक लगाई जाए साथ अपराध पर कड़ी कारवाई की जानी चाहिए। देवड़ा ने सोमवार को भोपाल स्थित पर्यावरण अध्ययन संस्थान (इप्को) में आयोजित नवीन आबकारी नीति/आबकारी व्यवस्था वर्ष 2025-26 के निर्धारण के संबंध में मदिरा की फुटकर बिक्री की दुकानों के लायसेंसियों की कार्यशाला में कही। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने आसवक एवं देशी/विदेशी मदिरा विनिर्माताओं एवं बार-लायसेंसियों के साथ भी बैठक की। श्री देवड़ा ने वाणिज्यक कर विभाग की उपलब्धियों को लेकर भी चर्चा की।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि उनका कर्तव्य है कि अधिकारी अपने मुख्यालय पर रहकर कार्यों के प्रति सजग रहें। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में मदिरा का अवैध परिवहन ना हो तथा अपराधियों के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। प्रदेश में शराब के अवैध कारोबार पर पैनी नजर रखी जाएगी और जहां भी अवैध कारोबार या कालाबाजारी की सूचना मिलती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार को राजस्व देने में वाणिज्यकर विभाग का महत्वपूर्ण योगदान है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में आबकारी विभाग का राजस्व लक्ष्य 16 हजार करोड़ रूपये है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी के समन्वित प्रयास से यह लक्ष्य भी हम प्राप्त कर लेंगें।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा निरंतर नए-नए नवाचार किये जा रहे हैं। विभिन्न राज्यों की आबकारी नीति का अध्ययन किया जा रहा है। उनकी अच्छाईयों को प्रदेश की आबकारी नीति में सम्मिलित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नीति तभी ठीक होगी जब अनुभवी लोगों से बात की जायेगी। कार्यशाला में प्रदेश के मदिरा व्यावसायियों एवं ठेकेदारों द्वारा उप मुख्यमंत्री को अपनी समस्या से भी अवगत कराया गया। उप मुख्यमंत्री देवडा ने कहा कि अगर समस्या है तो उसका समाधान भी सरकार करेगी। कठिनाईयों को दूर किया जायेगा। सरकार बहुत सजग है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों का निर्देश दिये कि प्रदेश के शराब व्यावसायियों की समस्या को हल करने का प्रयास करें। श्री देवड़ा ने कहा कि प्रदेश के राजस्व प्राप्ति में आबकारी विभाग का अहम भागीदारी रहती है।

कार्यशाला में उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि आबकारी विभाग के द्वारा ई-आबकारी पोर्टल के माध्यम से लायसेंसियों को अनेक सुविधाएं प्रदान की गई हैं, जिससे अधिक पारदर्शिता के साथ कार्य सम्पादित किये जा रहें हैं तथा राजस्व में निरंतर वृद्धि हो रही है। लायसेंसी भी नियमानुसार अपनी दुकान एवं बार का संचालन करें, विभाग द्वारा किसी प्रकार की गड़बड़ी होने पर लायसेंसियों के विरूद्ध भी कार्यवाही की जावेगी।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि विभागीय अधिकारियों से अपेक्षा है कि आप सभी जनप्रतिनिधियों/मंत्रियों/विधायकों के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण करें एवं निराकरण के बाद संबंधित को अवगत भी कराया जाए। आबकारी अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन कर आबकारी अपराधों पर रोक लगाना हम सभी का दायित्व है।

न्यूजीलैंड का कमाल, लगातार 10 मैच हारने के बाद बनी वर्ल्ड चैंपियन

नई दिल्ली। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर पहली बार यह खिताब अपने नाम किया। भारत को मात देकर टूर्नामेंट का आगाज करने वाली न्यूजीलैंड की टीम ने अपने खेल से सभी को चौंका दिया। इस जीत की खास बात यह है कि न्यूजीलैंड की टीम ने टूर्नामेंट में शामिल होने से पहले लगातार 10 टी20 इंटरनेशनल मैचों में हार का सामना किया था। लेकिन सोफी डिवाइन की कप्तानी में इस टीम ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए सभी आलोचनाओं को झुठलाते हुए आलोचकों के मुंह में ताला लगा दिया। न्यूजीलैंड की महिला टीम ने वह कर दिखाया जो पहले न्यूजीलैंड के पुरुष टीम के लिए भी संभव नहीं हो पाया। इस टीम की इस ऐतिहासिक जीत में अमेलिया केर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिन्होंने किसी एक टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया। वहीं, सूजी बेट्स ने मिताली राज के सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर न्यूजीलैंड ने अपनी स्थिति मजबूत की। यह जीत और भी विशेष है क्योंकि विश्व कप में खेलने से पहले न्यूजीलैंड को इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे मजबूत विपक्षियों के खिलाफ 10 लगातार हार मिली थीं। पहले इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 4-1 से हराया, फिर 5-0 से सूपड़ा साफ किया, और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी तीन मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप किया।

हालांकि, न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ अपने पहले मैच में जीत हासिल कर एक नई शुरुआत की। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बावजूद टीम ने जबरदस्त वापसी की, जिसमें श्रीलंका और पाकिस्तान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। वेस्टइंडीज को हराकर फाइनल का टिकट पक्का किया और अंततः साउथ अफ्रीका के खिलाफ जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया। इस प्रकार, न्यूजीलैंड

की महिला क्रिकेट टीम ने एक नया अध्याय लिखा है और महिला क्रिकेट में अपनी क्षमताओं को साबित किया है। उनकी यह जीत न केवल उनकी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है, बल्कि यह आने वाले समय में उनके लिए एक नई प्रेरणा भी बनेगी।

वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर सीरीज में श्रीलंका की बढ़त

पल्लेकेले । श्रीलंका ने वर्षा बाधित एकदिवसीय मुकाबले में देर रात वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन टीम की शुरुआत बेहद खराब रही।

वेस्टइंडीज की टीम ने अपने चार महत्वपूर्ण विकेट 100 रन के अंदर खो दिए। ब्रैंडन किंग (14), केसी कार्टी (37), ऐलेक ऐथनेज (10) और शे होप (5) सस्ते में आउट हो गए। इसके बाद शरफेन रदरफोर्ड (नाबाद 77) और रॉस्टन चेज (नाबाद33) ने साझेदारी कर पारी को संभाला और टीम को 38.3 ओवर में चार विकेट पर 185 रन तक पहुंचाया। बारिश के कारण मैच के ओवर घटा दिए गए थे। श्रीलंका की ओर से वानिंदु हसरंगा ने दो विकेट लिए। इसके बाद 186 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत भी खराब रही, महज 45 रन पर उनके तीन बल्लेबाज आउट हो गए। अविष्का फर्नांडो (5), कुसल मेंडिस (13) और सदीरा समरविक्रमा (18) जल्दी आउट हो गए। इसके बाद निशान मदुश्का (69) और कप्तान चैरिथ असलांका (77) ने पारी को संभाल कर महत्वपूर्ण साझेदारी की। असलांका ने 77 रनों की आक्रामक पारी में आठ चौके और तीन छक्के लगाए। इसके बदौलत श्रीलंका ने 31.5 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया। जतिन लियागे (18) और कामिंडु मेंडिस (नाबाद 30) ने अंत में टीम को जीत दिलाई। वेस्टइंडीज की ओर से गुडाकेश मोती ने तीन विकेट लिए, जबकि अल्जारी जोसेफ को दो सफलता मिली। श्रीलंका ने इस जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

रोहित शर्मा ने ऋषभ पंत की घुटने की सर्जरी और उनकी हालत पर जताई चिंता

बेंगलुरु। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने बेंगलुरु में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट के तीसरे और चौथे दिन ऋषभ पंत को विकेटकीपिंग से बाहर रखने के फैसले की वजह बताई। उन्होंने कहा कि हाल ही में पंत की दोनों घुटनों की सर्जरी हुई है, और उनकी स्थिति को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया था। रोहित ने कहा, ऋषभ की बड़ी घुटने की सर्जरी हो चुकी है, और हम सभी जानते हैं कि वह किस दौर से गुजर रहे हैं। यह निर्णय अतिरिक्त सतर्कता के तहत लिया गया है, क्योंकि हमें यह सुनिश्चित करना था कि वह पूरी तरह से ठीक हों। उन्होंने कहा, वह अभी भी आराम से दौड़ नहीं पा रहे थे, और बल्लेबाजी करते हुए भी उन्हें केवल गेंद को स्टैंड में भेजने का प्रयास करते देखा गया।

रोहित ने आगे कहा, उनकी कई छोटी सर्जरी हो चुकी हैं, और पिछले डेढ़ साल में वह काफी कठिन दौर से गुजरे हैं। इसलिए, विकेटकीपिंग के दौरान घुटनों पर जोर पड़ता है, और हमने सोचा कि उनकी तबियत के हिसाब से यह बेहतर रहेगा कि वह मैदान से बाहर रहें, जब तक वह पूरी तरह से ठीक न हो जाएं। इसके अलावा, रोहित ने पंत की मानसिकता पर भी चर्चा की और कहा, ईमानदारी से कहूं तो कोई नहीं जानता कि उसके दिमाग में क्या चल रहा है। वह खुद तय करता है कि उसे क्या करना है। हम उसका समर्थन करना चाहते हैं क्योंकि उसने हमेशा हमारे लिए अच्छे परिणाम दिए हैं। वह अपनी तरह से खेलना चाहता है, और हम उसे स्वतंत्र रूप से खेलने की अनुमति देते हैं।

गौरतलब है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन न्यूजीलैंड की पारी के 37वें ओवर में डेवन कॉन्वे को स्टंप करने का प्रयास करते वक्त गेंद पंत के दाहिने घुटने में लगी थी, जिससे वह मैदान से बाहर चले गए। पंत दर्द से कराहते हुए दिखाई दिए, और बाद में ध्रुव जुरेल को विकेटकीपिंग के लिए बुलाया गया। चौथे दिन पंत ने बल्लेबाजी की और तीन घंटे से अधिक समय तक बल्लेबाजी करते हुए 105 गेंदों पर 99 रन बनाए, हालांकि कई बार उन्हें लड़खड़ाते हुए भी देखा गया। इस दिन भी वह विकेटकीपिंग नहीं कर सके।

फिर चोकर्स साबित हुई दक्षिण अफ्रीका की टीम, इस बार महिला टी20 फायनल हारी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को एक बार फिर से चोकर्स की उपाधि से नवाजा गया है, जिसे वे बार-बार बड़े टूर्नामेंट्स में हार के बाद झेलते आए हैं। पिछले चार महीनों में साउथ अफ्रीका की पुरुष और महिला टीम दोनों के पास टी20 विश्व कप जीतने का मौका था, लेकिन दोनों ही बार वे फाइनल में हार गए। इस बार महिला टीम को न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा, जबकि पुरुष टीम भी भारत के खिलाफ हार कर चूकी थी।

दक्षिण अफ्रीका की टीम के लिए यह हार एक और निराशाजनक पल साबित हुई, क्योंकि उन्होंने दोनों बार शानदार खेल दिखाया था और सेमीफाइनल तक पहुंचने में सफल रहे थे। हालांकि, टूर्नामेंट के महत्वपूर्ण मैच में चोक करने के कारण वे विजेता बनने में सफल नहीं हो सके। महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 159 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए, साउथ अफ्रीका के शुरुआती तीन विकेट 70 रन पर ही गिर गए, और टीम अंत में 9

विकेट पर 126 रन ही बना सकी।

इससे पहले, जून में भारत के खिलाफ पुरुष टी20 विश्व कप फाइनल में भी साउथ अफ्रीका को हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में उन्हें 30 गेंदों पर 30 रन की जरूरत थी और 6 विकेट उनके पास थे, लेकिन भारत ने आखिरी 5 ओवर में मैच को पलट दिया और साउथ अफ्रीका की टीम हार गई। इस हार ने एक बार फिर से चोकर्स की उपाधि को साबित किया, जो साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम के लिए लंबे समय से एक कड़वी सच्चाई बन चुकी है। साउथ अफ्रीका की टीम हर बड़े टूर्नामेंट में सेमीफाइनल या फाइनल तक पहुँचने में सफल होती है, लेकिन निर्णायक मुकाबलों में वह जीत नहीं पाती। इस बार भी महिला और पुरुष दोनों ही टीमों के लिए यह टूर्नामेंट खिताब जीतने का सुनहरा मौका था, लेकिन दबाव में आकर वे हार गए। अब देखना होगा कि साउथ अफ्रीका इस चोकर्स के टैग को

7 खिलाड़ी सिंगल-अंक में आउट...शर्मनाक हार की ओर बढ़ रही बांग्लादेश

नई दिल्ली । ढाका में खेले जा रहे पहले टेस्ट में बांग्लादेश की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। पहली पारी में पूरी टीम सिर्फ 106 रन पर ढेर हो गई, और कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। बांग्लादेश के कुल 7 खिलाड़ी सिंगल-अंक पर आउट हो गए। इसके विपरीत, दक्षिण अफ्रीका की टीम अब इस कमजोर स्कोर के सामने बड़ी बढ़त हासिल करने के लिए तैयार है। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हौसेन शंतो ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन उनकी टीम घरेलू मैदान पर भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। टीम के सबसे सफल बल्लेबाज महमुदुल हसन जॉय रहे, जिन्होंने 30 रन बनाए। उनके साथी शदमन इस्लाम खाता भी नहीं खोल सके और शून्य पर आउट हो गए। अन्य बल्लेबाजों में मोमिनुल हक ने 4 रन, नजमुल हौसेन शंतो ने 7 रन, मुश्फिकुर रहीम ने 11 रन, लिटन दास ने 1 रन और मेहदी हसन मिराज ने 13 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, जहां कगिसो रबाडा ने 3 विकेट झटके। वियान म्लडर और केशव महाराज ने भी 3-3 विकेट अपने नाम किए, जबकि डेन पाइट ने 1 विकेट लिया। अब बांग्लादेश की टीम को अपनी गेंदबाजी में सुधार कर द.अफ्रीका को बड़ी बढ़त बनाने से रोकना होगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में बांग्लादेश की स्थिति पहले ही नाजुक है, और इस मैच में हार से बांग्लादेश के लिए और परेशानी खड़ी हो सकती है। हाल ही में उन्हें भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था, हालांकि इससे पहले उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ एक शानदार टेस्ट सीरीज जीत दर्ज की थी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में वाशिंगटन सुंदर की वापसी

मुंबई । भारतीय सीनियर पुरुष चयन समिति ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शेष टेस्ट श्रृंखला के लिए ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भारतीय टीम में शामिल किया है। सुंदर इस समय रणजी ट्रॉफी मैच में दिल्ली के खिलाफ तमिलनाडु के लिए खेल रहे हैं, जहां उन्होंने पहले ही मैच की पहली पारी में 152 रन बनाए और दो विकेट भी लिए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सुंदर पुणे में 24 अक्टूबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे। 25 वर्षीय सुंदर ने 2021 में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था और अब तक चार टेस्ट मैच खेल चुके हैं। उनकी आखिरी टेस्ट उपस्थिति 2021 में अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में हुई थी। सुंदर ने चार टेस्ट मैचों में 265 रन बनाए हैं और छह विकेट भी लिए हैं। भारतीय टीम को बेंगलुरु में न्यूजीलैंड से पहले टेस्ट में आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। यह 1988 के बाद (36 वर्षों के बाद) भारत में न्यूजीलैंड की पहली टेस्ट जीत थी, और भारतीय धरती पर न्यूजीलैंड की 37 टेस्ट मैचों में तीसरी जीत थी। टीम में पहले से ही तीन स्पिनर मौजूद हैं, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, और कुलदीप यादव। संभावना है कि पुणे में होने वाले दूसरे टेस्ट में सुंदर इनमें से किसी एक की जगह टीम में शामिल होंगे। हालांकि, भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टीम पर विश्वास जताया है और कहा कि इस तरह के खेल होते रहते हैं। उन्होंने कहा, हम सकारात्मक चीजें लेंगे और आगे बढ़ेंगे। ऐसे लोग हैं जो पहले भी इस स्थिति में रहे हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए भारत की टीम - रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मो. सिराज, आकाश दीप, वाशिंगटन सुंदर।

नाओमी ओसाका ने बिली जीन किंग कप फाइनल्स से नाम वापस लिया

टोक्यो। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने सोमवार को ऐलान किया कि वह अगले महीने स्पेन में होने वाले बिली जीन किंग कप के फाइनल्स में हिस्सा नहीं लेंगी। ओसाका ने एक मीडिया चैनल से बातचीत करते हुए कहा, मैंने इस साल कई टूर्नामेंट खेले हैं, और यह निर्णय मेरे लिए बहुत कठिन था कि मैं इस टूर्नामेंट और बिली जीन किंग कप में भाग नहीं ले पाऊंगी।

उन्हें हाल ही में पीठ में चोट लगी थी, जो अक्टूबर में चीन ओपन के दौरान कोको गॉफ के खिलाफ मैच के दौरान हुई थी। इस चोट के चलते उन्हें मैच बीच में ही छोड़ना पड़ा और इसके बाद उन्होंने जापान में होने वाले टूर्नामेंट्स से भी नाम वापस ले लिया, जिनमें पैन पैसिफिक ओपन भी शामिल है, जो सोमवार से शुरू हो रहा है।

पाकिस्तान के इन स्टार खिलाड़ियों को बाहर कर सकता हैं पीसीबी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के स्टार क्रिकेटर बाबर आजम और शाहीन अफरीदी को आगामी जिम्बाब्वे दौरे से आराम दिया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के चयनकर्ता जिम्बाब्वे सीरीज के लिए वरिष्ठ खिलाड़ियों को आराम देकर युवा खिलाड़ियों को मौका देना चाहते हैं। इस फैसले के तहत, मोहम्मद रिजवान और नसीम शाह जैसे खिलाड़ी भी सीरीज से बाहर हो सकते हैं।

हालांकि, इस समय तक बाबर और अफरीदी सहित इन खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए चुनने की संभावना है। पाकिस्तान को जिम्बाब्वे में तीन टी20 और तीन वनडे मैच खेलने हैं। पहला वनडे 24 नवंबर से शुरू होगा। जिम्बाब्वे दौरे से पहले, पाकिस्तान का ऑस्ट्रेलिया के साथ भी तीन वनडे और तीन टी20 मैचों का कार्यक्रम है, यह दौरा 4 नवंबर से शुरू होगा और अंतिम टी20 18 नवंबर को खेला जाएगा।

पाकिस्तान क्रिकेट इनदिनों उथल-पुथल से गुजर रहा है, क्योंकि टी20 विश्व कप और टेस्ट क्रिकेट में नतीजे टीम के पक्ष में नहीं हैं। इसकारण टीम प्रबंधन और नेतृत्व में कई बदलाव किए गए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में हार के बाद, बाबर, अफरीदी, नसीम शाह और सरफराज अहमद को बाहर का रास्ता दिखाया गया। नई चयन समिति ने साहसिक निर्णय लेकर इन स्टार खिलाड़ियों को बाहर किया और इसका सकारात्मक परिणाम भी सामने आया, क्योंकि पाकिस्तान ने दूसरा टेस्ट जीतने में सफल हो गई। अब चयनकर्ता जिम्बाब्वे दौरे को घरेलू खिलाड़ियों को मौका देने का एक बेहतरीन मौका मानते हैं, ताकि अच्छे प्रदर्शन वाले युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह बना सकें। यह सीरीज पाकिस्तान क्रिकेट में प्रतिभाओं को निखारने और आने वाले समय में टीम की मजबूती के लिए एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है।

नई गेंद ने मैच का रुख बदला - सबा करीम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम की हालिया हार की हर ओर समीक्षा हो रही है, जिसमें बल्लेबाजी और कप्तानी पर उंगलियां उठाई जा रही हैं। लेकिन इस पूरे परिदृश्य में, पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान में कमेंटेटर सबा करीम ने एक अनोखा नजरिया पेश किया है। उनका मानना है कि भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत द्वारा मारे गए एक लंबे छक्के ने मैच का रुख ही बदल दिया। आप सोच रहे होंगे कि यह बयान क्यों दिया गया। इसके पीछे की कहानी यह है कि जब न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने दूसरी नई गेंद ली, तब भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत और सरफराज खान क्रीज पर अच्छी लय में थे और तेजी से रन बना रहे थे। उस समय गेंद स्विंग कर रही थी, लेकिन रन भी आसानी से बन रहे थे।

87वें ओवर में पंत ने एक बड़ा स्लॉग स्वीप खेला और गेंद को मैदान के बाहर पहुंचा दिया। इसके बाद गेंद ढूंढ़ने में समय लगा और नई गेंद मैदान में लाई गई। यहीं से मैच का रुख बदल गया।

नई गेंद ने बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें खड़ी कर दीं और पिच पर अचानक से हलचल नजर आने लगी। नई गेंद के आते ही भारतीय बल्लेबाजी की कमर टूट गई। पिच पर जो पहले सपाट नजर आ रही थी, अब वह ज्यादा खतरनाक लगने लगी। इस बदलाव का असर यह हुआ कि भारतीय टीम अपने अंतिम 7 विकेट मात्र 54 रन पर खो बैठी।

सबा करीम ने इसे और स्पष्ट करते हुए एक उदाहरण भी दिया। उन्होंने इसी साल चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेले गए एक मैच का जिक्र किया, जहां अंतिम ओवर में महेंद्र सिंह धोनी ने एक लंबा छक्का मारा था, जिससे गेंद मैदान से बाहर चली गई थी। गेंद बदलने के बाद धोनी अगली ही गेंद पर आउट हो गए और चेन्नई जीतते-जीतते मैच हार गई। सबा करीम के इस तर्क से यह साफ होता है कि गेंद बदलने का असर खेल पर गहरा हो सकता है, और इसका नतीजा कभी-कभी चमत्कारी रूप में सामने आता है।

चौथी नेशनल डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट चैंपियनशिप में सातवें दिन बने कई रिकॉर्ड

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान एवं डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट कौंसिल के संयुक्त तत्वावधान में हो रही चौथी नेशनल डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट चैंपियनशिप का सातवां दिवस कई रिकॉर्ड बनाने वाला रहा। नारायण सेवा संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने जीतने वाली टीमों को प्रोत्साहित कर कहा, खेलों से हमें स्वयं को साधने की शक्ति मिलती है। जीतने वाले पुरस्कार का वरण करते हैं और उप विजेता अनुभव का। सोमवार को शहर के चार मैदानों पर 8 मुकाबले हुए। पहले मैच में उड़ीसा और विदर्भ के बीच हुआ, इसमें उड़ीसा ने पहले बल्लेबाजी 210 का विशाल स्कोर बनाया। लक्ष्य हासिल करने उतरी विदर्भ 173 रन बनाकर ऑल आउट हो गई, और उड़ीसा 37 रन से विजयी रहा।

दीपिका कुमारी ने विश्व कप फाइनल में पांचवां रजत पदक जीता

टिलेक्सकला। भारत की शीर्ष रिकर्व तीरंदाज दीपिका कुमारी ने विश्व कप फाइनल में पाँचवां रजत पदक जीत लिया है। वे चीन की लि जियामैन से 0.6 अंक से हार गईं। दिसंबर 2022 में बेटी के जन्म के बाद दीपिका ने विश्व कप फाइनल में वापसी की थी, और यह दीपिका का नौवीं बार था, जब उन्होंने विश्व कप फाइनल खेला। दीपिका को

फाइनल में तीसरी वरीयता मिली थी और सेमीफाइनल तक उन्हें कोई परेशानी नहीं आई। हालांकि, स्वर्ण पदक के मुकाबले में उन्हें चीन की लि जियामैन से हार का सामना करना पड़ा, जिन्होंने पेरिस ओलंपिक में टीम स्पर्धा का रजत पदक जीता था। दीपिका ने पहले सेट में एक अंक से (26-27) हारने के बाद दूसरे सेट में वापसी की, लेकिन तीसरे सेट में चीनी खिलाड़ी लि ने 27-25 से जीत दर्ज की। भारत के लिए विश्व कप फाइनल में एकमात्र स्वर्ण पदक डोला बनर्जी ने 2007 में दुबई में जीता था। पुरुषों के रिकर्व वर्ग में धीरज बोम्मादेवरा ने पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के ली वू सियोक के खिलाफ पहले दौर में 4.2 अंक से बढ़त बनाई थी, लेकिन बाद में उन्हें 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय दल में तीन कंपाउंड और दो रिकर्व तीरंदाज शामिल थे। भारत की झोली में केवल एक पदक आया, जो दीपिका कुमारी ने हासिल किया।

आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन को लेकर जद्दोजहद शुरु

सऊदी अरब में हो सकता है : तारीखों में टकराव और ब्रॉडकास्टर पर प्रभाव

नई दिल्ली। भारतीय प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन की तैयारी जोर-शोर से चल रही है और इस बार का मेगा ऑक्शन विशेष रूप से चर्चा का विषय बन गया है। खिलाड़ी के टीमों में बदलाव और नई संभावनाओं की खोज में आईपीएल के मेगा ऑक्शन का अहम स्थान है। फैंस और खिलाड़ियों की उत्सुकता इस बार इसलिए बढ़ी है क्योंकि यह अनुमान लगाया जा रहा है कि मेगा ऑक्शन सऊदी अरब में आयोजित किया जा सकता है।

सऊदी अरब में मेगा ऑक्शन

हालिया रिपोर्टों के अनुसार, आईपीएल 2025 का मेगा ऑक्शन सऊदी अरब में हो सकता है, और इसके लिए रियाद और जेद्दा जैसे प्रमुख शहरों के नाम सामने आए हैं। हालांकि, इस पर बीसीसीआई ने अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। बीसीसीआई का मानना है कि सऊदी अरब में मेगा ऑक्शन आयोजित करने से आईपीएल की वैश्विक पहुंच में वृद्धि हो सकती है, जिससे इसका प्रमोशन और भी बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। वहीं, आईपीएल फ्रेंचाइजीज़ चाहती हैं कि यह आयोजन भारत में ही हो, ताकि भारतीय फैंस अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को लाइव देख सकें। इस सिलसिले में बीसीसीआई ने पहले ही सऊदी अरब में अधिकारियों को भेजा है ताकि वहां के लॉजिस्टिक्स और स्थानों का जायजा लिया जा सके।

तारीखों में टकराव

रिपोर्ट्स के अनुसार, मेगा ऑक्शन की संभावित तारीखें 25 से 26 नवंबर के बीच हो सकती हैं। इस समय भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर सीरीज का पहला टेस्ट मैच भी खेला जाएगा, जो 22 से 26 नवंबर तक आयोजित होगा।

इस प्रकार, अगर दोनों इवेंट्स की तारीखें एक साथ होती हैं, तो यह एक बड़ी चुनौती बन सकती है, खासकर ब्रॉडकास्टर के लिए।

ब्रॉडकास्टर पर प्रभाव

यदि मेगा ऑक्शन और टेस्ट मैच की तारीखें टकराती हैं, तो इसका सीधा असर डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर पड़ेगा, जो दोनों इवेंट्स का प्रसारण कर रहा है। पिछले वर्षों में आईपीएल की नीलामी को लाखों लोग लाइव देख चुके हैं, और ऐसे में अगर दोनों इवेंट्स एक ही समय पर होते हैं, तो ब्रॉडकास्टर के लिए दर्शकों का ध्यान बांटना मुश्किल हो सकता है। इससे आर्थिक नुकसान भी हो सकता है, क्योंकि ब्रॉडकास्टर का मुख्य उद्देश्य अधिकतम दर्शकों तक पहुंचना है।

आईपीएल मेगा ऑक्शन का महत्व

आईपीएल का मेगा ऑक्शन हर साल एक खास इवेंट होता है, जिसमें खिलाड़ी नए टीमों में शामिल होते हैं और नई प्रतिभाओं का उभार होता है। यह अवसर खिलाड़ियों के लिए भी खास होता है, क्योंकि यह उनके करियर की दिशा तय कर सकता है। आईपीएल 2025 का मेगा ऑक्शन कई कारणों से खास है, सऊदी अरब में इसका संभावित आयोजन, तारीखों का टकराना और ब्रॉडकास्टर पर इसका असर, ये सभी पहलू इस मेगा ऑक्शन को और भी रोमांचक बनाते हैं। अब, बीसीसीआई और अन्य संबंधित पक्षों से जल्द ही और जानकारी की उम्मीद है, जो फैंस और खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण होगी। इस बार का मेगा ऑक्शन निश्चित रूप से एक यादगार इवेंट होगा और सभी की नजरें इस पर टिकी रहेंगी।

कर्तव्य के दौरान शहीद हुए अमर जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। अपने कर्तव्य के दौरान शहीद हुए परमवीरों की शौर्यगाथा को याद कर उन्हें श्रद्धाजंलि देने के लिए गुरुवार को पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन गया। स्थानीय पुलिस लाइन में आयोजित इस कार्यक्रम में शहीद स्मारक स्थल पर पुलिस व जन शहीदों को श्रद्धाजंलि दी गई। वही शहीदों के परिजनों को शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुवात अतिथियों के आगमन से हुई। इसके बाद अपने कर्तव्य के दौरान शहीद हुए पुलिस जवानों के नाम का पाठन कर उन्होंने श्रद्धाजलि दी गई। आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक नागेंद्र सिंह ने शहीद नामावली सूची का पाठन किया जिसके उपरांत,अमर शहीद जवानों को शोक परेड में शामिल परेड जवानों ने शोक बैड की धुन पर अपने अनोखे अंदाज में सलामी देकर श्रद्धाजंलि दी,जिसके उपरांत कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों, शहीदों के परिजनों और उपस्थितजनो ने बारी बारी से शहीद स्मारक स्थल पर पहुचकर अमर जवान ज्योति पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रृद्धांजलि दी।वहीं कार्यक्रम के अंत मे शहीदों के परिजनों का शाल श्रीफल व पुष्प गुच्छा देकर सम्मानित किया गया।

1959 से मनाया जा रहा शहीद पुलिस स्मृति दिवस

बताया गया कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख में देश की सुरक्षा की प्रथम पंक्ति में तैनात केरिपुबल के एक छोटे से गश्ती दल पर चीनी सेना द्वारा भारी संख्या में घात लगाकर हमला किया गया था। इस लड़ाई में 10 केरिपुबल के रण बांकुरो ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। तब से सुरक्षा में लड़ते हुए रणबांकुरों शहीद पुलिस एवं जनशहीदों की याद में प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है, इसी के तहत पुलिस लाईन स्थित शहीद स्मारक स्थल पर शहीद स्मृति दिवस मनाया गया।

शहीदों के परिजनों की हर सम्भव मदद की जाएगी

कार्यक्रम के बाद पुलिस अधिकारियों ने शहीदों के परिजनों से व्यक्तिगत भेंट की और शहीदो के परिजनों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। देश की आंतरिक सुरक्षा में शहीद पुलिस जवानों की याद में प्रति वर्ष मनाए जाने वाले पुलिस स्मृति दिवस के इस अवसर पर सांसद भारती पारधी, विधायक मधु भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, नपाध्यक्ष भारती ठाकुर, पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, समाजसेवी अभय सेठिया, ऋषभ वैद्य, कलेक्टर मृणाल मीणा, पुलिस अधीक्षक नगेन्द्रसिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ सेनानी 123 वीं बटालियन सीआरपीएफ श्रीमती तेजेन्दर कौर सहित अन्य प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

सरेंडर पॉलिसी अपनाकर मुख्यधारा में वापस लौटे नक्सली-संजय सिंह

पुलिस स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान पुलिस महानिरीक्षक संजय कुमार ने कहा कि शासन द्वारा नक्सलियों के लिए सरेंडर पॉलिसी घोषित की गई है, जो काफी अच्छी है। जो भी भ्रमित होकर नक्सली विचारधारा से जुड़ा है, हमारी उनसे अपील है कि वह नक्सली रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटे।

आस्था है तो भगवान समाधान भी निकालते हैं-सीजेआई

पुणे। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि जब मेरे सामन अयोध्या विवाद आया और कोई रास्ता नहीं सूझा तो भगवान से सामने बैठा और प्रार्थना की,अंततः समाधान निकल गया। मतलब यदि आपके पास आस्था है तो भगवान समाधान भी निकाल देते हैं। सीजेआई पुणे के खेड़ तालुका में अपने पैतृक गांव कन्हेरसर के निवासियों को संबोधित कर रहे थे, जहां उनका सम्मान किया गया। सीजेआई चंद्रचूड़ ने आगे कहा कि मैं भगवान के सामने बैठा और उनसे कहा कि आपको कोई समाधान खोजना होगा। यह कहते हुए कि वह नियमित रूप से पूजा करते हैं, सीजेआई ने कहा, मेरा विश्वास करें, यदि आप में आस्था है, तो भगवान हमेशा कोई रास्ता निकाल लेंगे। 9 नवंबर, 2019 को, भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करके एक विवादास्पद मुद्दे का निपटारा किया जो एक सदी से भी अधिक पुराना था। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, अक्सर हमारे पास मामले होते हैं, लेकिन हम समाधान तक नहीं पहुंचते। अयोध्या (राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद) के दौरान भी कुछ ऐसा ही हुआ था, जो तीन महीने तक मेरे सामने था। बेंच ने यह भी फैसला दिया था कि अयोध्या में ही वैकल्पिक पांच एकड़ के भूखंड पर एक मस्जिद बनेगी। सीजेआई चंद्रचूड़ उस पीठ का हिस्सा थे जिसने ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। संयोग से, सीजेआई ने इस साल जुलाई में अयोध्या में राम मंदिर का दौरा किया था और पूजा की थी। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम इस साल जनवरी में किया गया था, जिसमें पीएम मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ समेत तमाम लोग शामिल हुए थे।

शहीद अशफाक उल्ला खां की जयंती आज

नगर के वार्ड नंबर 8 से शहीद अशफाक उल्ला खां गार्डन लापता

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। अंग्रेजी हुकूमत से देश को आजाद कराने में अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानी शहीद अशफाक उल्ला खां को न सिर्फ नगर वासियों द्वारा भुला दिया गया है बल्कि नगर पालिका परिषद ने भी शहीद अशफाक उल्ला खां से जुड़ी यादों को मिटाने में अपनी अहम भूमिका निभाई है। शायद यही वजह है कि लगभग 24 वर्ष पूर्व नगर के वार्ड नंबर 8 मरारी टोला में शहीद अशफाक उल्ला खां की याद में बनाया गया सर्व सुविधा युक्त गार्डन आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है जहां ना सिर्फ गार्डन का अस्तित्व मिट चुका है बल्कि अब वार्डवासी इस उद्यान का उपयोग वाहन पार्किंग के रूप में करने लगे हैं। अमर शहीद की याद में बनाया गया यह बाल उद्यान अब नेताओं और जनप्रतिनिधियों के लिए महज एक चुनावी मुद्दा बनकर रह गया है वहीं नगर पालिका के उदासीन रवैए के चलते गार्डन अपना अस्तित्व खो चुका है जहां स्थानीय निवासियों द्वारा पुनः इस स्थान पर गार्डन बनाए जाने की मांग की गई है।

जन्म जयंती पर भी याद नही किए जाते शहीद

आपको बताए कि अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लोहा लेने वाले शहीद अशफाक उल्ला खां का जन्म 22 अक्टूबर 1900 को शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश में हुआ था. जिन्होंने 16 वर्ष की उम्र में ही अंग्रेजो के खिलाफ बगावत शुरू कर दी थी और अंग्रेजो के खिलाफ हुए काकोरी कांड में उन्होंने अपनी अहम भूमिका निभाई थी। जिस पर अंग्रेजी हुकूमत ने उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। जिसके चलते महज 27 साल की उम्र में 19 दिसंबर 1927 को फैजाबाद की जेल में उन्हें फांसी पर लटकाकर उन्हें शहीद कर दिया था।जिनकी आज जन्म जयंती है। देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीद को नगर वासियों ने भुला दिया है ना तो उनकी जन्म जयंती पर इन्हें याद किया जाता है और ना ही उनके नाम से बनाई गई निशानी को संजोकर रखा गया है।बल्कि उनके नाम से जिलेभर में बनाई गई एकमात्र निशानी को भी निस्ता-नाबूत करने में किसी ने कोई कसर नहीं छोड़ी है।

शताब्दी वर्ष में कराया गया था गार्डन का निर्माण

ज्ञात हो कि स्वतंत्रता सेनानी शहीद अशफाक उल्ला खां के जन शताब्दी वर्ष 2000 में केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली से पूरे देश में शहीद अशफाक उल्ला खां की याद में स्मारक, गार्डन ,सभा मंच या लाइब्रेरी आदि का निर्माण कर उनकी याद को बरकरार रखने के लिए फंड जारी किया गया था। उस वक्त नगर के वार्ड नंबर 8 के पार्षद शमीम पटेल की अनुशंसा पर तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अनुभा मुंजारे ने नगर के वार्ड नंबर 8 में शहीद अशफाक उल्ला खां बाल उद्यान नाम से सर्व सुविधा युक्त गार्डन का निर्माण कराया था। उस वक्त लगभग 1लाख रु की लागत से बनाया गया यहा उद्यान, नगर पालिका और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के चलते अपना अस्तित्व खो चुका है और अब वीरान हो चुका। यहां गार्डन अब महज 15 अगस्त और 26 जनवरी में झंडा फहराने तक ही सीमित है।

गार्डन को उजाड़ने में सब ने निभाई अहम भूमिका

आज से लगभग 24 वर्ष पूर्व नगर के वार्ड नंबर 8 मरारी मौहल्ला गली में बनाए गए इस सर्व सुविधा युक्त बाल उद्यान को उजाड़ने में न केवल नगर पालिका ने बल्कि जनप्रतिनिधियों सहित अन्य ने अपना अहम योगदान दिया है।बताया जा रहा है कि जब इस गार्डन का निर्माण कराया गया था तब गार्डन के चारों ओर फेंसिंग कर एक बड़ा गेट लगाया गया था, जहां बच्चों व बुजुर्गों के बैठने के लिए कुर्सियाँ, तरह-तरह के फूल, विभिन्न प्रकार के पेड़ पौधे, बच्चों के खेलने के लिए घिसरन पट्टी, झूले, चकरी, पीने के पानी के लिए हैंडपंप की व्यवस्था सहित अन्य सुविधाएं पूर्ण कर सुसज्जित उद्यान का निर्माण कराया गया था।लेकिन नगर पालिका और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के चलते देखते ही देखते यह गार्डन उड़ने लगा और यहां रखा कुछ सामान जहा नगर पालिका के कर्मचारी ले गए तो वहीं कुछ सामान चोरों द्वारा चुरा लिया गया। वहीं अब गार्डन कि कुछ जगह में कुछ लोगों ने अपना कब्जा कर रखा है तो वहीं वार्ड के कई लोग इस उघान का उपयोग वाहन पार्किंग स्थल के रूप में कर रहे हैं।

महज चुनावी मुद्दा बन कर रह गया बाल उद्यान

बात अगर वीरान हो चुके शहीद अशफाक उल्ला खा बाल उद्यान की करें तो यह उघान नेताओं और जनप्रतिनिधियों के लिए महज एक चुनावी मुद्दा बनकर रह गया है प्रत्येक 5 वर्ष में होने वाले चुनाव में जहां एक ओर विभिन्न पार्टी के नेता वार्ड में आकर गार्डन का पून: निर्माण कर शहीद अशफाक उल्ला खा की यादों को संजोने का सपना दिखाते हैं तो वहीं दूसरी ओर नगर पालिका के चुनाव में खड़े होने वाले उम्मीदवार भी अपना मतलब साधने के लिए इस स्थान को चुनावी मुद्दा बनाते हैं और चुनाव जीतने के बाद इसे भुला देते हैं।

गार्डन का मिटा अस्तित्व, बना मैदान

लगभग 24-25 वर्ष पूर्व शहीद अशफाक उल्ला खां के नाम से यहां एक गार्डन बनाया गया था जहां बुजुर्गों के बैठने,बच्चों के खेलने की सुविधा की गई थी फेंसिंग कर तरह-तरह के पेड़ पौधे फूल आदि लगवाए गए थे।लेकिन अभी यहां गार्डन केवल नाम मात्र का गार्डन रह गया है चुनाव के समय ही नेताओं और जनप्रतिनिधियों को इस गार्डन की याद आती है जनप्रतिनिधियों और नगरपालिका की उदासीनता के चलते इस गार्डन का अस्तित्व मिट गया है यदि यहां गार्डन होता तो उसका लाभ वार्डवासियों को मिलता बच्चे सड़कों पर ना खेलते हुए गार्डन में खेलते जिससे हादसों में कमी आती लेकिन ऐसा नहीं हो सका और देखते ही देखते गार्डन का अस्तित्व मिट गया।जो मात्र एक मैदान नजर आ रहा है।

अगर ध्यान दें तो आज भी हालत में आ सकता है सुधार

शहीद अशफाक उल्ला खां के जन्म शताब्दी के उपलक्ष में केंद्र से सभी जिलों में पैसा आया था जहां तत्कालीन कलेक्टर द्वारा नगर पालिका को शहीद के नाम से कोई स्मारक या गार्डन आदि बनाने के लिए पैसे दिए गए थे उसी के तहत लगभग एक लाख रुपए की लागत से यहां शहीद अशफाक उल्ला खां बाल उद्यान का निर्माण कराया गया था लेकिन नगर पालिका की उदासीनता के चलते यह गार्डन समाप्त हो गया सिर्फ 15 अगस्त और 26 जनवरी में झंडा फहराने के काम में इस जगह का उपयोग किया जाता है गार्डन का पुनः निर्माण कराने की माग कई बार की जा चुकी है लेकिन संबंधित अधिकारियों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया है यदि नगरपालिका चाहे तो आज भी इसके हालात सुधार कर पुनः गार्डन का निर्माण कराया जा सकता है।

दोबारा गार्डन बनाना चाहिए -एजाज खान

इस पूरे मामले के संदर्भ में की गई चर्चा के दौरान मरारी मोहल्ला वार्ड नंबर 8 निवासी एजाज खान ने बताया कि गार्डन का निर्माण पूर्व पार्षद शमीम पटेल के समय में किया गया था जहां झूले घीसरन पट्टी सहित विभिन्न प्रकार की व्यवस्था की गई थी जिस पर नगर पालिका ने ध्यान नहीं दिया और गार्डन उजड़ गया। आसपास के लोग इस खाली मैदान का उपयोग वाहन पार्किंग के लिए करने लगे हैं। हमारी मांग है की गार्डन का दोबारा निर्माण कराया जाना चाहिए वही बच्चों के खेलने बुजुर्गों के बैठे सहित अन्य व्यवस्थाएं की जानी चाहिए।

राजनीति की भेंट चढ़ गया है गार्डन-पन्ना शर्मा

वही मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान पूर्व पार्षद पन्ना शर्मा ने बताया कि जब वे पार्षद थे तब उन्होंने इस गार्डन को संवारने के लिए काफी प्रयास किया था। लेकिन उनके आवेदन निवेदन का नगर पालिका में कोई असर नहीं हुआ। नगर पालिका ही उस गार्डन की बर्बादी की जिम्मेदार हैं। क्योंकि अब तक नगर पालिका ने इस गार्डन पर ध्यान नहीं दिया है और ना ही अब तक देखने की जहमत उठाई है। करीब 15 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी की नगर पालिका में सरकार है जो देशभक्त की बातें करती है लेकिन जिन्होंने देश को आजाद करके दिया उनके नाम के गार्डन तक को सवारकर नहीं रखा गया है। हमने कई बार आवेदन में पुनः गार्डन का निर्माण कराए जाने की मांग की है या फिर उस जगह पर आंगनवाड़ी भवन बनाने के लिए कहा था ताकि गार्डन की देखरेख भी हो सके लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हो सका आवेदन निवेदन का जिम्मेदारों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। कुल मिलाकर कहा जाए तो शहीद अशफाक उल्ला खान के नाम का यह गार्डन राजनीति की भेंट चढ़ गया है।

यदि वार्डवासी आवेदन करें तो गार्डन को दिया जाएगा पुनः स्वरूप - भारती ठाकुर

वही इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने बताया कि कर्मचारी भेजकर गार्डन की वस्तु स्थिति का पता लगाया जाएगा। यदि वार्डवासी चाहते हैं कि वहां गार्डन बने तो वह अपना आवेदन नगर पालिका में भेजे उनके इस प्रस्ताव को बैठक में लेकर गार्डन को पुनः स्वरूप देने का प्रयास किया जाएगा।

हिंदी साहित्य भारती ने मनाई वाल्मीकि जयंती

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। हिंदी साहित्य भारती की बालाघाट इकाई के द्वारा रविवार की शाम विवेक ज्योति कॉलेज ऑफ़ इंस्टीट्यूट के सभागार में रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई जिसमें जिले के नवोदित उभरते हुए कवि/साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम हिंदी साहित्य भारती के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र शुक्ल %सहज% के मुख्य आतिथ्य तथा श्रीमती लता एलकर (वरिष्ठ समाजसेवी एवं शिक्षाविद) की गरिमामयी अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामकुमार रामरिया (सेवानिवृत्त प्राचार्य), डॉ. रविन्द्र सोनवाने (सेवानिवृत्त व्याख्याता), महेंद्र सुराना (वरिष्ठ समाजसेवी), उज्ज्वल आमाडारे (पार्षद) मंच पर सुशोभित रहे।

दीप प्रज्वलित कर कि गई कार्यक्रम की शुरुआत

उधर कार्यक्रम के प्रथम सत्र का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ माँ सरस्वती के वंदन तथा महर्षि वाल्मीकि के पूजन से हुआ। तत्पश्चात हिंदी साहित्य भारती के ध्येय गीत का सस्वर मधुर गायन श्रीमती सविता अग्निहोत्री के द्वारा किया गया। मंचासीन सभी अतिथियों के स्वागत के उपरांत हिंदी साहित्य भारती जिला अध्यक्ष (जिला बालाघाट) अशोक सागर मिश्र के द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। प्रथम सत्र के व्याख्यान माला के अंतर्गत वाल्मीकि रामायण एवं सामाजिक समरसता विषय पर सभी प्रमुख अतिथियों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए गए।

इनका किया गया सम्मान

प्रथम सत्र के अंत में जिले की उदीयमान रचनाकारों को उनके उत्कृष्ट साहित्यिक अवदान तथा उपलब्धियों के लिए श्री भाऊराव महंत (युवा गीत/गज़लकार) को शब्द साधक तथा डॉ. प्रिया अवस्थी शर्मा शब्दिता (युवा कवयित्री) को शब्द साधिका सम्मान भेंट कर शॉल, श्रीफल एवं हिन्दी साहित्य भारती की पट्टीका प्रदान कर सम्मानित किया गया। श्रीमती अमिता गुप्ता द्वारा सधे एवं कुशल संचालन में प्रथम सत्र का समाहार किशोर छिपेश्वर द्वारा अतिथियों एवं आमंत्रित आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया। समारोह के द्वितीय सत्र में उपस्थित कवि/कवियत्रियों द्वारा अपनी-अपनी रचनाओं का वाचन किया । सत्र का सफल संचालन श्रीमती सरिता सिंघई कोहिनूर के द्वारा किया गया।

वनवास के कालखंड से सीख लेनी चाहिए- राजेन्द्र

मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र शुक्ल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वनवास के कालखंड में भगवान श्री राम ने वानर एवं भलूक वनवासियों के साथ जीवन यापन और मित्रवत व्यवहार किया। अहिल्या, शबरी एवं तारा के रूप में नारी के उत्थान एवं कल्याण के कार्य किये। उनकी निषादराज के साथ मित्रता तो जगविदित है ही। सबसे बड़ा कार्य श्री राम जी द्वारा उत्तर भारत एवं दक्षिण भारत के बीच भावनात्मक एकता स्थापित करने रामेश्वरम में शिवलिंग की स्थापना का रहा जिसकी वजह से आज उत्तर भारतीयों के लिये रामेश्वरम दक्षिण में तीर्थ हो गया तथा दक्षिण भारतीयों के लिये अयोध्या, काशी प्रयाग तीर्थ हो गये। ढ़ोल गँवार शूद्र पशु नारी ये सकल ताड़ना के अधिकारी चोपाई की सुंदर व्याख्या करते हुये उन्होने बताया कि ये सभी उचित देखरेख और सेवा के अधिकारी हैं। बिना देखरेख रखरखाव के ढ़ोल खराब हो सकता है, गँवार अर्थात मंद्बुद्धि व्यक्ति स्वयं या समाज का अहित कर सकता है अत: समाज उसकी उचित देखभाल कर उसे जीने का अधिकार प्रदान करे। इसी तरह शूद्र का अर्थ सेवक होता है जिसके जीवन यापन एवं सुख सुविधाओं का सम्पूर्ण दायित्व स्वामी का होता है। नारी की जैविक संरचना पुरुष से भिन्न होती है इसलिये उसकी रक्षा का कर्तव्य पुरुष का होता है। इसीलिये हमारे सनातन में अर्द्धनारिश्वर स्वरूप का उल्लेख है।

सम दृष्टि भाव के साथ करे काम- एलकर

कार्यक्रम की अध्यक्ष श्रीमती लता एलकर ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में कहा कि वनवास की अवधि में जहाँ लक्ष्मण जी द्वारा वन वासियों को सम दृष्टि भाव के साथ शस्त्र एवं शास्त्र में प्रशिक्षित एवं पारंगत किया वहीं माता सीता ने समस्त वनवासी नारियों के साथ समन्वय स्थापित कर लोकाचार की शिक्षा देकर उनकी जीवन शैली को श्रेष्ठ बनाया। भगवान श्री राम ने सभी कार्यों का निरीक्षण कर अधर्म से युद्ध करने एक शक्तिशाली सेना का निर्माण किया।

मोदी सरकार ने उड़ान योजना को 10 साल के लिए बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने अपनी क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना उड़ान को 10 साल के लिए और बढ़ाने की घोषणा कर दी है। यह योजना आठ साल पहले शुरू की गई थी, और अब तक इसके तहत 601 मार्ग और 71 हवाई अड्डे चालू हो चुके हैं। योजना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ावा देना और हवाई यात्रा को आम नागरिक के लिए अधिक किफायती बनाना है।

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बताया कि उड़ान योजना के माध्यम से क्षेत्रीय विमानन कंपनियों को अपने संचालन की शुरुआत करने और उनका विकास करने का मौका मिला है। साथ ही योजना ने रोजगार सृजन और पर्यटन को भी बढ़ावा दिया है।

नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि आठ साल पहले शुरू की गई उड़ान योजना के तहत 601 मार्ग और 71 हवाई अड्डे चालू हो गए हैं। उड़ान का उद्देश्य क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ाना और हवाई यात्रा को अधिक किफायती बनाना है। मंत्रालय ने कहा कि हेलीकॉप्टर मार्गों सहित 601 मार्गों को चालू कर दिया गया है और इनमें से करीब 28 प्रतिशत मार्ग सबसे दूरदराज के स्थानों के लिए सेवा देते हैं। बयान के मुताबिक कुल 86 एयरोड्रोम ङ्कइसमें 71 हवाई अड्डे, 13 हेलीपोर्ट और दो जल एयरोड्रोम शामिल हैं ङ्क चालू हो गए हैं। इससे 2.8 लाख से अधिक उड़ानों के जरिये 1.44 करोड़ से अधिक यात्रियों को लाभ हुआ। इस बीच देश में चालू हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 से दोगुनी होकर 2024 में 157 हो गई है। सरकार का लक्ष्य 2047 तक इनकी संख्या को बढ़ाकर 350-400 तक करना है।

वंदे भारत प्रोजेक्ट पर बात कर सकते हैं मोदी व पुतिन

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने मंगलवार को कजान पहुंचेंगे पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलनमें भाग लेने के लिए मंगलवार को रुस के शहर कजान पहुंचेंगे। इस दौरान मोदी ब्लादिमीर पुतिन से 6.5 अरब डालर के वंदे भारत रेल प्रोजेक्ट पर बात कर सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक यह प्रोजेक्ट लंबे समय से अटका पड़ा है। नियामक और तकनीकी दिक्कतों के चलते रूस की कंपनी ट्रांसमाशहोल्डिंग (ञ्जरूा।) वंदेभारत ट्रेनों का निर्माण नहीं कर पा रही है। इस बार रूस भारतीय प्रधानमंत्री के समक्ष इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएगा। पीएम मोदी मंगलवार को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। इससे पहले जुलाई में दोनों नेताओं के बीच वार्षिक द्विपक्षीय बातचीत हुई थी। सितंबर में पुतिन ने कहा था कि पीएम मोदी से होने वाली मुलाकात मौजूदा प्रोजेक्ट्स के लिए अहम होगी। बता दें कि रूस की कंपनी ञ्जरूा। सरकारी कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड (ऋङ्कहृरु) के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। जुलाई में पीएम मोदी के मॉस्को दौरे के समय भी इस मुद्दे को उठाया गया था। प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर 22 और 23 अक्टूबर को कजान में आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने रूस जा रहे हैं।

200 वंदेभारत ट्रेनों का होना था निर्माण

इस प्रोजेक्ट के तहत 200 वंदेभारत ट्रेनों का निर्माण किया जाना था। वहीं एक ट्रेन की लागत करीब 120 करोड़ रुपए थी। इसके बाद सरकार ने प्रोजेक्ट को घटाकर केवल 120 ट्रेनें कर दीं और प्रोजेक्ट को घटाकर 36 हजार करोड़ रुपए का कर दिया। मार्च 2023 में 58000 रुपये का टेंडर जीतने के बाद से ही आरवीएनएल और टीएमएच के कंसोर्टियम में दिक्कतें आने लगी थीं। कन्सोर्टियम में जब शेयरहोल्डिंग को रीस्ट्रक्चर करने की अपील की तो सरकार ने इसे मंजूरी नहीं दी।

इन कारणों से अटका पड़ा है प्रोजेक्ट

आरवीएनएल के काइनेट रेलवे सलूशन्स में 25 फीसदी शेयर थे। इसके अलावा अन्य दो रूसी कंपनियों के शेयर 70 और पांच फीसदी थे। रूस की कंपनी ने सरकार से कहा कि रूङ्करू और स्ध्वस्र की शेयरहोल्डिंग आपस में बदल दी जाए। इससे आरवीएनएल की हिस्सेदारी भी प्रभावित नहीं होगी। हालांकि सरकार ने अब तक इसकी अनुमति नहीं दी है। उन्होंने बताया, सरकार चाहती है कि ट्रेनों की संख्या को और कम कर दिया जाए और हर ट्रेन में कोच बढ़ा दिए जाएं। कोच 16 से 24 करने का प्लान है। ऐसे में इन बाधाओं के चलते वंदेभारत प्रोजेक्ट अटका पड़ा है।

सांसद भारती पारधी चुनाव के बाद पहली बार हुई मीडिया से रूबरू

शहर विकास के कार्यों में सांसद ने कहा सभी के सुझाव लेकर किया जाएगा कार्य

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। सांसद भारती पारधी ने मिडिया से चर्चा करने के लिए भाजपा कार्यालय में प्रेसवार्ता का आयोजन किया, जहां उन्होंने प्रेस वार्ता के दौरान सबसे पहले जिले के विकास को लेकर अपनी बात रखी और बताया कि उनके द्वारा रेलवे और जिले कि खस्ताहाल सडकों को लेकर सरकार से दुरस्त करने की पहल की है, तो वहीं उन्होंने सांसद बनने के दौरान मिडिया का आभार जताया और कहा कि शहर में कोई भी छोटी से छोटी या बड़ी समस्या हो वह पत्रकार अच्छे से जानते हैं और वह समय-समय पर पत्रकारों से मिलकर चर्चा कर शहर विकास के लिए कार्य योजनाएं बनाएंगी।

आपको बता दे कि सांसद बनने के बाद भारती पारधी द्वारा अभी तक मीडिया से संवाद नहीं किया गया था और ना ही मीडिया से मिलकर शहर विकास को लेकर कोई कार्य योजना तैयार की गई थी, जिस पर कुछ पत्रकारो द्वारा सांसद और भाजपा जिला अध्यक्ष को समय-समय पर कहा था कि सांसद बनने के बाद भारती पारधी ने मीडिया से कोई संवाद नही किया है जिसको देखकर लग रहा है कि सांसद ने मीडिया से दूरी बना ली है जिसके बाद सांसद द्वारा पत्रकार वार्ता रखकर उठ रहे सवालों पर विराम लगाते हुए मीडिया से चर्चा की गई और बताया गया कि वह सही में पत्रकारों से बहुत लेट मिल रही है, क्योंकि पार्टी कार्यक्रम और बैठकों के कारण वह पत्रकारों से नहीं मिल पाई थी, इसलिए उन्होंने 21 अक्टूबर को मीडिया के साथ संवाद रखने के लिए पत्रकार वार्ता का आयोजन किया है और उन्होंने यह भी बताया कि निश्चित ही उनके सांसद बनने में पत्रकारों का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से साथ रहा है और वह भी चाहती हैं कि समय-समय पर पत्रकार शहर विकास को लेकर छोटी से छोटी और बड़ी समस्या और सुझाव उन्हें दे, क्योंकि सभी के सहयोग से वह शहर के विकास को लेकर कार्य करना चाहती है, उन्होंने भी माना कि निश्चित ही मीडिया से चर्चा करने के लिए वह काफी लेट हुई और वह भी स्वयं चाहती थी कि मीडिया से चर्चा कर शहर की समस्याओं को जाने और समझे, जबकि उन्होंने शहर विकास को लेकर कुछ पत्राचार शासन से किया है बालाघाट - सिवनी मार्ग, हो रही ट्रेन लेट और कनेक्टिविटी को लेकर शासन को पत्राचार करते हुए कुछ मांगे भी रखा है, वह उन्हें जल्द ही शासन द्वारा जिले को मिलेगी उन्होंने यह भी बताया कि कुछ पुराने सांसद और मंत्रियों के अधूरे काम को वह पूरा करने में लगी है और वह उसे पूरा करेंगी।

व्यस्तता के कारण नहीं मिल पाई मीडिया से

जिस प्रकार से सांसद बनने के बाद भारती पारधी ने मीडिया से चर्चा नहीं की थी, उसको लेकर उन्होंने वार्ता के दौरान कहा कि वह स्वयं भी मीडिया से मिलना चाहती थी, किंतु व्यस्तता के चलते वह मीडिया से नहीं मिल पाई क्योंकि वह पार्टी के कार्यक्रम और भाजपा के सदस्यता अभियान में लगी हुई थी, इसी कारण वह मीडिया के लिए समय नहीं निकाल पाई थी।

महाजनी का जिला है बालाघाट

वार्ता के दौरान सांसद भारती पारधी ने बातों ही बातों में सभी के मिले सहयोग और कार्य को देखते हुए कहां की बालाघाट जिला एक महाजनी वाला जिला रहा है, यहां पर सभी एक दूसरे को लेकर चलते हैं और सभी एक दूसरे को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करते हैं और इसका उदाहरण है कि उन्हें चुनाव में सभी के सहयोग से जीत हासिल हुई है।

पहले के सांसद और मंत्रियों के काम अभी भी अधूरे हैं

सांसद भारती पारधी ने यह भी बताया कि निश्चित ही पहले के मंत्री और सांसदों ने कार्य किया है लेकिन उनके अभी भी कुछ कार्य अधूरे हैं, जिन्हें वह समय रहते पूरा करेंगे क्योंकि वह चाहती है कि जो सांसद और मंत्रियों के अधूरे कार्य हैं उन्हें वह प्राथमिकता से लेकर पहले पूरा करें, उसके बाद ही वह अन्य कार्यों पर काम करेंगे।

रेलवे कनेक्टिविटी और सिवनी बालाघाट रोड को लेकर कर रही हूं प्रयास

रेलवे कनेक्टिविटी को लेकर भारती पारधी द्वारा कहा गया कि वह कुछ कार्य को प्राथमिकता से लेकर उनको पूरा करना ही उनका प्रमुख उद्देश्य है जिसमें रेलवे की कनेक्टिविटी और सिवनी -बालाघाट मार्ग है जो इन दिनों काफी महत्वपूर्ण है जिन्हें वह प्राथमिकता में लेकर पहले पूरा करने का प्रयास करेगी , क्योंकि इस रोड के बारे में मुख्यमंत्री को भी पता है और वह स्वयं रोड मार्ग से जब बालाघाट पहुंचे थे तो उन्होंने बरघाट में कहा था कि इस रोड को वह अवश्य बनवाएंगे।

गुड शेड को हट्टा या गर्रा में करेंगे शिफ्ट

जिस प्रकार से इन दिनों रेलवे स्टेशन में शेड को लेकर काफी दिक्कतें आ रही है उसे वह या तो हट्टा या फिर गर्रा में शिफ्ट करवायेंगी, क्योंकि कहीं ना कहीं आज ट्रेन लेट आ रही है वह ट्रैक के कारण भी हो सकती है और गुड शेड के शिफ्ट होने से ट्रैक मिलेगा और उससे ट्रेन लेट नहीं होगी

भटेरा ओवरब्रिज को लेकर थोड़ी समस्या है

जिस प्रकार से बीते दिनों जनप्रतिनिधियों द्वारा मंचों के माध्यम से यह जानकारी दी गयी थी कि जिले में तीन ओवरब्रिज साथ-साथ बनेंगे जिसमें सरेखा ओवरब्रिज, गर्रा और भटेरा रेलवे क्रॉसिंग के पास ओवरब्रिज बना है जिसके लिए भूमि पूजन और सारे कार्य हो गए हैं, किंतु जिस प्रकार से जानकारी आ रही थी, कि भटेरा ओवरब्रिज को लेकर कहा जा रहा था कि इसमें अभी और देरी लगेगी, जिस पर सांसद भारती पारधी ने भी वार्ता के दौरान बताया कि भटेरा ओवरब्रिज को लेकर अभी कुछ समस्या है।

बालाघाट सिवनी मार्ग के बड़े गड्ढे भरे जायेंगे

बालाघाट सिवनी मार्ग पर पूछे गए सवाल में सांसद भारती पारधी ने कहा कि बालाघाट सिवनी मार्ग में बड़े-बड़े गड्ढे और रोड के निर्माण को लेकर उन्होंने सिवनी बालाघाट दोनों ही जिले के कलेक्टरों से चर्चा की है और अभी वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में जो मार्ग में बड़े-बड़े गड्ढे बने हैं उन्हें भरने को लेकर दोनों ही जिलों के कलेक्टरों से चर्चा की गई है जल्द ही मार्ग के गड्ढे भरे जाएंगे।

वार्ड नंबर 6 गणेश मंदिर के पास चाकू चली

चप्पू अली ने देवेंद्र को चाकू से मार कर किया घायल

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। नगर के वार्ड नंबर 6 स्थित गणेश मंदिर के पास एक व्यक्ति को चाकू से मार कर घायल कर दिया गया। 20 अक्टूबर की रात्रि 11:00 बजे करीब यह घटना आपसी रंजिश के चलते हुई। चाकू के वार से घायल व्यक्ति देवेंद्र पिता उदल प्रसाद कुरील 51 वर्ष वार्ड नंबर 6 देवी तालाब निवासी को जिला अस्पताल भर्ती किया गया है। वहीं कोतवाली पुलिस ने इस मामले में चप्पू अली उर्फ गनी उर्फ अली के अलावा रोहित बर्वे और राहुल बर्वे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज करते हुए जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवेंद्र कुरील की रॉयल पान सेंटर के नाम से दुकान है। 20 अक्टूबर की रात्रि में देवेंद्र कुरील अपने घर पर था। रात 11 बजे घर में करवा चौथ की पूजा करने के बाद देवेंद्र कुरील परिवार के साथ खाना खा रहे थे। तभी चप्पुअली, रोहित बर्वे, राहुल बर्वे तीनों लोग देवेंद्र कुरील के घर के सामने आए और देवेंद्र कुरील से बोले की आपका लड़का आदित्य कुरील डेकोरेशन का पंखा लेकर गया है जो वापस नहीं किया है। आज पंखा वापस नहीं किया तो तीनों आदित्य कुरील को जान से मारने की धमकी देकर चले गए थे। इसके बाद देवेंद्र कुरील अपने भाई दीपक कुरील के घर जा रहा था। तभी गणेश मंदिर के पास चप्पु अली, रोहित बर्वे और राहुल बर्वे तीनों किसी बात को लेकर लड़ाई झगड़ा कर रहे थे देवेंद्र कुरील समझा कि कहीं मेरे लड़के के साथ तो लड़ाई झगड़ा नहीं कर रहे हैं। यह सोच कर देवेंद्र कुरील ने गणेश मंदिर के पास जाकर देखा तभी चप्पु अली ने अपने हाथ में रखे चाकू देवेंद्र कुरील के मुंह में मार दिया। इसके बाद चप्पु अली रोहित बर्वे और राहुल बर्वे तीनों मोटरसाइकिल से फरार हो गए।। इस घटना के दौरान वहा पर मोहल्ले के लोग इकट्ठे हो गए थे। चप्पु अली के चाकू के वार से देवेंद्र कुरील घायल हो गया था। जो अपनी पत्नी आरती एवं बेटे वर्ष कुरील के साथ इलाज करवाने के लिए जिला अस्पताल पहुंचा। जिला अस्पताल में देवेंद्र को को भर्ती किया गया है। जिला अस्पताल पुलिस में रात्रि में ही देवेंद्र कुरील का बयान लेकर अस्पताल तहरी कोतवाली भिजवा दी थी 21 अक्टूबर को कोतवाली के सहायक उप निरीक्षक दिनेश पंचेश्वर ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायल देवेंद्र कुरील से मामले में पूछताछ कर उसके बयान दर्ज किये। और इस मामले में चप्पू अली उर्फ गनी उर्फ अली के अलावा राहुल बर्वे और रोहित बर्वे के विरुद्ध देवेंद्र कुरील को मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 294 118(1) 351(2) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया है घटना के बाद सभी आरोपी फरार बताएं जा रहे हैं जिनकी तलाश की जा रही है।

नागरिकों की शिकायतों को समयसीमा में निराकृत नहीं करने पर डीईओ सहित 4 बीईओ को नोटिस होगा जारी

अस्थायी पटाखा दुकानों का एसडीएम करेंगे नियमित निगरानी, नपा को शहर में फॉगिंग और स्वास्थ्य विभाग को लार्वा जांचने के निर्देश

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। मीना ने सीएम हेल्पलाईन पर नागरिकों की शिकायतों का समय सीमा में निराकरण नही करने पर जिला शिक्षा अधिकारी सहित 4 बीईओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है। बैठक में विभिन्न विषयों की समीक्षा करते हुए पीडब्ल्यूडी विभाग को सड़कों के मरम्मत कार्य प्रारम्भ करने की हिदायत दी गई। वही पटाखा लायसेंस व अस्थायी दूकानों को लेकर कलेक्टर श्री मीना ने सभी एसडीएम को दुर्घटना से बचने की हिदायत दी है। कहा है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही किसान पंजीयन के सम्बंध में समीक्षा के दौरान तहसीलदारों को किसानों के पंजीयन त्वरित रूप से करने के निर्देश दिए है। शहर व जिले में स्वास्थ्य के नजरिये से नपा व स्वास्थ्य विभाग को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए है। बैठक में जिपं सीईओ अभिषेक सराफ, एडीएम जीएस धुर्वे, सहायक कलेक्टर कार्तिकेय जायसवाल, एसडीएम गोपाल सोनी सभाग्रह में तथा अनुविभागीय अमला गूगल मीट के माध्यम से जुड़ा।

अनुकंपा, एरियर, सायकिल वितरण व छात्रवृत्ति की शिकायतों पर ध्यान न देने पर कार्रवाई

टीएल बैठक में सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा करते हुए देखा कि सितंबर माह की 39 शिकायतें व 50 दिनों से अधिक 37 शिकायतें लंबित है। वीसी के माध्यम से जुड़े बीईओ से इस संबंध में जानकारी लेने पर किसी के द्वारा भी संतोषजनक जवाब नही दिया गया। ये शिकायतें एरियर, अनुकंपा नियुक्ति, छात्रवृति और साइकिल वितरण से सम्बंधित है। एरियर की शिकायतों पर भी संतोषजनक जानकारी नही दी गई। उन्होंने वारासिवनी, लालबर्रा, किरनापुर और बालाघाट के बीईओं को नोटिस जारी करने के निर्देश जिला पंचायत सीईओं को दिए है।

अस्थायी दुकानों के फायर प्लान एसडीएम देखेंगे

कलेक्टर श्री मीना ने अस्थायी पटाखा दुकानों के संचालन को लेकर सभी एसडीएम को सतर्क रहने के निर्देश दिए है। उन्होंने उनके क्षेत्रों में अस्थायी तौर पर लगने वाली दुकानों पर विस्फोटक नियम निर्देशों का पालन करने के साथ ही नियमित रूप से निगरानी करने को कहा है। इसमें मुख्य रूप से पटाखा दुकानें आमने सामने नहीं होगी,पर्याप्त रेत बाल्टी की व्यवस्था जो,फायर ब्रिगेड एवं एम्बुलेंस के समुचित रूप से आवागमन हो सके। इसके लिए पार्किंग व्यवस्थित रूप से व्यवस्था की जाए। एसडीएम श्री धुर्वे ने बैठक में जानकारी देते हुए बताया कि जिलें में करीब 100 अस्थायी पटाखा दुकानों को अनुमति प्रदान की गई है।

शहर में फॉगिंग होगी प्रारम्भ

कलेक्टर श्री मीना ने नपा सीएमओ को निर्देश दिए है कि शहर के विभिन्न मौहल्लों व बस्तियों में शाम को फॉगिंग करावाये। इसकी निर्धारित रूपरेखा भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। स्वास्थ्य विभाग को मौसम व त्योहारों के सीजन को देखते हुए सतर्क किया है। जिले में लार्वा जांच प्रारम्भ करें। कलेक्टर श्री मीना जिलें में डेंगू व मलेरिया जैसी मौसमी बीमारियों के सम्बंध में जानकारी ली।

त्योहारी सीजन में यात्रियों के लिए परिवहन विभाग ने बनाया कंट्रोल रूम

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। परिवहन विभाग ने आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए यात्रियों के लिए कंट्रोल रूम बनाया है। जिला परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाल ने बताया कि कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशानुसार इंदौर-भोपाल को आने जाने वाली किराया सूची भी जा रही कि गई है। साथ कंट्रोल रूम पर अधिक किराया वसूलने के मामलें की शिकायत कर सकेंगे। परिवहन अधिकारी ने विभाग के दो अधिकारियों के मोबाइल नम्बर जारी किए है। विभाग के भूपेंद्र कुमार नरनोरे के 7489530837 और प्रमोद उइके के न.9301990393 पर यात्री संपर्क कर सकते है।

इससे अधिक किराया नही लिया जाएगा

परिवहन अधिकारी श्री गढ़पाल ने बताया कि परिवहन विभाग से जारी निर्देशानुसार सभी बस ऑपरेटर्स को निर्धारित किराये के निर्देशों के पालन करने के निर्देश दिए है। उन्होंने बालाघाट से इंदौर भोपाल आने-जाने वाली बसों की किराया सूची जारी की है। बालाघाट से इंदौर एसी (एयर कंडीसनर) बस में 1583 व नॉन एसी 1267 रुपये किराया निर्धारित है। इसके अलावा भोपाल ऐसी बस के लिए 1120 व नॉन एसी 896 रुपये है। उन्होंने बताया कि रात्रि बस सेवा के लिए सामान्य प्रक्रम वाहनों के किराए से 10 प्रतिशत अधिक किराया वहन करने के निर्देश है। इसी तरह डीलक्स बसों को 25 प्रतिशत, स्लीपर के लिए 40 प्रतिशत, डिलक्स बस (एसी) के लिए 50 प्रतिशत और सुपर लक्जरी कोच के लिए 75 प्रतिशत अधिक किराया निर्धारित है। जबकि सामान्य प्रक्रम वाले वाहनों से यात्रा के लिए प्रति किमी.1.25 रुपये प्रति यात्री व न्यूनतम किराया 7 रुपये निर्धारित है।

एमपी पीएससी की मुख्य परीक्षा का बालाघाट में हुआ आगाज़

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बालाघाट के विद्यार्थियों के लिए सोमवार एक अच्छे दिन के रूप में घटित हुआ है। खासकर उन विद्यार्थियों के लिए जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहें है। आयोग द्वारा नियुक्त सम्भागीय प्रेक्षक पूर्व आईएएस व एनवीडीए अध्यक्ष डॉ.अशोक कुमार भार्गव ने सोमवार से प्रारम्भ हुई परीक्षा की पूरे समय निगरानी में रहें। परीक्षार्थियों को अच्छे माहौल में परीक्षा देने का अवसर मिलें। इसके लिए

व्यवस्थाओं पर बारिकी से नजर रखीं। हालांकि मुख्य परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा है। केंद्र पर एसडीएम गोपाल सोनी व परीक्षा प्रभारी श्री केसी ठाकुर ने भी गंभीरता से निगरानी की। बालाघाट में पहली बार हो रही मुख्य परीक्षा के लिए 47 विद्यार्थियों ने अपना केंद्र चयन किया था। इनमें से 38 परीक्षार्थियों ने सामान्य अध्ययन का पहला पेपर सुबह 10 बजे से 1 बजे तक हुआ। विद्यार्थियों के प्रवेश में किसी तरह की कोई समस्या नहीं हुई। सभी विद्यार्थियों ने आयोग द्वारा दिये गए निर्देशों का पालन करते हुए परीक्षा हॉल में प्रवेश किया।

एडीएम ने जिले में 818 लाइसेंसियों के अस्थायी पटाखा लाइसेंस अनुमति की जारी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। एडीएम जीएस धुर्वे द्वारा दीपावली त्यौहार के मद्देनजर जिले के अंतर्गत समस्त अस्थाई फटाखा लाइसेंसों की अनुभाग वार सूची जारी कर दी गई है। इस वर्ष दीपावली त्यौहार में जिले में कुल 818 अस्थाई लाइसेंसियों को अनुमति प्रदान की गई है। जिसमे बालाघाट अनुभाग (तहसील बालाघाट/लामता) अंतर्गत 211, वारासिवनी (वारासिवनी, लालबर्रा, खैरलांजी) अंतर्गत 173, कटंगी (कटंगी/तिरोड़ी) अंतर्गत 87, बैहर (बैहर/बिरसा) अंतर्गत 131, लांजी 135, किरनापुर 50 और परसवाड़ा अनुभाग में 31 फटाखा लाइसेंसियों को अस्थाई लायसेंस जारी किए गए है।

एक व्यक्ति ने एक महिला पर चलाई तलवार तो उसके दो बेटों को दांत से काटकर किया जख्मी

भरवेली थाने के ग्राम हीरापुर की घटना, घायल महिला रेखा वराड़े जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम हीरापुर में एक व्यक्ति ने उधम मचाते हुए एक महिला को चाकू से मारकर और दांत से काटकर घायल कर दिए वहीं उसके दो बेटों को मारपीट और दांत से काटकर जख्मी कर दिया। 21 अक्टूबर की शाम 7.30 बजे यह घटना उस समय हुई जब यह महिला मंदिर से पूजा करके अपने घर आ रही थी। घायल महिला श्रीमती रेखा पति तिलकचंद वराडे 40 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेखा वराडे के घर में ही किराना दुकान है। जिसका संचालन उसके दो बेटे अमित और शिव करते हैं। उनके पड़ोस में ही हीरालाल ब्रम्हे और उनका बेटा विक्की ब्रम्हे में रहते हैं। हीरालाल ब्रम्हे माइंस का रिटायर्ड कर्मचारी है और उनका बेटा विक्की ब्रम्हे प्राइवेट जॉब करता है। बताया गया कि दोनों पिता पुत्र आए दिन शराब पीकर के मोहल्ले में हल्ला दंगा करते रहते हैं। 21 अक्टूबर की शाम 7.30 बजे श्रीमती रेखा वराडे मंदिर से पूजा करके अपने घर आ रही थी। तभी विक्की ब्रम्हे किराना दुकान के सामने हल्ला शोर मचा रहा था और गाली गुप्ता कर रहा था। रेखा वराड़े के बैटे अमित वराडे और शिव वराडे विक्की ब्रम्हे को समझा रहे थे किंतु विक्की ब्रम्हे दोनों भाई से उलझ गया और उनके बीच हाथापाई हो गई। इसके बाद विक्की ब्रम्हे अपने घर गया और घर से तलवार लेकर आया। इस दौरान रेखा वराडे दुकान के सामने पहुंच चुकी थी और वह विक्की ब्रम्हे को समझा रही। तभी विक्की ब्रम्हे ने आवेश में आकर रेखा वराडे पर तलवार से वार कर दिया। तलवार का वार रेखा वराडे के दाहिने हाथ की कलाई में लगा वही विक्की ब्रम्हे ने उनके बाये दाएं हाथ की कलाई को दांत से काट दियाऔर इस दौरान बीच बचाव करने के लिए रेखा वराडे के दोनों लड़के शिव और अमित दौड़े तो उन्हें भी विक्की ब्रम्हे ने दांत से काट कर जख्मी कर दिया। बीच बचाव के बाद घायल रेखा वराडे को परिवार वालों ने भरवेली थाने ले गए जहां से उसे जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।

स्कूल बस की ठोकर से साइकिल सवार मजदूर घायल

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बालाघाट, कोतवाली क्षेत्र में आने वाले वारासिवनी रोड ग्राम गर्रा गौरी शंकर पेट्रोल पंप के पास स्कूल बस की ठोकर से साइकिल सवार एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति मनोज पिता बालकदास बारेकर 36 वर्ष मशीन टोला गर्रा बालाघाट निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है । प्राप्त जानकारी के अनुसार मनोज बारेकर जेके राइस मिल गर्रा में मजदूरी करता है। 21 अक्टूबर को 10 बजे मनोज बारेकर साइकिल में राइस मिल जा रहा था। तभी वारासिवनी रोड गर्रा पेट्रोल पंप के पास पीछे से तेज रफ्तार से आ रही स्कूल बस ने सायकल सवार मनोज बारेकर को ठोस मार दी। स्कूल बस की ठोकर से मनोज बारेकर घायल हो गया। जिसे 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। यह स्कूल बस सतपुरा स्कूल की बताई गई है। जिला अस्पताल पुलिस ने मनोज बारेकर का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली बालाघाट भिजवा दी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट